Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, मघा, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • गुरूवार • 16 जनवरी 2025 • वर्ष 28 • अंक 39 • पृष्ठ 12

खेल

भारतीय स्टार के भविष्य पर इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर का बयान, कोहली का समय चला...

देश

राष्ट्रीय खेल : 1200 विशिष्ट खेल स्वयंसेवक भी होंगे तैनात

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 80,070	₹93,500

आज का इतिहास

- 1761 : ब्रिटिश सैनिको ने फ्रांस से पांडिचेरी, भारत पर कब्जा कर लिया।
- 2013 : सीरिया के इदलिब में बम धमाकों में 24 लोगों की मौत हुई।

न्यूज बाइट्स

ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज कबड्डी टूर्नामेंट में बिहार की बेटियों ने लहराया परचम

पटना (नि.सं.)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में तीन जनवरी से आठ जनवरी तक आयोजित पांच दिवसीय ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज कबड्डी में बिहार की बेटियों ने अपना परचम लहरा दिया है। टूर्नामेंट में देश के अलग-अलग राज्यों से 20 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें बिहार महिला टीम ने फाइनल में हिमाचल की टीम को 23-45 से पराजित कर ऑल इंडिया चैंपियनशिप में जीत हासिल की। बिहार की बेटियों ने इतिहास रच दिया। जीत का परचम लहराने वाली महिला टीम में सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग में पदस्थापित रश्मि कुमारी ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर विभाग एवं राज्य का नाम रौशन किया है।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को दी गई विदाई

पटना (नि.सं.)। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चन्द्रन को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाये जाने के बाद हाईकोर्ट के वकीलों ने उन्हें बुधवार को विदाई दी। वहीं हाईकोर्ट का कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने पर न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार को बधाई दी गई। 7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाने के लिए उनके नाम की अनुशंसा केंद्र सरकार से की थी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की अनुशंसा पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जज की नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की थी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन 8 नवंबर, 2011 को केरल हाईकोर्ट में जज बने थे और 29 मार्च, 2023 को उन्हें पटना हाईकोर्ट का 44वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

बीपीएससी की वेबसाइट का पता बदला

पटना (नि.सं.)। पटना 15 जनवरी (वार्ता) बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट का पता यानी यूआरएल को आज से बदल दिया है। बीपीएससी के सचिव के हस्ताक्षर से बुधवार को जारी सूचना में कहा गया है कि बिहार लोक सेवा आयोग, पटना की आधिकारिक वेबसाइट 'बीपीए ससीडॉटबीआईएचडॉटएनआई सीडॉटइन' रही है। लेकिन, 15 जनवरी 2025 से वेबसाइट का पता यानी यूआरएल को बदलकर एससीडॉटबिहारडॉटजीओवीडॉटइन' कर दिया गया है।

मंत्री संतोष सिंह को धमकी देने वाला यूपी से गिरफ्तार

पटना (नि.सं.)। बिहार के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी देने के मामले में कार्रवाई हुई है। यूपी के आजमगढ़ से आरोपी संजय यादव को गिरफ्तार किया गया है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर बिहार सरकार के श्रम मंत्री संतोष सिंह को धमकी मिली है। मंत्री से 30 लाख की डिमांड की गई थी। रुपए नहीं देने पर अंजाम भुगतने की बात कही गई थी। मंत्री संतोष सिंह को फोन करने वाले शख्स ने कहा था कि जिस तरह बाबा सिद्दीकी का मर्डर हुआ, तेरा भी होगा।

बिहार में नीट-यूजी में फर्जीवाड़ा

सीबीआई ने आठ आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया नया मामला

- सीबीआई ने 23 जून 2024 को पहली एफआईआर दर्ज की थी और अब तक कई पहलुओं पर जांच जारी है।

निज संवाददाता | पूर्णिया

पेपर लीक के आरोप और सीबीआई जांच

इस फर्जीवाड़े के बारे में सबसे पहले बिहार पुलिस को पेपर लीक की सूचना मिली थी, जिसके बाद जांच शुरू की गई। यह मामला जल्द ही एक बड़े राजनीतिक मुद्दे में बदल गया, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ने लगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंप दी। सीबीआई ने 23 जून 2024 को इस मामले में अपनी पहली एफआईआर दर्ज की थी और अब तक कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर जांच जारी है।

पिछले साल हुआ था नीट परीक्षा में फर्जीवाड़ा

नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा एमबीबीएस, बीडीएस, आयूष और अन्य मेडिकल कोर्सों में प्रवेश के लिए किया जाता है। यह परीक्षा 5 मई 2024 को 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें 14 विदेशी केंद्र भी शामिल थे। इस परीक्षा में 23 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए थे।

पूर्णिया जिले में नीट-यूजी 2024 परीक्षा में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है, जिसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में नया केस दर्ज किया। यह मामला बिहार पुलिस से राज्य सरकार के अनुरोध पर सीबीआई को सौंपा गया है, और जांच में यह खुलासा हुआ कि परीक्षा में चार असली उम्मीदवारों की जगह पर अन्य लोगों ने परीक्षा दी थी, जो एक बड़ा फ्रॉड साबित हो सकता है। एसआरडीएवी पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल ने आरोप लगाया कि 5 मई 2024 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में चार फर्जी उम्मीदवारों ने असली उम्मीदवारों की जगह पर परीक्षा दी। एफआईआर के अनुसार, भोजपुर के नितीश कुमार ने मुजफ्फरपुर के आशीष कुमार की जगह परीक्षा दी, जबकि जालोर (राजस्थान) के कमलेश कुमार ने सीवान के धीरज प्रकाश की जगह पर परीक्षा दी। इसी तरह, बेगूसराय के सौरभ कुमार ने सीतामढ़ी के तथागत कुमार की जगह परीक्षा दी और मयंक चौधरी ने सीतामढ़ी के दीपक कुमार सिंह की जगह परीक्षा दी। इन फर्जी उम्मीदवारों के जरिए परीक्षा देने से यह मामला एक बड़े फ्रॉड का रूप ले चुका है। सीबीआई ने इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह मामला खासतौर पर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा किया जाता है, जो एमबीबीएस, बीडीएस, आयुर्वेद और अन्य मेडिकल कोर्सों में प्रवेश के लिए अहम परीक्षा है। इस परीक्षा का आयोजन 5 मई 2024 को 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्रों पर किया गया था, जिसमें 23 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया था, साथ ही 14 विदेशी केंद्र भी इसमें शामिल थे।

यह मामला केवल एक परीक्षा में फर्जीवाड़े से जुड़ा नहीं था, बल्कि इससे राज्य और केंद्र सरकारों पर दबाव भी बढ़ने लगा। बिहार की सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और मामले की जांच तेज करने का आदेश दिया। सीबीआई ने अब बिहार सहित अन्य राज्यों में फैले इस फर्जीवाड़े के मामलों की जांच शुरू कर दी है। नीट-यूजी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में फर्जीवाड़ा करना न केवल परीक्षा प्रक्रिया की साख को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह मेडिकल पेशेवरों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाता है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में इस प्रकार की धोखाधड़ी से छात्रों के बीच असंतोष बढ़ता है और उनकी मेहनत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, यह देश के शिक्षा क्षेत्र में एक गंभीर मुद्दा बन चुका है, जिसे शीघ्र सुलझाने की आवश्यकता है। सीबीआई इस मामले में जांच को और विस्तृत रूप से करने की योजना बना रही है और इससे जुड़ी अन्य कड़ीं को भी जल्द सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। यह मामला नीट परीक्षा के बाद हुए सबसे बड़े फर्जीवाड़े के रूप में देखा जा रहा है।

सैद्धांतिक परीक्षा एक से 15 फरवरी तक की जायेगी आयोजित

इंटर वार्षिक परीक्षा के लिए 12.90 लाख परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड हुआ जारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इंटर वार्षिक परीक्षा 2025 की सैद्धांतिक परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। सैद्धांतिक परीक्षा एक से 15 फरवरी तक निर्धारित परीक्षा केंद्र पर आयोजित की जायेगी। परीक्षा का एडमिट कार्ड 31 जनवरी तक वेबसाइट http://seniorsecondary|biharboardonline|com पर अपलोड रहेगा। राज्य भर के स्कूल प्रधान यूजर आइडी व पासवर्ड दर्ज करके एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं और सभी स्टूडेंट्स को वितरित करेंगे। परीक्षार्थी अपना एडमिट कार्ड स्कूल से प्राप्त करेंगे। गौरतलब है कि इस बार इंटर वार्षिक परीक्षा 2025 में लगभग 12 लाख 90 हजार परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं।

31 तक डाउनलोड कर सकते हैं एडमिट कार्ड

एडमिट कार्ड 31 जनवरी तक ऑफिशियल वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकेंगे। यह एडमिट कार्ड फाइनल है और इसमें अब सुधार नहीं किया जा सकता है। अतः किसी ही संस्थान के प्रधान अथवा परीक्षा केंद्रों के अधीक्षक द्वारा किसी भी परीक्षार्थी के जारी प्रवेश पत्र में अंकित विषय, विषयों में किसी भी परिस्थिति में न तो सुधार किया जायेगा और न ही भिन्न विषय से परीक्षा में सम्मिलित कराया जायेगा। अगर सेंटअप परीक्षा में फेल, अनुपस्थित स्टूडेंट्स को एडमिट कार्ड जारी किया जाता है तो इसे घोर अनियमितता मानते हुए समिति द्वारा स्कूल के प्रधान पर कार्रवाई की जायेगी।

दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए श्रुति लेखक की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। इसके लिए परीक्षार्थियों को जिला शिक्षा पदाधिकारी को परीक्षा से पहले जानकारी देनी होगी। समिति ने कहा है कि अगर किसी को एडमिट कार्ड डाउनलोड होने में असुविधा होती है तो फोन नंबर 0612-2230039 पर कॉल कर सकते हैं।

हर घर नल का जल योजना में लापरवाही बरतने पर मधुबनी और जमुई के कार्यपालक अभियंता निलंबित

पटना(नि.सं.)। राज्य सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना 'हर घर नल का जल' के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए मधुबनी और जमुई जिलों के कार्यपालक अभियंताओं को निलंबित कर दिया है। विभाग ने जिला प्रशासन से पेयजल एप्प के माध्यम से राज्य के 1,17,016 योजनानो का सर्वेक्षण 20-21 नवंबर 2024 को कराया था । इसी क्रम में यह अनुशासनिक कार्रवाई संबंधित प्रमंडलों में योजनाओं के बंद होने, विभागीय मानकों के अनुरूप संचालन न होने, और गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आरोपों के बाद की गई है।

गरभेली पंचायत के लोगों को मनियां रेलवे स्टेशन जाना हुआ आसान : तारकिशोर प्रसाद

- यह परियोजना राज्य सरकार की ग्रामीण विकास योजनाओं की सफलता का प्रतीक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

निज संवाददाता | कटिहार

लंबे समय से प्रतीक्षित सड़क निर्माण की मांग को पूरा करते हुए कटिहार विधानसभा क्षेत्र के गरभेली पंचायत के मधेपुरा गांव से मनियां रेलवे स्टेशन तक 1 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़क के निर्माण के लिए लगभग एक करोड़ 30 लाख रुपए की निविदा जारी की गई है। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने इस परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि सड़क निर्माण के बाद इस क्षेत्र के ग्रामीणों को आवाजाही में बड़ी सहूलियत होगी। इस सड़क का निर्माण रक्सा, बठेली, कुर्बानी बिट्टा, मधेपुरा, चांय टोला और परिहार टोला जैसे दर्जनों गांवों के लोगों को मनियां रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए एक आसान और पक्की राह देगा। साथ ही, यह सड़क सिरनिया पूरब पंचायत के मनिया, पिपरा, पिपरा संथाली, बुढ़िया टीकर और प्राणपुर प्रखंड तक भी कनेक्टिविटी को आसान बनाएगी।

ग्रामीणों को मिलेगा बड़ा लाभ

इस सड़क पर पहले ही दो पुलों का निर्माण किया जा चुका है। अब सड़क के पक्कीकरण और सुदृढ़ीकरण का काम शुरू होने जा रहा है। ग्रामीण लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे थे, जो अब पूरी होने जा रही है। सड़क निर्माण की निविदा जारी होने की खबर से क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं ग्रामीण कार्य मंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है। कमल किशोर मंडल, रंजीत मंडल, राम लखन साह, अशोक चौधरी, मानिक चंद्र साह, नन्द गोपाल साह बबलू, प्रेम प्रकाश साह पिंटू, मोहन चौबे और अशोक साह समेत कई लोगों ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। सड़क निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को न केवल आवागमन की सुविधा मिलेगी, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा। मनियां रेलवे स्टेशन तक आसान पहुंच होने से गांवों के लोग बाजार और अन्य सुविधाओं का लाभ तेजी से उठा सकेंगे। यह परियोजना राज्य सरकार की विकास योजनाओं की सफलता का प्रतीक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

कोहरे से आलू और सरसों में रोग लगने की संभावना बढ़ी

निज संवाददाता | पटना

गेहूं फसल के लिए फायदेमंद मौसम

शीतलहर और ठंड के बढ़ते प्रकोप का असर खेती-किसानी पर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। कोहरे के कारण वातावरण में नमी व आर्द्रता बढ़ने से रबी की फसल में कीट व अन्य रोग लग सकते हैं। खासकर अधिक कोहारा पड़ा तो आलू व सरसों के साथ ही मटर को भी नुकसान हो सकता है। हालांकि, पटना जिले में अबतक इन फसलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन यदि तापमान पांच डिग्री नीचे गया और कोहरा की मार कई दिनों तक रही तो आलू के फसल में झुलसा रोग के साथ सरसों में कीट रोग लग सकता है। किसान दवा छिड़काव के बाद करें पटवन : मीठापुर कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एसपी सिन्हा ने बताया कि ठंडक में तापमान गिरने के साथ ही अपेक्षित आर्द्रता बढ़ने से रबी की फसल कीट व रोग की चपेट में आ जाती है। ऐसे में किसान अभी दवाओं का छिड़काव कर देंगे तो फसल को रोगों से बचा सकते हैं। आलू की फसल में अगेती व पछेती झुलसा रोग, राई व सरसों की फसल में कीट व अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग, मटर की फसल में मिल्ड्यू रोग तथा गेहूं की फसल में पीली गेरुई रोग लगने की संभावना सर्वाधिक होती है।

यह मौसम गेहूं फसल के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है। किसानों के चेहरे खिल रहे हैं। किसान पटवन करने से बच रहे हैं। अगात गेहूं की बुआई करने वाले किसान एक पटवन कर छोड़ दिए हैं। दूसरा पटवन करने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। मौसम पूरा साथ दिए हुए है। किसानों को इस मौसम से बड़ी राहत मिली है। पिछात वाले गेहूं की बुआई जो दिसंबर के अंतिम सप्ताह या उसके बाद हुई है उसमें अंकुरण की समस्या आ रही है। कोहरे के कारण अंकुरण नहीं हो पा रहा है।

समाचार पत्रों के न्यूज़ प्रिंट पर लगे जीएसटी को हटाए सरकार

- राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी

निज संवाददाता | रांची

अखबारी कागज (न्यूज़ प्रिंट) पर जीएसटी हटाने की मांग को लेकर नवगठित अखिल भारतीय समाचार पत्र प्रकाशक-संपादक संघ ने रांची प्रेस क्लब में बैठक आयोजित की। बैठक में 10 फरवरी को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन में केंद्र सरकार से न्यूज़ प्रिंट पर जीएसटी हटाने और प्रिंट मीडिया के विज्ञापनों पर जीएसटी समाप्त करने का आग्रह किया जाएगा।

बैठक में कहा गया कि हिंदी समेत सभी भाषाई अखबारों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। इससे जुड़े करीब 5 करोड़ लोग बेरोजगार हो सकते हैं। प्रकाशकों ने डीएवीपी (अब केंद्रीय संचार ब्यूरो) की विज्ञापन दर पिछले 6 वर्षों से संशोधित न होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने न्यूज़ प्रिंट और अन्य सामग्रियों पर जीएसटी से बढ़ती लागत का मुद्दा भी उठाया। बैठक में बिहार, झारखंड और दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों के 50 से अधिक संपादक और प्रकाशक शामिल हुए।

आईएएस एस सिद्धार्थ 10,470 शिक्षकों का खुद करेंगे ट्रांसफर

निज संवाददाता | पटना

बिहार में 1.90 लाख शिक्षकों का तबादला होना है। 10,470 शिक्षकों का ट्रांसफर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ खुद करेंगे। प्रत्येक शिक्षक की मार्कशीट और जो प्रमाण-पत्र ट्रांसफर के आवेदन के साथ अपलोड किए गए हैं, उसकी जांच भी वो खुद ही करेंगे। ये वे शिक्षक हैं जो किसी न किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। दिव्यांग हैं या विधवा हैं। बचे हुए 1.80 लाख शिक्षकों के ट्रांसफर की जिम्मेदारी जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) की होगी।

अपर मुख्य सचिव की ओर से प्रत्येक महीने 5 से 8 दिनों के अंतराल पर शिक्षकों के ट्रांसफर की लिस्ट जारी की जाएगी। शुरुआत में प्रमाण-पत्रों की जांच में लगने वाले समय की वजह से ट्रांसफर प्रक्रिया सुस्त रहने की संभावना है, बाद में इसमें तेजी आएगी। मुख्यालय में कैटेगरी और जिला के आधार पर शिक्षकों के आवेदन फॉर्म को सूचीबद्ध किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक जिले के डीईओ को ट्रांसफर लिस्ट भेजी जाएगी। डीईओ शिक्षकों को प्रखंड आवंटित करेंगे। प्रखंड शिक्षा अधिकारी शिक्षकों को स्कूल आवंटित करेंगे। बची हुई सीटों के बारे में हर दिन जानकारी मुख्यालय भेजी जाएगी।

रबी फसल के लिए बिहार सरकार की फसल सहायता योजना लागू

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने रबी 2024-25 मौसम के लिए राज्य फसल सहायता योजना को मंजूरी दे दी है। योजना का उद्देश्य फसलों की क्षति के कारण किसानों को होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई करना है। राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित इस योजना में किसानों को किसी प्रकार का प्रीमियम देने की आवश्यकता नहीं है। यह योजना पूरी तरह निःशुल्क है और इसका लाभ सभी रैयत, गैर-रैयत और आंशिक रूप से रैयत किसान उठा सकते हैं।

योजना के तहत गेहूँ, मकई, ईख, चना, अरहर, राई-सरसों, मसूर, आलू, प्याज, गोभी, बैगन, टमाटर और मिर्च जैसी फसलों को शामिल किया गया है। इनमें से कुछ फसलें पंचायत स्तर पर और कुछ जिला स्तर पर अधिसूचित की गई हैं। किसानों को फसल क्षति की स्थिति में 20% तक की क्षति पर 7500 प्रति हेक्टेयर और 20% से अधिक क्षति पर 10000 प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम दो हेक्टेयर के लिए सहायता राशि दी जाएगी। यह राशि डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में भेजी जाएगी।

योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है, जिसे सहकारिता विभाग की वेबसाइट या ई-सहकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन के समय किसानों को फसल और बुआई क्षेत्र की जानकारी के साथ स्वघोषणा पत्र, भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र, अद्यतन राजस्व रसीद और जीपीएस टैग जैसी जानकारी अपलोड करनी होगी। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और विपरीत मौसम के कारण होने वाले नुकसान से राहत देने के उद्देश्य से बनाई गई है। योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकार ने विभागीय स्तर पर तैयारी कर ली है। फसलों की अधिसूचित सूची और अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

राज्य सरकार का यह कदम कृषि क्षेत्र में सुधार और किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। योजना से किसानों को आर्थिक संबल मिलने की उम्मीद है, जिससे वे अपनी फसल क्षति की स्थिति में भी वित्तीय स्थिरता बनाए रख सकें।

बीपीएससी 70वीं री-एग्जाम : आज होगी पटना हाईकोर्ट में सुनवाई

निज संवाददाता | पटना

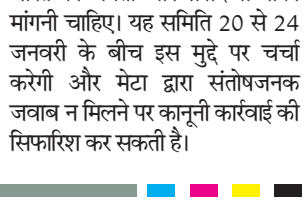

बीपीएससी 70वीं पीटी री-एग्जाम को लेकर पटना हाईकोर्ट में बुधवार को होने वाली सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में 16 जनवरी यानी आज सुनवाई होगी। जानकारी के मुताबिक, चीफ जस्टिस के फेयरवेल की वजह से आज होने वाली सुनवाई को टाला गया है।

दरअसल, प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज की ओर से बीपीएससी 70वीं पीटी री-एग्जाम को लेकर पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। ये याचिका जनसुराज के वकील प्रणव कुमार ने आर्टिकल 226 के तहत के तहत दायर की है। साथ ही ये अपील की है कि जब तक री-एग्जाम न हो जाए, तब तक रिजल्ट जारी नहीं किया जाए। इसके अलावा जनसुराज के अलावा पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और खान सर की ओर से भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसमें री-एग्जाम कराने और प्रदर्शनकारी अभ्यथियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को वापस लेने की मांग की गई है। जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई के लिए 15 जनवरी की तारीख तय की थी।बता दें, बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पिछले 14 दिनों से अनशन पर हैं। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें 7 जनवरी को मेदांता अस्पताल के आईसीयू वार्ड में एडमिट कराया गया था।

बर्फीली हवाओं ने बिहार में बढ़ाई ठंड, शीतलहर जैसे हालात

18 जनवरी तक आठवीं तक के स्कूल बंद, 10 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट

निज संवाददाता | पटना

आगे कैसा रहेगा मौसम

पटना मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो मौसम में बदलाव की वजह से बिहार में अगले 3 दिन में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। 18 जनवरी को तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा। बारिश की कोई संभावना नहीं है। अगले 5 दिनों तक बेतिया, मोतिहारी, सीवान, सारण, गोपालगंज, बक्सर, रोहतास, भोजपुर, भभुआ और औरंगाबाद में घना कोहरा रहेगा।

उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं ने बिहार में ठंड बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने आज 17 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। पटना में मंगलवार से ही शीतलहर जैसे हालात बने हुए हैं। यहां आज भी धूप निकलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, 18 जनवरी से एक बार पूरे प्रदेश में कनकनी बढ़ सकती है। विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिनों तक राज्य के न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। 3 दिनों के बाद पश्चिमी विक्षोभ के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। इससे प्रदेश में ठंड बढ़ेगी। अगले 5 दिनों तक 10 जिलों में घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, ठंड को देखते हुए पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर ने 8वीं तक के सभी निजी और सरकारी स्कूल को 18 जनवरी तक बंद करने का निर्देश दिए है। हालांकि, आठवीं कक्षा से ऊपर के क्लास सुबह 9 बजे से 3:30 बजे तक चलेगा। राजधानी में दिन में 12 बजे तक पटना का अधिकतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस था, जो शाम होते-होते 17 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। यहां न्यूनतम 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

मार्क जुकरबर्ग के बयान पर विवाद, मेटा ने मांगी माफी

एजेंसी | नई दिल्ली

जो रोगन पॉडकास्ट में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने दावा किया कि भारत समेत कई देशों की सत्तारूढ़ सरकारें कोविड-19 के बाद चुनाव हार गईं। उनके इस बयान ने भारत में विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि यह तथ्यात्मक रूप से गलत था। भारत में 2024 के आम चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जुकरबर्ग के बयान को खारिज करते हुए भारत के लोकतंत्र और मतदाताओं के विश्वास को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि 2024 में 640 मिलियन से अधिक मतदाताओं ने एनडीए पर विश्वास जताया। साथ ही, उन्होंने कोविड-19 के दौरान सरकार के द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों को गिनाया, जिनमें 800 मिलियन नागरिकों को मुफ्त राशन वितरण, 2.2 बिलियन वैक्सीन खुराक मुफ्त में उपलब्ध कराना और 110 मिलियन किसानों को वित्तीय सहायता जैसे प्रयास शामिल हैं। इस बयान के बाद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली सूचना प्रौद्योगिकी और संचार पर संसदीय स्थायी समिति ने मेटा को तलब किया। दुबे ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश के बारे में इस तरह की गलत जानकारी उसकी छवि को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने यह भी कहा कि मेटा को भारत की जनता और संसद से माफी मांगनी चाहिए। यह समिति 20 से 24 जनवरी के बीच इस मुद्दे पर चर्चा करेगी और मेटा द्वारा संतोषजनक जवाब न मिलने पर कानूनी कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है।

जिलाधिकारी ने संप हाउस का किया निरीक्षण, गंगा जलापूर्ति योजना को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

» गंगा जलापूर्ति योजना की प्रगति का विवरण
» नगरवासियों के लिए बड़ी राहत
» संप हाउस में मौजूद अधिकारी

निज संवाददाता | नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी ने मंगलवार को पुरानी जेल और नगर थाना स्थित संप हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंगा जलापूर्ति योजना के तहत नवादा शहरी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति की प्रगति का जायजा लिया गया। बुडको के कार्यपालक अभियंता चंद्रदीप कुमार ने जिलाधिकारी को इस योजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि नवादा जिले में कुल चार जलाशय हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 15.14 लाख लीटर है। इनमें से 17 वार्डों में पानी की आपूर्ति नियमित रूप से हो रही है, जबकि शेष 27 वार्डों में जलापूर्ति शुरू करने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गंगा जलापूर्ति योजना से नवादा शहर के सभी 44 वार्डों में पानी की समस्या को स्थायी रूप से हल करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने संप हाउस का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संप हाउस में लगे मोटर को हर समय कार्यरत रखा जाए और अतिरिक्त मोटर (स्पेयर मोटर) भी उपलब्ध रखी जाए ताकि किसी तकनीकी समस्या के कारण गंगा जलापूर्ति बाधित न हो। इसके साथ ही, उन्होंने मोटर और राइजिंग पाइप की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कदम भूगर्भीय जल पर निर्भरता को कम करने और सतही जल के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने बुडको के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन वार्डों में अभी तक जलापूर्ति शुरू नहीं हुई है, वहां जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि नगरवासियों को निर्बाध जलापूर्ति उपलब्ध हो सके। गंगा जलापूर्ति योजना नगरवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के पूरा होने से न केवल जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों को राहत मिलेगी, बल्कि शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति भी सुनिश्चित होगी। भूगर्भीय जल पर निर्भरता कम होने से पानी के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन में भी मदद मिलेगी। इस निरीक्षण के दौरान बुडको के कार्यपालक अभियंता चंद्रदीप कुमार के साथ अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। सभी ने जलापूर्ति योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जिला प्रशासन ने इस योजना को एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता के रूप में लिया है और इसे समय पर पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। नगरवासी भी इस पहल की सराहना कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही पूरे शहर में शुद्ध और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित होगी।

दो बोतल विदेशी शराब बरामद एक विधि निरुद्ध बालक को उत्पाद बलों ने किया निरुद्ध

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

बिहार-झारखंड सीमा के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मंगलवार को उत्पाद बलों ने शिव शक्ति बस (नंबर जेएच05डीएन0969) से दो बोतल विदेशी शराब के साथ एक विधि निरुद्ध बालक को पकड़ लिया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार में मद्य निषेध कानून लागू होने के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। चितरकोली स्थित जांच चौकी पर उत्पाद एसआई बब्लू कुमार के नेतृत्व में हर आने-जाने वाले वाहन की गहन जांच की जा रही है। इसी दौरान झारखंड की ओर से आ रही शिव शक्ति बस की तलाशी के दौरान एक विधि निरुद्ध बालक के पास से रॉयल चैलेंज ब्रांड की 375 एमएल की दो बोतल विदेशी शराब बरामद की गई। पूछताछ के दौरान विधि निरुद्ध बालक ने स्वीकार किया कि वह झारखंड से यह शराब खुद के उपयोग के लिए ले जा रहा था। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शराब तस्करी के इस मामले में बिहार उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस मामले में विधि निरुद्ध बालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार सरकार के मद्य निषेध कानून को सख्ती से लागू करने के लिए सीमावर्ती इलाकों में लगातार जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत झारखंड की ओर से आने वाले हर वाहन की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि शराब तस्करी पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए उत्पाद बलों की ओर से किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। इस कार्रवाई में उत्पाद एएसआई अंकित कुमार और होमगार्ड के जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सतर्कता और तत्परता के कारण शराब तस्करी का यह मामला उजागर हुआ। मद्य निषेध कानून को लागू करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में स्थानीय जनता का भी सहयोग देखने को मिल रहा है। जनता का कहना है कि इस तरह के अभियान से न केवल अवैध गतिविधियों पर लगाम लगेगी, बल्कि समाज में नशा मुक्त माहौल बनाने में भी मदद मिलेगी। उत्पाद अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि वे शराब तस्करी या अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस या उत्पाद विभाग को दें। उन्होंने कहा कि कानून का पालन सुनिश्चित करना न केवल प्रशासन की जिम्मेदारी है, बल्कि हर नागरिक का भी कर्तव्य है।

धान अधिप्राप्ति को लेकर बीडीओ ने की समीक्षा बैठक

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखण्ड कार्यालय में बुधवार को बीडीओ संजीव झा ने धान अधिप्राप्ति को लेकर पैक्स अध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक किया।साथ ही प्रखण्ड क्षेत्र में धान अधिप्राप्ति में तेजी लाने को लेकर आवश्यक निर्देश दिये गए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, डालटनगंज

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय द्वारा निर्गत निविदा आमंत्रण सूचना, जिसका पी0आर0 नं0– PR 341708 (Building)24-25*D है को क्रमांक 2 से 5 में अंकित कार्य को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है, शेष यथावत रहेगा।

कार्यपालक अभियंता,
PR 344307 Building(24-25)#D भवन प्रमण्डल,डालटनगंज

पूर्व रेलवे

नीलामी कैटेलॉग

प्रशासन इकाई/क्षेत्र: सियालदह मंडल-वाणिज्य, पूर्व रेलवे। **नीलामी प्राधिकरण:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह। **नीलामी कैटेलॉग संख्या:** एसडीएएच-पार्सल-38। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 29.01.2025 को सुबह 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 29.01.2025 को दोपहर 1.10 बजे। **ऑटो एक्सटेंशन ज़ोन:** 120 सेकंड। **ऑटो एक्सटेंशन अवधि:** 120 सेकंड। **आरंभिक कूलिंग ऑफ अवधि:** 30 मिनट। **क्रमिक लॉट बंद करने का अंतराल:** 10 मिनट। **अधिकतम ऑटो एक्सटेंशन:** 10 बार। **कैटेलॉग प्रकाशन की तारीख:** 10.01.2025 को दोपहर 1.40 बजे। **निर्णय का तरीका:** ऑटो, आरपी प्रदर्शित - नहीं, आरपी से नीचे बोली लगाने की अनुमति - हाँ। **क्र. सं.; एसईक्यू संख्या; लॉट संख्या/श्रेणी; ट्रिप/दिन** और **लॉट समाप्ति की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **1;** एए/1; **13153-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-एमएलडीटी-25-1** (पार्सल-एसएलआर); 730 और 29.01.2025 को सुबह 11.30 बजे। **2;** एए/2; **19607-एसएलआर-एफ1-केओएए-एमडीजेएन-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 104 और 29.01.2025 को सुबह 11.40 बजे। **3;** एए/3; **22197-एसएलआर-एफ1-केओएए-वीजीएलजे-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 104 और 29.01.2025 को सुबह 11.50 बजे। **4;** एए/4; **13175-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-एससीएल-23-2** (पार्सल-एसएलआर); 313 एवं 29.01.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **5;** एए/5; **12317-एसएलआर-एफ1-केओएए-एएसआर-22-2** (पार्सल-एसएलआर); 104 एवं 29.01.2025 को दोपहर 12.10 बजे। **6;** एए/6; **19414-एसएलआर-एफ1-केओएए-एडीआई-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 105 एवं 29.01.2025 को दोपहर 12.20 बजे। **7;** एए/7; **13105-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-बीयूआई-24-1** (पार्सल-एसएलआर); 314 एवं 29.01.2025 को दोपहर 12.30 बजे। **8;** एए/8; **13105-एसएलआर-एफ2- एसडीएएच-बीयूआई-24-1** (पार्सल-एसएलआर); 314 एवं 29.01.2025 को दोपहर 12.40 बजे। **9;** एए/9; **13145-एसएलआर-एफ1-केओएए-आरडीपी-24-2** (पार्सल-एसएलआर); 313 एवं 29.01.2025 को दोपहर 12.50 बजे। **10;** एए/10; **13165-एसएलआर-आर1-केओएए-एसएमआई-23-2** (पार्सल-एसएलआर); 105 एवं 29.01.2025 को दोपहर 1.00 बजे। **11;** एबी/1; **13155-13156-वीपी-1-केओएए-एसएमआई-24-1** (पार्सल-पार्सल वैन); 208 और 29.01.2025 को दोपहर 1.10 बजे। **विवरण:** एसएलआर कोच में पार्सल की जगह (सिंगल कम्पार्टमेंट) [क्रम संख्या 1 से 10 प्रत्येक के लिए] और पार्सल वैन में पार्सल की जगह [क्रम संख्या 11 के लिए]। **दर इकाई:** प्रति ट्रिप लाइसेंसिंग शुल्क [क्रम संख्या 1 से 10 प्रत्येक के लिए] और प्रति राउंड ट्रिप (दो तरफा) [क्रम संख्या 11 के लिए]। **लॉट शुरू होने की तारीख/समय:** 29.01.2025 को सुबह 11.00 बजे। [सभी क्रम संख्या के लिए]। **न्यूनतम वृद्धि (%):** 0.2 [सभी क्रम संख्या के लिए]। **लॉट की स्थिति:** ड्राफ्ट कैटलॉग में नया [सभी क्रम संख्या के लिए]।

(SDAH-319/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: ईएनजीजी-07/24-25 (ओपन), दिनांक: 13.01.2025। मुख्य कार्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा वर्कशॉप, उत्तर 24 परगना, पिन-743145, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए विगत दिनों में खास तौर पर रेलवे/सीपीडब्ल्यूडी/पीडब्ल्यूडी/एमईएस/सिंचाई या किसी भी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में समरूप प्रकृति के कार्य को सम्पादित करने का पर्याप्त अनुभव एवं आर्थिक क्षमता रखने वाले सम्माननीय ठेकेदारों से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: डब्ल्यूटी-17-24-25। कार्यों का विवरण:** कांचरापाड़ा वर्कशॉप में: एमडीएसटीसी एवं एमडीएब्ल्यूटीसी/कांचरापाड़ा में प्रशिक्षण सुविधाओं का क्रमोन्नयन। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,19,84,912.25। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति*:** ₹ 2,09,900। **एलओए जारी किये जाने की तारीख को तथा से समापन की अवधि:** 10 महीना। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: डब्ल्यूटी-18-24-25। कार्यों का विवरण:** कांचरापाड़ा वर्कशॉप में: कांचरापाड़ा वर्कशॉप के अधिकार क्षेत्र के अधीन विभिन्न रेलवे कॉलोनियों में स्टाफ क्वार्टरों में कर्मचारी सुविधाओं का सुधार। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,35,21,733.21। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति*:** ₹ 2,67,600। **एलओए जारी किये जाने की तारीख को तथा से समापन की अवधि:** 12 महीना। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या : डब्ल्यूटी-19-24-25। कार्यों का विवरण:** कांचरापाड़ा वर्कशॉप में : लोको एवं सी एंड डब्ल्यू कॉम्प्लेक्स के अंदर विभिन्न लोकेशनों पर नए शौचालय ब्लॉकों का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,78,69,137.88। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति*:** ₹ 2,39,400। **एलओए जारी किये जाने की तारीख को तथा से समापन की अवधि:** 12 महीना। **निविदा दस्तावेज की कीमत (अप्रतिदेय):** शून्य (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 05.02.2025 (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। *पत्र संख्या-2020/सीई-1/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी, दिनांक : 30.12.2020 के मार्फ़त रेलवे बोर्ड ने दिनांक 31.12.2021 तक किसी भी कार्य हेतु निविदा के लिए कोई भी बयाना राशि ना लेने का निर्देश दिया था। लेकिन, चूंकि अभी तक ऐसा कोई निर्देश नहीं आया है, इसलिए बयाना राशि प्रणाली को वापस लौटा दिया गया है। कार्य का दायरा सिर्फ सांकेतिक मात्र है। हालाँकि, विवरण भारतीय रेल ई-टेंडरिंग साइट (आईआरईपीएस) यानी **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **विज्ञापन अवधि:** वह समय जिसके दौरान निविदा से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध होगी लेकिन प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किए जा सकेंगे। **प्रस्ताव जमा करने की अवधि:** निविदा खुलने से पंद्रह दिन पहले, जिसके दौरान निविदादाता अपना प्रस्ताव जमा कर सकते हैं। निविदा **05.02.2025 को दोपहर 2.00 बजे** बंद कर दी जाएगी और निविदा **उसी तारीख को दोपहर 2.30 बजे के बाद किसी भी समय** निविदा खोलने वाले कर्मियों की उपलब्धता और नेट के एक्सेस के अनुसार खोली जाएगी।

(MISC-309/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

चार वारंटी समेत छह लोग गिरफ्तार, जेल भेजे गए

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र में अपराधियों और शराब माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। इस क्रम में चार वारंटियों समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल अपराधियों के बीच खलबली मची है, बल्कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने का सकारात्मक संदेश भी गया है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि अदालत द्वारा जारी वारंट के आधार पर चार वारंटियों की गिरफ्तारी की गई। मुन्ना सिंह - पिता सुरेश सिंह, निवासी बभनटोली। अनिल राम - पिता रामेश्वर राजवंशी, निवासी लक्ष्मीबिगहा। शनि राजवंशी - पिता भगवान प्रसाद राजवंशी, निवासी करहरा। सुनेश्वर प्रसाद - पिता ढाको प्रसाद, निवासी बंधन छपरा। इन सभी वारंटियों पर विभिन्न मामलों में अदालत में पेश न होने के कारण गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने इन सभी को उनके निवास स्थान से दबिश देकर गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने शराब निषेध कानून के तहत दो अन्य व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया। दिनेश यादव - पिता बालेश्वर यादव, निवासी मांगोडीह। यह व्यक्ति फरार अभियुक्त था और लंबे समय से पुलिस की तलाश में था। महेंद्र राम - पिता कारू राम, निवासी हसनपुरा। महेंद्र राम को पुलिस ने उस वक्त गिरफ्तार किया जब वह बाइक पर 20 लीटर अवैध शराब ले जा रहा था। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण अनुमंडलीय अस्पताल में करवाने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए निरंतर अभियान चला रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुलिस की तत्परता से अपराध और अवैध गतिविधियों में कमी आने की उम्मीद है। पुलिस प्रशासन ने भी जनता से अपील की है कि वे अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अवैध शराब कारोबार, अपराधियों की गतिविधियां और अदालत के निर्देशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ पुलिस की सख्ती से क्षेत्र में अपराध दर कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस मौके पर पुलिस टीम में कई वरिष्ठ अधिकारी और सशस्त्र बल मौजूद रहे, जिन्होंने अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक: 13.01.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंज़िल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: टीएन-233-24-25। कार्य का नाम:** (I) सोनारपुर कारशेड में ऑटोमैटिक कोच वाशिंग प्लांट (एसीडब्ल्यूपी) के प्रावधान हेतु आधारभूत संरचना का विकास। (II) सियालदह मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्विच रूम का जीर्णोद्धार/क्रमोन्नयन/ रूपांतरण। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,78,84,835.61। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,39,400। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: टीएन-234-24-25। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बारासात के अधिकार क्षेत्र के अधीन दमदम जंक्शन-पेट्रापोल खंड के बीच डाउन लाइन पर किमी. 54.323-54.342, 54.356-54.862, 56.75-56.758, 56.764-56.77, 57.543-57.85, 62.10-63.050, 66.173-66.510, 10.836-15.034 तथा अप लाइन पर 10.636-13.034, 17.953-18.0 पर सीटीआर (पी) कार्य (कुल = 9.607 टीकिमी.) सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,74,37,371.50। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,87,200। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: टीएन-235-24-25। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बारुईपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन बारुईपुर-नामखाना (डाउन लाइन) खंड के बीच किमी. 25.218 से 28.00 एवं 35.00 से 41.00 पर सीटीआर (पी) कार्य (कुल = 8.782 टीकिमी.) सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,31,87,184.61। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,65,900। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह) महीना (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 06.02.2025 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। निविदा दस्तावेज एवं विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिए गए हैं। बोलियां उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के जरिये जमा करनी होंगी। मैनुअल प्रस्ताव सीधे रद्द कर दिए जायेंगे। अनुबंध 2022 के भारतीय रेल मानक साधारण शर्तों के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की कीमत शून्य है। निविदा खुलने की तारीख एवं समय: **06.02.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)।

(SDAH-323/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited

CIN:U40108JH2013SGC001702) Electric Supply Area, Medininagar

(Regd. Office :By Pass Road, Sudna, Medininagar,822102 email:-gm_mdnjseb@yahoo.in/ Telephone:-06562-295539

e-Procurement E-NIT Notice for TRW Materials Under O&M Head for F.Y.2024-25.

Online tenders are invited from reputed and experienced manufacturers having adequate manufacturing capacity & best testing facilities or authorized dealers/financially sound & reputed supplier firms authorized such principal manufactures for supply of the materials conforming to standard specification for the supply of under mentioned TRW Materials at Medininagar/Garhwa & Upcoming TRW Latehar under O&M Head.

Online tenders should be submitted online on www.jharkhandtenders.gov.in

SL No	E-NIT No	Gr.	Name of Materials	unit	Appro x Qnty.	Cost of Tender Document With GST (Non-Refundable) (in RS)	Earnest Money (in Rs) LS 2% of Estimated cost
1.	277/PR/JBVNL/2024-25	A	1/2" L.T Brass Stud	No	4200	Rs 10000 +1800=11800/-	Rs. 106721/-
		B	L.T Brass Stud 3/4"	No	400		
		C	H.T Bushing 250 Amp	No	5000		
		D	L.T Bushing 250 amp	No	6000		
		E	L.T Bushing 630 amp	No	500		
		F	H.T Bushing Clamp 4/6 Hole	No	4200		
		G	Al. Neutral Clamp 2x1 1/2"	No	700		
		H	Inline Connector Different size	No	1500		
		I	M.S Nut & Bolts Different size	Kg	2500		
		J	Silicagel Breather 200 KVA	No	100		
		K	Silicagel Breather 100 KVA	No	250		
		L	Silicagel Breather 63 KVA	No	250		
		M	Silicagel Breather 25 KVA	No	600		
		N	M.S Washer Different size	Kg	150		
		O	Nylon Washer 3/4" & 1/2"	Kg	3000		
		P	HT Brass Stud 1/2"	No	1000		
2.	278/PR/JBVNL/2024-25	A	Kraft Paper Different size	Kg	3500	Rs 10000 +1800=11800/-	Rs 143385/-
		B	Insulating Paper Tape Different size	Kg	1500		
		C	Press Board Different size	Kg	16700		
		D	Bakelite tube Different size	Meter	3500		
		E	Empire Sleeving Different size	Meter	10000		
		F	Cotton Tap 1"	Roll	3500		
		G	Weaving Cotton Tap 1x1/4"	Roll	1500		
		H	R.C Strip Different size	Meter	3000		
		I	R.C Washer Different size	No	28500		
		J	Press Phan Paper 10 Mile	Kg	650		
		K	C.I Cap 1 1/2"	No	800		
		L	Cotton Waste	Kg	800		
		M	Al. Clamping Member	No	12000		
		N	White Paint	Lt	20		
		O	Red Oxide paint	Lt	20		
		P	M.S plug(different size)	No	500		
		Q	Marking Cloth	Meter	400		
		R	Fevicol	Kg	250		
		S	B.T.C Strip	No	100		
		T	AD Warnish	Lt	100		

IMPORTANT SCHEDULE OF DATES FOR ABOVE NITS

1. Availability of tender document on website	:-	Date 18.01.2025	time 10.00 Hrs
2. Start Date and time for submitting e-tender	:-	Date 18.01.2025	time 10.00 Hrs
3. Last Date and time of submission of e-tender with online Cost of BOQ & EMD/Documents etc.	:-	Date 08.02.2025	time 15.00 Hrs
4. Date and time of opening of e-tender(Techno-Commercial Cover) i.e Cover-I)	:-	Date 10.02.2025	at 15:00 Hrs

1. Guideline for online submission of bids can be downloaded from the website http:// jharkhandtenders.gov.in.
2. Interested bidders can download the bid from the . the http:// jharkhandtenders.gov.in
3. Bidder have to submitted their bids online in electronic format with digital signature, Bids without digital signature will not be accepted. No proposal (bid) will be accepted in Physical form.
4. Bidder should be ready with the scanned copies of cost of documents & EMD as specified in the tender document. Before submission of online bids, bidders must ensure that scanned copies of all necessary document have been attached with bid. For any clarification please contact : -9835574043

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager(T)
Electric Supply Area, Medininagar

PR 344309 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd) 24-25 (D)

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई.ए.एस. संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-800014

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी./टेण्डर-2025/02 दिनांक - 15.01.2025

पुराने एवं क्षतिग्रस्त बक्सों के बिक्री हेतु अल्पकालीन निविदा

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद के कार्यालय में उपलब्ध लगभग 5,000 (पाँच हजार) पूराने एवं क्षतिग्रस्त बक्सों की बिक्री हेतु जैसा है जहाँ है (As is where is) के आधार पर बेचने का निर्णय लिया गया है। इसके बिक्री के लिये प्रति अदद बक्सों का दर दर्शाने हेतु मुहरबंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है।

(2) **बक्सों का नमूना कार्यालय अवधि में दिनांक 08.02.2025 (5.00 बजे अपराह्न) तक देखा जा सकता है।**

(3) **निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि दिनांक 11.02.2025 के अपराह्न 2.00 बजे तक है तथा उसी दिन अपराह्न 4.00 बजे निविदायें क्रय समिति के समक्ष खोली जायेगी । इसमें निविदादाता उपस्थित रह सकते हैं ।**

(4) निविदा सम्बन्धित अन्य शर्तों से सम्बन्धित विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी./टेण्डर-2025/01 दिनांक- 15.01.2025 पर्षद के वेबसाईट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध है, जिसे देखी जा सकती है।

परीक्षा नियंत्रक

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय

बिहार सरकार

लघु सिंचाई प्रमंडल, औरंगाबाद

निविदा आमंत्रण सूचना सं0–11 / 2024–25

केवल ई0 निविदा पद्धति के अनुसार वेबसाईट (www.eproc2.bihar.gov.in) पर

संवेदकों से प्रतिशत दर पर निविदा

जल-जीवन-हरियाली अभियान

1	विज्ञापनदाता का नाम	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल औरंगाबाद
2	विज्ञापन निर्गत करने की तिथि	दिनांक– 13.01.2025
3	परिमाण विपत्र प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक– 05.02.2025 से 13.02.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
4	प्री–बीड मीटिंग का स्थान, तिथि एवं समयृ	मुख्य अभियंता, लघु जल संसाधन विभाग, पटना के कार्यालय में दिनांक– 11.02.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक ।
5	निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक– 14.02.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
6	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक– 15.02.2025 को 10:00 बजे पूर्वाह्न को संबंधित प्रमंडलीय कार्यालय में।
7	तकनिकी निविदाओं का मुल्यांकण	दिनांक 20.02..2025 से लगातार
8	वित्तीय वीड खोलने की तिथि	सक्षम प्राधिकार द्वारा बाद में घोषित किया जाएगा।
9	निविदा की वैद्यता अवधि	120 दिन
10	कार्य की विवरणी	

क्रं0 सं0	कार्य का नाम	जिला का नाम	प्रखण्ड का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑनलाईन मोड में भुगतेय) (रूपये में)	बेल्ट्रॉन को देय बीड प्रोसेसिग मूल्य, सेवा शूल्क सहित (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑनलाईन मोड में भुगतेय) (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कमदारपुर पोखर का जीर्णोद्धार कार्य	औरंगाबाद	नवीनगर	94.205	1.890	10000	3540	06 (छः) माह
2	ग्राम बड़वान में पोखर का जीर्णोद्धार कार्य	औरंगाबाद	नवीनगर	117.277	2.350	10000	3540	06 (छः) माह
3	मिसीर कर्मा पोखर का जीर्णोद्धार कार्य	औरंगाबाद	बारूण	178.992	3.580	10000	3540	06 (छः) माह
4	मंगुराही पोखर का जीर्णोद्धार कार्य	औरंगाबाद	बारूण	126.931	2.540	10000	3540	06 (छः) माह
5	डोकरी पोखर का जीर्णोद्धार कार्य	औरंगाबाद	मदनपुर	118.815	2.380	10000	3540	06 (छः) माह
6	बलिकरना नाला में स्पीलवे का निर्माण कार्य	औरंगाबाद	बारूण	146.713	3.00	10000	3540	06 (छः) माह

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 017050 (MWRD) 2024-25

सुरक्षित जीवन अपनाओ, अपनी नियमित एच.आई.वी. जाँच कराओ।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, औरंगाबाद

उद्यान प्रदर्शनी का उदघाटन 30 को

भागलपुर। प्रमंडल स्तरीय उद्यान प्रदर्शनी 2024-25 का आयोजन 29 से 31 जनवरी तक कृषि भवन परिसर तिलकामांझी में होगा। 29 को 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक प्रदर्शों की प्रविष्टि होगी। जबकि शाम 4.30 बजे प्रदर्शों की मूल्यांकन कार्यक्रम होगी। 30 को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रदर्शनी का उदघाटन होगा। 30 से 31 तक सुबह 10 से शाम पांच बजे तक प्रदर्शन होगा।

कंबल की दूसरी खेप का भी भेजा सैंपल, उद्योग विभाग करेगा जांच

भागलपुर। कंबल की दूसरी खेप का सैंपल जांच के लिए उद्योग विभाग को भेजा गया है। जांच में फेल होने पर दूसरी खेप में भेजा गया पांच हजार कंबल भी एजेंसी को वापस ले जाना होगा। आशंका है कि दूसरी खेप में भेजा गया कंबल भी मानक से घटिया क्वालिटी का ही है। इस कारण से जांच रिपोर्ट में दूसरी खेप भी फेल हो जाएगी। बता दें कि बीते रविवार को एजेंसी की तरफ से कंबल की दूसरी खेप भेजी गई थी। प्रभारी नगर आयुक्त आमिर सोहेल ने बताया कि दूसरी खेप का सैंपल जांच के लिए उद्योग विभाग भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। अगर रिपोर्ट में मानक के अनुसार कंबल सही पाया जाता है तो उसका वितरण होगा। लेकिन क्वालिटी टेस्ट में फेल होने पर एजेंसी को कंबल वापस ले जाना होगा। ससमय अगर एजेंसी ने कंबल उपलब्ध नहीं करवाया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। बता दें कि पहली खेप में एजेंसी द्वारा भेजा गया 5100 कंबल को उद्योग विभाग की जांच में मानक के अनुसार नहीं पाया गया। जिसके बाद एजेंसी को कंबल वापस ले जाने का आदेश दिया गया। कंबल की घटिया क्वालिटी को लेकर पहले स्थायी समिति के सदस्य और फिर नए बने पार्षद संघ ने विरोध किया था। यहां तक कि संघ ने कहा था कि अगर नगर आयुक्त ने जबरन कंबल बंटवाया तो सभी 51 वार्ड में उनका पुतला दहन किया जाएगा।

गंगटी में पांच दिवसीय रामचरित मानस व गीता ज्ञान यज्ञ आज से

भागलपुर। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से पांच दिवसीय राम चरित मानस एवं गीता ज्ञान यज्ञ का आयोजन भैरोपुर चौक के पास गंगटी रोड अलीगंज में होगा। राम चरित मानस एवं गीता ज्ञान यज्ञ 15 से शुरू होकर 19 जनवरी तक चलेगा। इसी मौके पर मंगलवार को गंगटी से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा कथा स्थल से अलीगंज चौक, बबरगंज थाना, मिरजानहाट, शीतला स्थान चौक, गोड़हट्टा चौक, हुसैनाबाद, कटघर होते हुए वापस कथा स्थल पर समाप्त हुई। शोभायात्रा में रथ, डीजे-बाजे के साथ काफी संख्या में पुरुष व महिला शामिल हुई और पूरे रास्ते जयघोष करते रहे। इस मौके पर आशुतोष जी महाराज जी का दरबार लगा था। शोभायात्रा में भाजपा के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार, राज किशोर गुप्ता, मिथुन यादव, शम्भू कथावाचक स्वामी यादवेंद्रा नन्द करेंगे प्रवचन स्वामी सांसदानंद ने बताया कि पांच दिवसीय राम चरित मानस एवं गीता ज्ञान यज्ञ प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से लेकर शाम के 4 बजे होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ के पहले दिन बुधवार को दीप जलाकर किया जाएगा। मुख्य आकर्षण रामचरित्र मानस का दिव्य विचार, गीता ज्ञान प्रवचन एवं विशेष चर्चा, संगीतमय भजन होगा। आयोजन में प्रसिद्ध कथावाचक स्वामी यादवेंद्रा नन्द अपने मधुर प्रवचनों से भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन और भगवद्गीता के उपदेशों का ज्ञान प्रदान करेंगे। भजन साधु समाज गोपाल, चंदन, रामचन्द्र, साध्वी, सरिता भारती, शोभा भारती अपनी मनमोहक प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कार और मानव मूल्यों का प्रचार करना है।

हड़ियापट्टी में नाला ओवरफ्लो दुकान के आगे जमा गंदा पानी

भागलपुर। हड़ियापट्टी में एक बार फिर से नाला ओवरफ्लो हो गया है, जिससे नाला का गंदा पानी दुकान के आगे जमा हो गया। मंगलवार को दिनभर लोहिया पुल से सब्जी बाजार होते हुए लोहापट्टी जाने वाले रास्ते में राहगीर समेत दुकानदार को परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल लंबे समय से मोड़ पर बना कल्वर्ट टूटा हुआ है। खाली स्थान होने के कारण कूड़ा-कचरा और सब्जी का अवशेष नाला में फेंक दिया जाता है, जिसके कारण नाला जाम हो रहा है। वहीं, निगम की तरफ से न तो नाले की सफाई पर ध्यान दिया जा रहा है, न ही कल्वर्ट को बनाया जा रहा है। हालांकि स्वास्थ्य शाखा प्रभारी विकास हरि ने कहा कि जहां भी नाला जाम है उसकी सफाई हो रही है।

विक्रमशिला एक्सप्रेस में कम भीड़ से मिली राहत

भागलपुर। मकर संक्रांति के दिन मंगलवार को ट्रेनों में कम भीड़ रही। दिल्ली जाने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस के सामान्य कोच में आम दिनों की अपेक्षा छोटी लाइन देखी गई। दिल्ली जाने के लिए इस ट्रेन पर आमतौर पर 500 से ज्यादा यात्री लाइन में लगते हैं, लेकिन त्योहार होने से ये लाइन घटकर 200 से कम यात्रियों की रही। सोमवार को जहां लोकल ट्रेनों में ज्यादा भीड़ रही। मंगलवार को लोकल ट्रेनों में सुबह वाली ट्रेनों में भीड़ थी लेकिन सुबह 10 बजे के बाद कम यात्री रहे। कम भीड़ ने आरपीएफ को राहत दी। हालांकि इंस्पेक्टर रणधीर कुमार ने त्योहार के मद्देनजर फुटओवर ब्रिज, प्रवेश व निकास द्वार के साथ हर प्लेटफॉर्म पर महिला व पुलिस सिपाही थे। कॉमर्शियल विभाग के अधिकारी फूड प्लाजा व स्टालों में जांच करने पहुंचे।

संपत्ति का ब्योरा नहीं देने पर जनवरी का रुकेगा वेतन

भागलपुर। जिला शिक्षा विभाग के सभी पदाधिकारियों, सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों और कर्मियों के साथ ही बीपीएससी से चयनित शिक्षकों को भी संपत्ति का ब्योरा देना होगा। नहीं देने पर जनवरी का वेतन रोक दिया जाएगा। मामले में डीपीओ स्थापना को राज्य से पत्र जारी किया गया है। कहा गया है कि संपत्ति का ब्योरा देने के बाद ही वेतन जारी किया जाएगा। डीपीओ स्थापना ने डीपीओ प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, माध्यमिक शिक्षा, पीएम पोषण योजना, विद्यालय अवर निरीक्षण, सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों, प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक, प्रधान मौलवी, प्रोजेक्ट बालिका समेत प्राथमिक और मदरसा व अल्पसंख्यक विद्यालय समेत सभी स्कूलों को पत्र भेजा है।

बिहार सरकार

समाहरणालय, औरंगाबाद

(मद्यनिषेध एवं उत्पाद शाखा)

वाहन नीलामी हेतु अति अल्प कालीन आम सूचना

(बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 एवं संशोधित अधिनियम 2018 के सुसंगत प्रावधानों के तहत राजसात किये गये वाहनों की अल्पकालीन सार्वजनिक नीलामी सूचना)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत विभिन्न थाना काण्डों/उत्पाद वादों में निम्न वाहनों का बिहार मद्यनिशेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 एवं संशोधित अधिनियम 2018 के सुसंगत प्रावधानों के तहत विभिन्न अधिहरण वादों में समाहर्त्ता–सह–जिला दण्डाधिकारी, औरंगाबाद के न्यायालय एवं विभिन्न वरीय उप समाहर्त्ता के उत्पाद न्यायालयों द्वारा राजसात (Confiscate) किये गयेवाहनों की सार्वजनिक नीलामी (Public Auction) **"जो है, जहॉ है, जैसे है" के रूप में समाहर्त्ता, औरंगाबाद द्वारा गठित नीलामी समिति के द्वारा 11:00 बजे पूर्वाह्न से नगर भवन, समाहरणालय औरंगाबाद में निम्न प्रकार से की जायेगी।**

वाहन नीलामी की तिथि		आवेदन प्राप्त करने की तिथि	आवेदन प्राप्त करने का स्थान
नीलामी की तिथि	24.01.2025	22.01.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध, औरंगाबाद

स्क्रैप नीलामी हेतु वाहनों की विवरणी

लॉट नं0– 01

क्रम सं0	थाना/थाना काड सं0	वाहन प्रकार/निबंधन सं0/चेसिस सं0/ईंजन सं0	अधिहरणवाद संख्या	अधिहरणवाद आदेश ज्ञापांक/तिथि	वाहन का मॉडल	वाहन का निर्माण वर्ष	वाहन का वास्तविक मूल्य (वाहन निर्माण वर्ष में)	वाहन स्वामी का नाम एवं पता	तृतीय नीलामी हेतु मूल्यांकित राशि	स्क्रैप मूल्य	अग्रधन राशि (50%)	अभियुक्ति
1	EXCISE SADAR 671/2023 24.08.2023	Tata Winger Maxi Van BR01PL-1273 CHE. NO. MAT460077KUJ06725 ENG. NO. 2.2LDICOR11JPYJ12658	384/2023	263/ 26.12.2023	Winger 32EB Maxi Van S.C.-14 Tata	2019	1259368	नाम– उमा इट निर्माण कम्पनी, प्रो0– बलदेव प्रसाद, सा0– न्यु ट्राचक, जिला– पटना	440000/-	55000/-	27500/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
2	EXCISE SADAR 726/2023 15.09.2023	Bajaj Pulsar Motorcycle JH01EU-9744 CHE. NO. MD2A36FX5NCD30884 ENG. NO. JLXCND47076	311/2023	272/ 26.12.2023	Pulsar NS 200 Bajaj	2022	143262	नाम– अमित सिंह, पिता– रामजनम सिंह, सा0– अदरा गुरगेन, जिला– राँची, राज्य–झारखण्ड	64000/-	24000/-	12000/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
3	EXCISE SADAR 704/2023 06.09.2023	Piaggio Tempu JH03AJ-3799 CHE. NO. MBX0006FF1G198331 ENG. NO. S2F9214194	312/2023	273/ 26.12.2023	Piaggio Tempu	2022	310475	नाम– ओम प्रकाश तिवारी, पिता– राजदेव तिवारी, सा0– राजो गडी, थाना– लेसलीगंज, जिला– पलामू, राज्य–झारखण्ड	144000/-	16000/-	8000/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
4	Madanpur 95/2023 21.02.2023	Glamour Motorcycle JH01BZ-6569 CHE. NO. MBLJA06AM9E08623 ENG. NO. JA06EG9E08805	113/2023	385/ 02.11.2023	Glamour Motorcycle	2016	56493	नाम– अनुज कुमार, पिता– आदित्य प्रसाद, सा0– चितरपुर लहेरी मोहल्ला, जिला– रामगढ़, राज्य–झारखण्ड	24000/-	13000/-	6500/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
5	EXCISE SADAR 717/2023 12.09.2023	Toyota Corolla Car WB06H-3146 CHE. NO. MBJ53ZEC206841314 ENG. NO. 1ZZ308604	293/2023	242/ 12.12.2023	Toyota Corolla Toyota	2008	1326490	नाम– मनिष शरन अग्रवाल, पिता– के एस अग्रवाल, सा0– 708सी पशुपती भटाचार्य जी रोड, थाना– कोलकाता, जिला– कोलकाता, राज्य– पश्चिम बंगाल	100000/-	35000/-	17500/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
6	EXCISE SADAR 678/2023 26.08.2023	Container Truck HR47E-5270 CHE. NO. MAT812033M5J3658 ENG. NO. 38SG179JYX805368	304/2023	267/ 26.12.2023	1109 LPT Tata	2021	1998488	नाम– एबी क्वीक लोजीस्टीक प्रा0लि0, प्रो0– एन/ए, सा0– रेबाडी, जिला– रेबाडी, राज्य– हरियाणा	1000000/-	125000/-	62500/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
7	EXCISE SADAR 817/2023 26.10.2023	Piyagio Tempu Reg. No.- BR01PD-7908 CHE. NO.- MBX0000ZFPM630933 ENG. NO.- R2M2258499	24/2024	354/ 22.07.2024	Piaggio Ape	2012	159499/-	नाम– मुन्नी लाल साव, पिता– राम प्रवेश साव, सा0– सरारी, थाना– खगौल, जिला– पटना	16000/-	10500/-	5250/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
8	EXCISE SADAR 798/2023 16.10.2023	Mahindra Scorpio Reg. No.- DL1CJ-7743 CHE. NO.- MA1TA2BDC42H75373 ENG. NO.- BD44G49928	47/2024	354/ 22.07.2024	Scoripio Turbo	2004	636439/-	नाम– भुपेन्द्र राधव, पिता– अजेन्द्र कुमार राधव, सा0– गंगा विहार, दिल्ही	112000/-	47000/-	23500/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
9	NABINAGAR 426/2022 04.11.2022	Pulsar Motorcycle UP32C-1068 CHE. NO. MD2DHJCZZPCL03176 ENG. NO. JCGBPL04260	118/2023	395/ 02.11.2023	Pulsar 200 Bajaj Alto	2008	69000	नाम– रविरंजन कुमार, पिता– ब्रिज मोहन सिंह, सा0– एयर फोंस स्टेशन, पो0– बंथारा लखनउ, राज्य– उत्तर प्रदेश	7200/-	4100/-	2050/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
10	NABINAGAR 154/2022 19.04.2023	Glamour Motorcycle MH40S-3676 ENG. NO. JA06EBAGB09863	129/2023	419/ 03.11.2023	Hero Honda Glamour	2010	44177	नाम– अजय मेहता, पिता– कामेश्वर मेहता, सा0– हिंगना आर डी डिगडोह, जिला– नागपुर, राज्य– माहाराष्ट्रा	6400/-	4300/-	2150/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
								कुल राशिः–	1913600/-	333900/-	166950/-	-
लॉट नं0– 02												
1	EXCISE SADAR 762/2023 11.08.2023	Tempu BR26PA-2810 CHE. NO. MEDAPMPL3R07G0333 ENG. NO. R7L2922846	332/2023	275/ 26.12.2023	Piaggio Tempu	2017	222641	नाम– कमलेश विश्वकर्मा, पिता– त्रिवेनी मिस्त्री, सा0– सुन्दरगंज, जिला– औरंगाबाद	56000/-	12625/-	6313/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
2	EXCISE SADAR 761/2023 01.10.2023	Piaggio Tempu BR26H-4914 CHE. NO. ZFSL006539 ENG. NO. R4L2579463	334/2023	277/ 26.12.2023	Piaggio Tempu Three Wheeler	2014	166017	नाम– राजु खाँ, पिता– असलम खाँ, सा0– मुस्लीमाबाध तरारी, थाना– दाउदनगर, जिला– औरंगाबाद	24000/-	18500/-	9250/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
3	Amba 159/2022 14.07.2022	Scuty BR02AS-2452 CHE. NO. MD626AG76K2AM3759 ENG. NO. AG7AK2009776	123/2022	431/ 03.11.2023	NTORQ 125 TVS Motorcycle	2019	66660	नाम– उदय कुमार सिंह, पिता– राम बालक सिंह, सा0– भडेजा, थाना– मुफ्फसील, जिला– गया	22400/-	16500/-	8250/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
4	Amba 222/2022 13.09.2022	Motorcycle AP07AK-7554 CHE. NO. MD2DDDZZZNWF51431 ENG. NO. DUMCNF07327	139/2022	429/ 03.11.2023	Bajaj Platina	2006	-	नाम– सेक सुबानी, पिता– मसतान सा0– वडीमुकाला, पुनू, थाना– गुण्टुर, राज्य– आन्ध्र प्रदेश	6400/-	4125/-	2063/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
5	Deo 246/2022 19.09.2022	Cycle	28/2023	350/ 09.10.2023	-		-	.	320/-	200/-	100/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
6	Deo 148/2022 12.06.2022	Chevrolet Spark ARKLT Car JH02Z-5069 MA6MFBL1CCT009298 ENG. NO. B10S193824	193/2022	409/ 03.11.2023	Chevrolet Spark	2013	376035	नाम– अनुज कुमार सिंह, पिता– कामेश्वर सिंह, सा0– खडहिया, थाना– टण्डवा, जिला– चतरा, राज्य–झारखण्ड	72000/-	29000/-	14500/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
7	Deo 112/2022 09.05.2023	Toyota Inova WB56C-6939 ENG. NO. 2KD9431110 CHE. NO. KUN407012175	130/2023	418/ 03.11.2023	Toyota Inova	2005	-	नाम– भारती गोरेन, पति– रजनीकांत गोरेन, सा0– पुरूलीया मुन्शी पाल्टी, थाना– पुरूलीया, राज्य– पश्चिम बंगाल	76000/-	57250/-	28625/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
8	Amba 74/2020 03.09.2020	Innova Car JH03C-0009 CHE. NO. KUN4070132850605 2KD9438384	52/2022	407/ 03.11.2023	Innova Car	2005	889750	नाम– शशीभुषन कुमार, पिता–जनार्दन प्रसाद, सा0– सिरमा, थाना– पाटन, जिला– पलामू, राज्य–झारखण्ड	72000/-	40750/-	20375/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
9	EXCISE SADAR 662/2023	Hero Glemor Motorcycle Reg. No.- BR24W-5278 CHE. NO.- MBLJAR02XJGC71604 ENG. NO.- JA06ERJGC76215	390/2023	354/ 22.07.2024	Glamour	2018	44916/-	नाम– बिकेश कुमार सिंह, पिता– शत्रुधन सिंह, सा0– गोतपा, थाना– सासाराम, जिला– रोहतास	18480/-	4400/-	2200/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
10	EXCISE SADAR 850/2023 08.11.2023	Discover Motorcycle Reg. No.- BR26D-0280 CHE. NO.- MD2A57BZXFRB97821 ENG. NO.- PAZREB75791	16/2024	354/ 22.07.2024	Discover 125	2014	44115/-	नाम– संतोश कुमार, पिता– अशोक सिंह, सा0– प्रकाश नगर, थाना– औरंगाबाद, जिला– औरंगाबाद	12800/-	4900/-	2450/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
								कुल राशिः–	360400/-	188250/-	94125/-	-
लॉट नं0– 03												
1	EXCISE SADAR 788/2023	Bajaj Discover Motorcycle Reg. No.- TN03D-6376 CHE. NO.- MD2DSJZZZTPL04342 ENG. NO.- JZUBTC04576	374/2023	354/ 22.07.2024	Discover	2010	47148/-	नाम– राजेश कुमार, पिता– ना मालुम, सा0– कोरूक्कुपेट, चेनई	8800/-	4100/-	2050/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
2	EXCISE SADAR 866/2023	Tempu Reg. No.- BR24G-7509 CHE. NO.- MCG0AMCPVB1354249 ENG. NO.- S3D8127206	387/2023	354/ 22.07.2024	Atul Auto	2013		नाम– संदिप कुमार दुबे, पिता– रामाकांत दुबे, सा0– मरैना, पो0– चन्द्रकैथी, थाना– चेनारी	20000/-	16000/-	8000/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
3	EXCISE SADAR 645/2023 17.08.2023	Chevrolet Spark Car WB06-9374 CHE. NO. MA6MF481P8TK02697 ENG. NO. B10S1091793KC2	258/2023	169/ 31.10.2023	Chevrolet Spark	2008	280055	नाम– अंतारा देव वर्मा, पिता–एस देव वर्मा, सा0– श्रेष्ठा गार्डेन, जिला– कोलकाता, राज्य– पश्चिम बंगाल	24000/-	18000/-	9000/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
4	EXCISE SADAR 860/2023	Bajaj Pulsar 150 CC Motorcycle Reg. No.- JH03P-5572 CHE. NO.- MD2A11CZ1GRE05112 ENG. NO.- DHZRGE05328	418/2023	354/ 22.07.2024	Pulsar 150	2016	75132/-	नाम– धनंजय पासवान, पिता– रामपती पासवान, सा0– बैदया बिगहा, थाना– हरिहरगंज, जिला– पलामू	19840/-	4900/-	2450/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
5	EXCISE SADAR 872/2023	Tempu Reg. No.- JH03B-8781 CHE. NO.- FGA327054 ENG. NO.- R6A204405	399/2023	354/ 22.07.2024	APE Auto D3s Passenger	2006	NA	नाम– संतोश कुमार सिंह, पिता– श्री सुरेश सिंह, सा0– हामिदगंज, थाना– पलामू, जिला– पलामू	16800/-	11875/-	5938/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
6	EXCISE SADAR 803/2023	Honda CB Unicon Reg. No.- KA51EE-7609 CHE. NO.- ME4KC09CLC8377843 ENG. NO.- KC09E6385519	419/2023	354/ 22.07.2024	CB Unicorn CBF 150 MA	2012	67624/-	नाम– शरीफ, पिता– नुरूला शरीफ, सा0– बेंगलोर करनाटका	15200/-	6600/-	3300/-	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं

P.T.O.

बैंकों में निवेश, सुरक्षा और फायदेमंद बचत पर दी महत्वपूर्ण जानकारियां

गया। शहर के गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में मंगलवार को प्रोफेसर इन्चार्ज डॉ. अफशां सुरैया के निरीक्षण एवं अर्थशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नगमा शादाब के संयोजन में अर्थशास्त्र विभाग एवं भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में "फाइनेंशियल वेलनेस" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पदाधिकारी शीतल राठी ने छात्राओं एवं प्रतिभागी प्रोफेसरों को फिक्सड डिपॉजिट, म्युचुअल फंड्स, स्मार्ट निवेश, स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टमेंट, निवेश के शॉर्ट टर्म एवं लॉन्ग टर्म गोल्स के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। श्रीमती राठी ने पावर प्वाइंट के माध्यम से प्लान फॉर इमरजेंसी, फैमिली गोल्स एवं रिटायरमेंट गोल्स के बारे में सविस्तार हुए छात्राओं से अनेक प्रश्न पूछे। छात्राओं ने उत्सुकता दिखाते हुए निवेश संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं के निवारण के लिए श्रीमती राठी से बढ़चढ़कर प्रश्न पूछे। इस ज्ञान सत्र-सह-अभिनव वार्तालाप पर आधारित वेबिनार में डॉ. शगुफ्ता अंसारी, डॉ. नगमा शादाब, डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी, डॉ. सुरबाला कृष्णा, डॉ. सुनीता कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे। वेबिनार में छात्राओं को भारतीय बैंकों में निवेश, सुरक्षा तथा फायदेमंद बचत पर महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। जानकारी हो कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एक वैधानिक निकाय है, जिसका कार्य प्रतिभूति बाज़ार को विनियमित करना और बढ़ावा देने के साथ ही प्रतिभूति में निवेश करने वाले निवेशकों के हितों की रक्षा करना है।

हॉरर फिल्म " द जर्नी ऑफ त्रिपाठी' में गया के तीन कलाकार चयनित

गया। हॉरर फिल्म द जर्नी ऑफ त्रिपाठी में गया के तीन कलाकार मुख्य रौल में होंगे। इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। दो भाषा में इस फिल्म को रिलीज किया जाएगा। ये बातें हजारीबाग झारखंड के जाने-माने चर्चित कलाकार लेखक व फिल्म निर्देशक हंसराज लोहरा ने प्रेस वार्ता कर कहीं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग बिहार, झारखंड व हैदराबाद में होगी। साउथ में तेलुगु व बॉलीवुड में हिंदी भाषा में फिल्म बनेगी। फिल्म के डांस कोरियोग्राफर साउथ के यम अशोक रेड्डी, प्रोडक्शन में हैदराबाद के अशोक रेड्डी, वेणु कुमार जेट्टी और हजारीबाग से रवि कुमार गुप्ता होंगे। गया से अब तक शुभम श्रीवास्तव एवं आरुणि भारद्वाज के अलावे गया के ही मुंबई से चर्चित कलाकार शीघम् कुमार, पटना से रमेश सिंह, हजारीबाग से ऋतुराज का चयन किया गया है। बताया कि झारखंड के हजारीबाग में काफी उम्दा कलाकार मौजूद हैं, पर उन्हें या तो सही जगह नहीं दी जा रही है या वह सही दिशा में नहीं है।

सीयूएसबी के बॉयज हॉस्टल में मनी लोहड़ी व मकर संक्रांति

टिकारी। सीयूएसबी के वीडीएस बॉयज हॉस्टल में लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर वॉर्डन डॉ. किशोर कुमार ने लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पर्व को भारत में मनाने के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में इस पर्व को अलग अलग नामों से जाना जाता है। जैसे पूर्वी राज्यों में इसे बिहू, उत्तरी भारत में लोहड़ी एवं मकर संक्रांति, दक्षिण भारत में पोंगल, बिहार में तीला संक्रांत और पश्चिम में इसको उत्तरायण आदि प्रमुख नामों से जाना जाता है। वहीं डॉ. लखविंदर सिंह ने बताया कि पंजाब में यह पर्व सुंदरी और मुंदरी की लोक कहानी और गेहूं की फसल की समृद्धि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

आज से नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ

नालंदा। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड के मकनपुर गांव में आज से नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ है, जिसमें श्रीमद्भागवत कथा, यज्ञ और अखंड कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ माघ कृष्ण पक्ष द्वितीया के पावन अवसर पर एक भव्य कलश शोभायात्रा के साथ किया गया। इस अनूठी शोभायात्रा में 501 महिलाओं और युवतियों ने सिर पर कलश धारण कर ऐतिहासिक मघड़ा मंदिर के तालाब से जल भरकर एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। "आजोजन समिति के अध्यक्ष अजित कुमार ने कहा कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन शाम 6 बजे से भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। विशेष रूप से 22 जनवरी को माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी के दिन से अखंड कीर्तन प्रारंभ होगा, जो 23 जनवरी को यज्ञ पूर्णाहुति के साथ समापन को प्राप्त होगा। छोटी भगवती माता मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से इस पुनीत कार्य में तन-मन-धन से सहयोग करने का आह्वान किया है। यह आयोजन क्षेत्र में धार्मिक समरसता का एक अनूठा उदाहरण बनता जा रहा है, जहां सभी वर्गों के लोग एकजुट होकर इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं।

मकर मेले में दही खाने की अनूठी प्रतियोगिता

नालंदा। पवित्र तीर्थस्थल राजगीर में मंगलवार से 7 दिवसीय मकर मेले की शुरुआत हुई। मेले में जिला प्रशासन की ओर से 'दही खाओ इनाम जीतो' नाम की अनोखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं, पुरुषों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कुल 213 प्रतिभागियों शामिल हुए, जिसमें 38 महिलाएं, 75 पुरुष और 100 विद्यार्थी थे। छात्राओं की श्रेणी में विनीता कुमारी ने 1299 ग्राम दही खाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंजली कुमारी 1179 ग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि रीति कुमारी ने 1166 ग्राम दही खाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

7	EXCISE SADAR 744/2023 23.09.2023	Hero Honda CD 100 Motorcycle Reg. No.- BR26-7880 CHE. NO.- 02G14F03392 ENG. NO.- 02G1306036	04/2024.	354/ 22.07.2024	NA	NA	NA	NA	**3840/-**	**2900/-**	**1450/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
8	EXCISE SADAR 767/2023 03.10.2023	Pession Pro Motorcycle Reg. No.- JH03D-8244 CHE. NO.- MBLHA10ER9GD23421 ENG. NO.- HA10ED9GD27773	05/2024.	354/ 22.07.2024	Passion Pro Cast	2009	NA	नाम– सिकन्द्र राम, पिता– देवनारायण राम, सा0– चियान्की, थाना– डालटेनगंज, झारखण्ड	**8400/-**	**4200/-**	**2100/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
						लॉट नं0– 04		कुल राशिः–	**116880/-**	**68575/-**	**34288/-**	-
1	EXCISE SADAR 168/2023	Mahindra BoleroReg. No.- JH10BB-4811CHE. NO.- MA1XA2GHKG5D61321ENG. NO.- GHG4C59525	401/2023	354/22.07.2024	Bollero DI	2016	683825/-	नाम– मनोज मंडल, पिता– तेक लाल मंडल, सा0– तुंडी, थाना– धनबाद, जिला– धनबाद	**192000/-**	**56000/-**	**28000/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
2	EXCISE SADAR 303/2022 16.12.2022	BAJAJ DISCOVER MOTORCYCLE BR26F-8735 ENG. NO. JBZPCF51097 CHE. NO. MD2A14AZXCPF16266	210/2023	180/ 14.11.2023	DISCOVE R	2013	38000	नाम– मुकेश सिंह, पिता– जगदीश सिंह, सा0– पोखरा पर, थाना– हुसैनाबाद, जिला– पलामू, जिला–झारखण्ड	**7200/-**	**4100/-**	**2050/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
3	EXCISE SADAR 750/23 25.09.23	Hyundai Motorcar WB02Y-0608 CHE NO- MALCM41VR7M0189IOA ENG NO-D4FA6U059213	361/23	227 12.12.23	CRDI Hyundai	2007	749877	नाम– आशिष चक्रवती, पिता– ए के चक्रवती, सा0– 79ए हरीशचट, थाना– कोलकाता जिला– कोलकाता, राज्य– पश्चिम बंगाल	**56000/-**	**32325/-**	**16163/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
4	EXCISE DAUDNAGAR 915/2023 15.12.2023	Bajaj Discover Motorcycle Reg. No.- BR26C-4856 CHE. NO.- MD2DSPA22SWM09188 ENG. NO.- JBMBSM75811	41/2024	354/ 22.07.2024	NA	NA	NA	-	**3680/-**	**3200/-**	**1600/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
5	EXCISE DAUDNAGAR 253/2023 28.03.2023	BAJAJ PULSAR MOTORCYCLE BR26B-6405 CHE. NO. MD2DHDHZZPCL23333 ENG. NO. DHGBPL23227	241/2023	192/ 14.11.2023	PULSAR	-	-	-	**6000/-**	**4100/-**	**2050/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
6	EXCISE DAUDNAGAR 95/2023 05.08.2023	Pulsar Motorcycle 150 CC BR26S-1545 CHE. NO. MD2A11CY8LRK07593 ENG. NO. DHYRLK79226	308/2023	271/ 26.12.2023	Pulsar Motorcyc le 150 CC	2020	87494	नाम– अरवीन्द कुमार, पिता– उदय चौधरी, सा0– शिवगंज, थाना– डेहरी, जिला– रोहतास	**36000/-**	**8650/-**	**4325/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
7	EXCISE DAUDNAGAR 19/23 08.01.23	Hero Honda Motorcycle JH03E-8931 CHE NO-HA10EA9HK57240 ENG NO-MBLHA10EJ9HK11451	273/23	231/ 12.12.23	Splendor plus	2009	-	नाम– मोबिन अनसारी, पिता– अली मीया, सा0– शाहपुर, थाना– छत्तरपुर, जिला– पलामू, राज्य–झारखण्ड	**4800/-**	**4100/-**	**2050/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
8	EXCISE SADAR 830/2023	Tempu Reg. No.- BR26PA-6697 CHE. NO.- MBX0006FFYA996782 ENG. NO.- SOA9065996	414/2023	354/ 22.07.2024	Ape Auto DX	2020	268130/-	नाम– विजय कुमार सिंह, पिता– जुगल किशोर सिंह, सा0– रछोल उमंगा, थाना– मदनपुर, जिला– औरंगाबाद	**56000/-**	**14000/-**	**7000/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
9	EXCISE SADAR 851/2023 09.11.2023	Tempu Reg. No.- BR09PA-4597 CHE. NO.- MBX0003BFXB803451 ENG. NO.- S9B8955773	14/2024	354/ 22.07.2024	APE Auto Dx	2019	237255/-	नाम– उमेश पासवान, पिता– किशो पासवान, सा0– मनोपुर, थाना– मंशूरचक, बेगुशराय	**44000/-**	**10000/-**	**5000/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
								कुल राशिः–	**405680/-**	**136475/-**	**68238/-**	-
						लॉट नं0– 05						
1	EXCISE SADAR 695/2023 03.09.2023	Piaggio Tempu BR02PA-4746ENG. NO. S0B9072800CHE. NO. MBX0006FFYB007090	286/2023	238/12.12.2023	DX Piaggio Tempu	2020	268130	नाम– नवीन कुमार सिंह, पिता– श्री विनोद सिंह, सा0– पुरूषोतममुर, थाना– इमामगंज, जिला– गया	**84000/-**	**12650/-**	**6325/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
2	EXCISE SADAR 769/2023 03.10.2023	Bajaj Pulsar Motorcycle BR44N-0578 CHE. NO. MD2A11CX7LRH15757 ENG. NO. DHXRLH98738	342/2023	280/ 26.12.2023	Bajaj Pulsar Motorcyc le 150 CC	2020	102618	नाम– हेमंत कुमार, पिता– अशोक चौधरी, सा0– धनगाई, थाना– बिक्रमगंज, जिला– रोहतास	**40000/-**	**6600/-**	**3300/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
3	EXCISE SADAR 641/2023 14.08.2023	SCOOTY BR26K-6299 ENG. NO. E3N8E0459543 CHE. NO. ME1SE77HBG0054752	267/2023	204/ 14.11.2023	YAMAHA RZ SCOOTY	2017	49887	नाम– मिथिलेश कुमार, पिता– रामश्वरूप साव, सा0– बरहेता अम्बा, थाना– अम्बा, जिला– औरंगाबाद, राज्य– बिहार	**20000/-**	**7000/-**	**3500/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
4	EXCISE SADAR 378/2023 04.05.2023	HERO SPLENDOR MOTORCYCLE BR02BA-5189 CHE. NO. MBLHAW116MHC22238 ENG. NO. HA11EVMHCB7178	179/ 14.11.2023	208/2023	SPLENDO R	2021	62740	नाम– अरवीद कुमार, पिता– रामदास शर्मा, सा0– मंडा टोला, थाना– गुरूआ, जिला– गया	**8750/-**	**4350/-**	**2175/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
5	EXCISE SADAR 657/2023	TVS Star CT Motorcycle Reg. No.- BR26S-2581 CHE. NO.- MD625FF17J3H25927 ENG. NO.- FF1GJ1272758	385/2023	354/ 22.07.2024	Tvs Star City+	2018	54028/-	नाम– विनय राम, पिता– सिदेश्वर राम, सा0– पडरीया, जाखिम, थाना– रफीगंज, जिला– औरंगाबाद	**23840/-**	**5400/-**	**2700/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
6	EXCISE SADAR 691/23 02.09.23	Maruti Suzuki Car WB06-6140 CHE NO-MA3EFJCIS00135573 ENG NO-MI6A1372492	313/23	225 05.12.23	SX4ZXI Maruti Suzuki	2008	735366	नाम– ओइसनी बर्नजी, पिता– रंजन बर्नजी, सा0– टोली गुंग, थाना– टोली गुंग, जिला– कोलकाता, राज्य– पश्चिम बंगाल	**48000/-**	**30000/-**	**15000/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
7	EXCISE SADAR 615/2023 03.08.2023	Tata Safari UPP32DK-3454 CHE. NO. MAT403715ANJ09786 ENG. NO. 22LD1C0R09JZYJ17131	276/2023	233/ 12.12.2023	Tata Safari	2010	784446	नाम– रंधीर वर्मा, पिता– एच एल वर्मा, सा0– बैंक देवा रोड, थाना– लखनउ, जिला– उत्तर प्रदेश	**60000/-**	**49000/-**	**24500/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
8	EXCISE SADAR 658/2023 19.08.2023	Piaggio Tempu BR24P-8217 ENG. NO. R5L2713649	331/2023	248/ 12.12.2023	AP Diesel Three Wheeler	2015	186532	नाम– राम प्रसीध सिंह, पिता– श्रीकेशवर सिंह, सा0– अहारोन, थाना– दरीहात, बिहार	**24000/-**	**11000/-**	**5500/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
9	RISIYAP 51/2022 20.05.2022	MOTORCYCLE BR02AN-7940 CHE. NO. MD2A11CY7JRB35723 ENG. NO. DHYRJB58669	88/2022	89/ 12.03.2024	BAJAJ PULSAR	2018	61860	नाम– पन्नालाल चौधरी, पिता–ढल्लु चौधरी, सा0– चिल्लीम, थाना– शेरघाटी, जिला– गया	**24000/-**	**6500/-**	**3250/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
10	NABINAGAR 75/2023 19.02.2023	BAJAJ PULSAR MOTORCYCLE BR26Q-6255 CHE. NO. MD2A11CY5JRJ04189 ENG. NO. DHYRJJ74499	106/2023	428/ 03.11.2023	BAJAJ PULSAR	2019	76160	नाम– नन्दन कुमार पाण्डे, पिता– शुभाष पाण्डे, सा0– घोरहा, थाना– बारूण, जिला– औरंगाबाद	**21600/-**	**5800/-**	**2900/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
								कुल राशिः–	**354190/-**	**138300/-**	**69150/-**	-
						लॉट नं0– 6						
1	EXCISE SADAR 316/2023 15.04.2023	Piaggio Tempu BR24P-7194CHE. NO. ZFSL003894ENG. NO. S4L8352708	347/2023	282/26.12.2023	Piaggio Tempu Three Wheeler	2014	145632	नाम– रविश कुमार सिंह, पिता– श्री सरयु सिंह, सा0– इन्द्रपुरी कॉलोनी, थाना– तिलौथु, जिला– रोहतास	**20000/-**	**12000/-**	**6000/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
2	EXCISE SADAR 736/2023 19.09.2023	Piaggio Tempu BR45P-4199 CHE. NO. MBX0003BFWM774411 ENG. NO. S8M8935904	327/2023	294/ 26.12.2023	Piaggio Tempu Three Wheeler	2018	230312	नाम– संजय राम, पिता– बसंत राम, सा0– खरहाना, थाना– कराहगर, जिला– रोहतास	**64000/-**	**13500/-**	**6750/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
3	OBRA 277/2022 05.07.2022	WAGON R JH01P-8885	60/2023	52/ 25.09.2023	WAGON R	2006	350000	नाम– अम्बिका कुमार विश्वकार्मा, पिता– देव नारायण मिस्त्री, सा0– चैनपुर, थाना– पलामू, जिला– पलामू	**20000/-**	**18150**	**9075/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
4	OBRA 409/2022 12.10.2023	MOTORCYCLE BR20D-7776	21/2023	60/ 15.09.2023	HERO DELUX	-	-	.	**2800/-**	**2240/-**	**1120/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
5	Deo 125/2022 24.05.2022	Cycle	192/2022	344/ 09.10.2023	-		-	.	**320/-**	**200/-**	**100/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
6	DAUDNAGAR 428/2021 28.07.2021	HYUNDAI SANTRO CAR WB02M-2728	46/2023	51/ 15.09.2023	SANTRO CAR	2001	-	नाम– रथहेन्द्र, पिता–NA, सा0– 22/2 जगत राय, चो, कोलकाता, राज्य– पश्चिम बंगाल	**20000/-**	**11000/-**	**5500/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
7	RISIYAP 32/2022 04.04.2022	INNOVA CAR HR26AH-5518 CHE. NO. MBJ11JV4007060089 ENG. NO. 2KD9747104	84/2022	87/ 12.03.2024	INNOVA CAR	2007	650000	नाम– नशीब सिंह, पिता– सुरजित सिंह, सा0– विवान, जिला– सिरसा, राज्य– हरियाणा	**52000/-**	**39750/-**	**19875/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
8	EXCISE SADAR 639/2023 14.08.2023	Bajaj Pulsar Motorcycle BR21Y-5429 CHE. NO. MD2B68BX8LRF43108 ENG. NO. DHXRLF99827	302/2023	266/ 26.12.2023	Pulsar 125 DTS-Bajaj	2020	78771	नाम– गुड्डु कुमार, पिता– अनील प्रसाद, सा0– भातु बिगहा, थाना– एकांग सराय, जिला– नालंदा	**30400/-**	**5600/-**	**2800/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं

P.T.O.

संक्षिप्त समाचार

गोरेया बाबा स्थान सोन नदी किनारे लगा संक्रांति मेला

कोईलवर। मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को कोईलवर नगर पंचायत समेत प्रखंड के खानगांव, लोदीपुर, गोपालपुर, बिसुनपुर, बहियारा व फरहंगपुर समेत अन्य गावों के श्रद्धालुओं ने पवित्र सोन नदी में आस्था की डुबकी लगायी। श्रद्धालुओं ने तिल ,चावल व द्रव्य अपने हाथों से छूकर दान किया। हालांकि, मकर संक्रांति के अवसर पर मौसम ने करवट लिया और सुबह से ही घना कोहरा चारों तरफ छाया रहा। ठंड में वृद्धि होने के साथ हल्की-हल्की पछुआ हवा चल रही थी। लेकिन श्रद्धालुओं के श्रद्धा में कोई कमी नहीं आयी। लोग उत्साह के साथ कोईलवर गौरैया बाबा स्थान घाट के पास सोन नदी में सपरिवार आस्था के डुबकी लगाते देखे गए। श्रद्धालुओं ने सोन नदी में स्नान के बाद गौरैया बाबा स्थान पर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की और अपने परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। कोईलवर में गौरैया बाबा स्थान सोन नदी किनारे मकर संक्रांति का मेला लगा। मेले में हजारों की संख्या में महिला-पुरुष व बच्चों ने भाग लिया। मेले में बच्चे गुब्बारा व चरखी खरीदते नजर आए। लोगों ने झूला झूलने का भी लुफ्त उठाया। इधर, कोईलवर की सड़कों पर मेले को लेकर लोगों की काफी भीड़ देखी गयी। तिलकुट, गुड़, चुरा, मिठाई, जिलेबी, चाट व समोसा की दुकानों पर लोगों ने खूब खरीदारी की। सोन नदी किनारे पतंग उड़ाते भी देखा गया। कोईलवर में लगे मेले में भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रही।

अखिल भारतीय क्षत्रिय स्वाभिमान सभा की हुई बैठक, मुद्दों पर चर्चा

आरा| धर्म के नाम पर धंधा करने वाले लोग समाज में लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। धर्म के नाम पर उनसे वसूली कर रहे हैं। उनका आध्यात्मिक दोहन कर रहे हैं।अखिल भारतीय क्षत्रिय स्वाभिमान सभा की बैठक में वक्ताओं ने उक्त बातों को कहीं। कहा कि कुछ पवित्र संगठन ने अपने कार्यों से समाज में धर्म के प्रति लोगों के मन में पुनर्स्थापना की स्थिति बनाई है। इसका लाभ उठाकर धंधेबाज धंधा कर रहे हैं। कहीं ऐसा ना हो कि ऐसे घृणत लोगों के कारण धर्म के प्रति लोगों का लगाव होना कम हो जाए। इन लोगों द्वारा भगवान राम के नाम पर वसूली करने का अभियान चलाया जा रहा है यह निंदनीय है। समाज के लोगों को ऐसे लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है जो भगवान राम के प्रति इतनी ही आस्था रखता है, वह अपने पैसे से कार्यक्रम क्यों नहीं करता। स्पष्ट है कि ऐसे लोगों का ना तो भगवान राम के प्रति और ना ही धर्म के प्रति कोई आस्था है। ये लोग शुद्ध धंधेबाज हैं. केवल लोगों को ठगना इनका काम है। वक्ताओं में राज किशोर सिंह ,पवन सिंह, हरेंद्र प्रसाद, रामकुमार ,रवि कुमार और संजय कुमार आदि शामिल थे। मौके पर शिवम कुमार ,हरिओम कुमार, राम प्रसाद और रामेश्वर चौधरी सहित अन्य मौजूद थे।

अब तक 5508 किसानों से 58586.85 मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति हुई

आरा। जिले में धान अधिप्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अब तक 36.49 प्रतिशत धान की खरीद संभव हो सकी है। 15 नवंबर से शुरू हुई धान अधिप्राप्ति की अंतिम तिथि 15 फरवरी है। जिले में अब तक 5508 किसानों से 58586.85 मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति हुई है। जो कि निर्धारित लक्ष्य 160522 मीट्रिक टन से 101935 मीट्रिक टन कम हैं। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 5250.19 मीट्रिक टन अधिक धान की अधिप्राप्ति हुई है। इसको लेकर समाहरणालय सभागार में धान अधिप्राप्ति से संबंधित मंगलवार को जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई। डीएम तनय सुल्तानिया ने धान अधिप्राप्ति की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्य में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कहा। डीएम ने शत प्रतिशत किसानों का भुगतान नहीं होने व कुछ पैक्सों में कम कैश क्रेडिट की उपलब्धता पर भी नाराजगी व्यक्ति की। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को 48 घंटे में शतप्रतिशत किसानों का भुगतान तथा विभिन्न पैक्सों में कैश क्रेडिट की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए जनवरी 2025 के तृतीय सप्ताह तक दैनिक लक्ष्य के अनुरूप अधिप्राप्ति को सुनिश्चित करने के लिए कहा। बैठक में जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम भोजपुर ने बताया कि समितियों से सीएमआर चावल की आपूर्ति में कुल 142 लॉट चावल प्राप्त कर लिया गया है। डीएम ने इस मामले में जिला प्रबंधक को गन्नी बैग, एफआरके सहित अन्य समस्याओं का शीघ्र समाधान कर सीएमआर (चावल) प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा। इस दौरान डीडीसी डॉ अनुपमा सिंह, अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी लवली, जिला कृषि पदाधिकारी शत्रुघ्न साहू, आरा एसडीओ रश्मि सिन्हा आदि थे।

पिता ने बेटे के सीने में मारा चाकू

निज संवाददाता। आरा

- शराब पीकर घर में इधर–उधर गिर रहा था, आरा में बेटे पर आया गुस्सा; गाली-गलौज भी हुई

भोजपुर के बिहिया प्रखंड के बिहिया थाना क्षेत्र के तेघरा गांव में मंगलवार की देर शाम पिता ने अपने ही पुत्र को चाकू मार दिया। जख्मी युवक को चाकू दाहिने साइड सीने में लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक बिहिया थाना क्षेत्र के तेघरा गांव निवासी फूलचंद तुरहा का 18 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार है। इधर जख्मी युवक की मां बसंती देवी ने बताया कि मंगलवार की शाम उसके पिता फूलचंद तुरहा अपने दोस्तों के साथ शराब पीकर घर में आए और इधर-उधर गिरने लगे। तभी उनके बेटे मुकेश कुमार ने उन्हें बोला कि क्यों शराब पी लिए। शराब पीने के बाद कभी गेट के बाहर गिर रहे थे,कभी घर में इधर-उधर गिर रहे थे। इसी बात को लेकर मुकेश ने कहा कि आपने शराब क्यों पी है और किसने पिलाया है। इतनी से बात को लेकर जो शराब पिलाने ले गया था,उसने उसे उकसा दिया । इसके बाद पूरा गाली–गलौज शुरू कर दिए। इसी बात का विरोध करने पर पिता ने घर से चाकू लाकर मुकेश के सीने में घोंप दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। दूसरी तरफ जख्मी युवक मुकेश कुमार की मां बसंती देवी ने जख्मी युवक के पिता व अपने पति फूलचंद तुरहा पर शराब पीने पर बेटे द्वारा बोलने के कारण उसे चाकू मारने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

"सुधा दही खाओ, इनाम पाओ" प्रतियोगिता का आयोजन

निज संवाददाता। आरा

शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (आरा डेयरी), कतीरा (आरा) ने "सुधा दही खाओ, इनाम पाओ" प्रतियोगिता की घोषणा की है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं के बीच दही खाने की परंपरा को प्रोत्साहित करना है। संघ का मानना है कि आयुर्वेद के अनुसार दही हमारे पाचन तंत्र और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए, अपने दैनिक आहार में दही को अनिवार्य रूप से शामिल करने पर जोर दिया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन 17 जनवरी 2025 को कतीरा, आरा स्थित आरा डेयरी के प्रांगण में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक किया जाएगा। इसमें 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 16 जनवरी 2025 को शाम 5:00 बजे तक है। कार्यक्रम में विजेताओं की घोषणा की जाएगी, और उन्हें आकर्षक इनाम प्रदान किए जाएंगे। यह पहल न केवल सुधा ब्रांड को बढ़ावा देने का एक प्रयास है, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने का भी एक कदम है। प्रतियोगिता के माध्यम से सुधा दुग्ध संघ ने दही के महत्व को समाज के बीच फैलाने का संदेश दिया है।

सुरक्षा जवान और सुपरवाइजर पदों पर भर्ती

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर के 11 प्रखंडों में 17 से 30 जनवरी तक रोजगार कैंप का आयोजन,12 दिनों का मिलेगा प्रशिक्षण

बक्सर के सभी 11 प्रखंडों में सुरक्षा जवान और सुपरवाइजर पदों के लिए रोजगार कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप 17 जनवरी से 30 जनवरी तक चलेगा। जिला नियोजन पदाधिकारी अनीश तिवारी ने बताया कि कैंप का शुभारंभ 17 जनवरी को इटाढ़ी प्रखंड से होगा। इसके बाद क्रमशः राजपुर (18 जनवरी), चौसा (20 जनवरी), नावानगर (21 जनवरी), डुमरांव (22 जनवरी), चक्की (23 जनवरी), सिमरी (24 जनवरी), चौगाई (27 जनवरी), केसठ (28 जनवरी), ब्रह्मपुर (29 जनवरी) और अंतिम दिन 30 जनवरी को बक्सर प्रखंड में कैंप आयोजित किया जाएगा।

12 दिनों का मिलेगा विशेष प्रशिक्षणः अनीश तिवारी ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया जी.फॉर.एस. मिलेनियम स्किल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के मानदंडों के अनुसार संचालित की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को 12 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें उन्हें आवश्यक किट और सामग्री भी प्रदान की जाएगी। हालांकि, प्रशिक्षण शुल्क उम्मीदवारों को स्वयं वहन करना होगा। इच्छुक उम्मीदवार अपने संबंधित प्रखंड मुख्यालय में निर्धारित तिथि पर पहुंचकर भर्ती प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

हिमगिरी एक्सप्रेस का विजयपुर जम्मू स्टेशन पर होगा आंशिक समापन

निज संवाददाता। आरा

रेलमार्ग से आरा जंक्शन के रास्ते चलाई जाने वाली अर्चना एक्सप्रेस व हिमगिरि एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। इससे मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालु सहित अन्य यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर रेलवे के जम्मूतवी स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के परिप्रेक्ष्य में प्री-नॉन इंटरलॉकिंग/नॉन इंटलाकिंग कार्य किये जाने के कारण अर्चना व हिमगिरी एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। इसके साथ ही हिमगिरी एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन में बदलाव भी किया गया है। इसकी जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने दी। गाड़ी संख्या 12355 पटना-जम्मूतवी अर्चना एक्सप्रेस 18 जनवरी से 04 मार्च तक और गाड़ी संख्या 12356 जम्मूतवी-पटना अर्चना एक्सप्रेस 15 जनवरी से 05 मार्च तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12331 हावड़ा-जम्मूतवी हिमगिरी एक्सप्रेस 01 एवं 04 मार्च को और गाड़ी संख्या 12332 जम्मूतवी-हावड़ा हिमगिरी एक्सप्रेस 03 एवं 06 मार्च को रद्द रहेगी। इसके साथ ही हावड़ा से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12331 हावड़ा-जम्मूतवी हिमगिरी एक्सप्रेस का आंशिक समापन जनवरी में 17, 18, 21, 24, 25, 28, 31 और फरवरी में 01, 04, 07, 08, 11, 14, 15, 18, 21, 22, 25 एवं 28 को जम्मूतवी के बजाए विजयपुर जम्मू स्टेशन पर ही किया जाएगा। सूरत के बजाए उधना स्टेशन पर रूकेगी बरौनी-अहमदाबाद व आसनसोल- अहमदाबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस आरा से सूरत जाने वाले यात्रियों को अब उधना स्टेशन पर उतरना होगा। क्योंकि आरा के रास्ते चलने वाली बरौनी अहमदाबाद एक्सप्रेस और आसनसोल अहमदाबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस सूरत के बजाए उधना स्टेशन पर ठहराव कर चलाई जायेगी। रेलवे द्वारा पश्चिम रेलवे के सूरत स्टेशन का पुनर्विकास कार्य किये जाने के कारण इन ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। मुजफ्फरपुर से खुलने वाली गाड़ी संख्या 19484 बरौनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस का ठहराव 06 मार्च तक सूरत के स्थान पर उधना स्टेशन पर प्रदान किया गया है। इस अवधि में यह ट्रेन 07.55 बजे उधना पहुंचेगी और यहां से 08.00 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। आसनसोल से खुलने वाली गाड़ी संख्या 19436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस का ठहराव सूरत के स्थान पर उधना स्टेशन पर 18 जनवरी से 01 मार्च तक प्रदान किया गया है। इस अवधि में यह ट्रेन 07:55 बजे उधना पहुंचेगी और यहां से 08:00 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

घने कुहासे से सड़कों पर चलना मुश्किल

आरा|सर्दी के इस मौसम में अब तक का सबसे अधिक घना कुहासा और धुंध मंगलवार को मकर संक्रांति के दिन छाया रहा। यह स्थिति सुबह से रात तक रही। दोपहर में कुछ क्षण के लिए सूर्य के दर्शन हुए। लेकिन बादलों और कुहासों ने फिर ढंक दिया। घना कुहासा होने से सड़कों पर दूर तक देखने में मुश्किल हुई, गाड़ियों के परिचालन में समस्याएं हुईं। सुबह 10 बजे तक रमना मैदान, सीके रोड व शहर के कुछ जगहों पर 50 फीट से अधिक दूर नहीं दिखाई दे रहा था।

31 जनवरी तक छात्राओं का डाटा पोर्टल पर होगा अपलोड

आरा| मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री बालिका (स्नातक) प्रोत्साहन योजना को लेकर उत्तीर्ण छात्राओं का डाटा अपलोड करने के लिए तिथि बढ़ा दी गई है। अब 31 जनवरी तक कन्या उत्थान योजना के लिए डाटा अपलोड होगा। राज्य सरकार उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए अधिसूचना जारी कर दिया है। इसके पोर्टल पर विश्वविद्यालय के कॉलेज का नाम, संचालित पाठ्यक्रम और नवंबर 2024 तक प्रकाशित परीक्षा फल नवनिर्मित पोर्टल पर अपलोड करना होगा। यह अपलोड विश्वविद्यालय स्तर से किया जाएगा। विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक 90% से अधिक छात्राओं का डाटा अपलोड किया जा चुका है। पूर्व में छूटे हुए प्रकाशित रिजल्ट और सरकार से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम को भी पोर्टल पर अपलोड किया गया है। जिन छात्राओं का डाटा अपलोड हो चुका है वे अपना नाम पोर्टल पर देख भी सकती है। विश्वविद्यालय ने सत्र 2017-20 से लेकर सत्र 2021-24 का डाटा अपलोड करने के बाद लिस्ट जारी कर दी है।

डुमरांव में 4 घंटे का पावर कट

बक्सर। बक्सर के डुमरांव में कल बृहस्पतिवार को चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। जिसे लेकर कोरानसराय के सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन कुमार वर्मा ने बताया कि डुमरांव ग्रिड में मेंटेनेंस कार्य के कारण सिमरी और प्रतापसागर फीडर में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक लोड शेडिंग की जाएगी। विद्युत विभाग ने क्षेत्र के निवासियों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक कार्यों को पहले ही निपटा लें। प्रतापसागर और सिमरी फीडर से जुड़े हजारों उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा को देखते हुए विभाग ने पहले से ही इस बारे में सूचित कर दिया है। विभाग के अनुसार, यह नियमित रखरखाव कार्य क्षेत्र में बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। इस दौरान ग्रिड की मरम्मत और रखरखाव का कार्य किया जाएगा, जिससे भविष्य में बिजली आपूर्ति में सुधार होगा।

9	EXCISE SADAR 663/2023 21.08.2023	TVS Apachi 160 BR01ES-1547 CHE. NO. MD634AE8XL2B05218 ENG. NO. AE8BL2905452	291/2023	241/ 12.12.2023	TVS Apachi RTR 160 TVS	2020	96500	नाम– सुजाता देवी, पति– प्रेमधर कुमार राय, सा0– सवलपुर हसती टोल, पो0– सोनपुर, जिला– सारण	**36000/-**	**6500/-**	**3250/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
10	Deo 31/2022 23.02.2022	Cycle	09/2023	348/ 09.10.2023	-		-	.	**320/-**	**200/-**	**100/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
								कुल राशिः–	**245840/-**	**109140/-**	**54570/-**	-
					लॉट नं0– 7							
1	NABINAGAR 49/2023 02.02.2023	Scorpio JH01P-0013 CHE. NO. MA1TA2BSC62A62585 ENG. NO. BS64A13241	131/2023	423/ 03.11.2023	Mahindra Scorpio	2006	843284	नाम– जितेन्द्र सिंह, पिता– करतार सिहं, सा0– रामगढ़ केन्ट, थाना– रामगढ़, जिला– राँची, राज्य–झारखण्ड	**88000/-**	**47000/-**	**23500/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
2	NABINAGAR13 1/2022 17.04.2022	Titanium CarJH03F-5147ENG. NO. MAJ1XXMRJ1BK09202	90/2023	427/03.11.2023	Ford Car	2011	-	नाम– अवधेश कुमार पाण्डे, पिता– स्व0 अनन्त पाण्डे, सा0– पंकी रोड रेडमा, थाना– डालटेनगंज, जिला– पलामू, राज्य–झारखण्ड	**48000/-**	**27875/-**	**13938/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
3	Deo 175/2022 20.06.2022	Tempu BR24P-7374	190/2022	399/ 02.11.2023	AP Diesel Three Wheeler	2015	-	नाम– ओम प्रकाश सोनी, पिता– स्व0 अशोक कुमार, सा0– शोभागंज, थाना– सासाराम, जिला– रोहतास	**28000/-**	**10125/-**	**5063/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
4	EXCISE DAUDNAGAR 86/2023 25.07.2023	BAJAJ PULSAR MOTORCYCLE BR56A-5543 ENG. NO. DHZCDF71152 CHE. NO. MD2A11CZ0DCF87741	229/2023	186/ 14.11.2023	BAJAJ PULSAR	2014	61840	नाम– अतुल कुमार, पिता– रामपृत पासवान, सा0– बाभन विगहा, थाना– परासी, जिला– अरवल	**11200/-**	**4300/-**	**2150/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
5	Amba 29/2022 13.02.2022	Car DL03CAJ-3383 CHE. NO. ZZE1226816139 ENG. NO. AZZ1979698	74/2022	408/ 03.11.2023	Toyota car	2004	1057308	नाम– हरेराम, पिता–रामाश्रय राम, सा0– 600 ब्लोक सी, भूमीहे, थाना– न्यु दिल्ली, राज्य– दिल्ली	**32000/-**	**13000/-**	**6500/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
6	Amba 164/2022 18.072022	Xylo Ca WB12D-1620 CHE. NO. MA1YA2JJKE2G49265 ENG. NO. JJE4F87844	121/2022	423/ 03.11.2023	Mahindra Xylo	2014	721400	नाम– ईमरान मोल्ला, पिता– एन आई मोल्ला, सा0– नुरपुर, जिला– नौर्थ 24 परगना, राज्य– पश्चिम बंगाल	**120000/-**	**44750/-**	**22375/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
7	Dhibra 02/2023 04.01.2023	Bajaj Discover Motorcycle JH03M-2844 ENG. NO. JBUBTH08227 CHE. NO. MD2DSPAZZTPH42884	138/2023	424/ 03.11.2023	Bajaj Discover	2010	43246	नाम– सरोज प्रसाद, पिता–झरी प्रसाद, सा0– देमाटोला पिपर घाट, थाना– हरिहरगंज, जिला– पलामू, राज्य–झारखण्ड	**8000/-**	**4200/-**	**2100/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
8	KUTUMBA 142/2023 03.06.2023	CYCLE	194/2023	170/ 14.11.2023	CYCLE	-	-	-	**240/-**	**210/-**	**105/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
9	Madanpur 346/2022 06.07.2022	Cycle	25/2023	349/ 09.10.2023	-	-	-	.	**320/-**	**200/-**	**100/-**	सड़क पर परिवहन योग्य नहीं है (Not Motorable on Road) साथ हीं साथ निबंधन योग्य भी नहीं
								कुल राशिः–	**335760/-**	**151660/-**	**75830/-**	-

– नीलामी की प्रक्रिया माननीय न्यायालय के आदेश के आलोक में प्रभावित हो सकती है। इस संबंध में नीलामी में सफल क्रेता का किसी भी प्रकार का कोई दावा मान्य नहीं होगा। विस्तृत जानकारी औरंगाबाद जिला के वेबसाईट **www.aurangabad.bih.nic.in** या अधीक्षक मद्यनिषेध कार्यालय, औरंगाबाद से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 016992 (Excise) 2024-25

संपूर्ण सुरक्षा केन्द्र में आएँ, निःशुल्क एच.आईवी. व यौन जनित रोग जाँच एवं उपचार पाएँ।

समाहर्त्ता
औरंगाबाद

संक्षिप्त समाचार

20 जनवरी से होगी मदरसा बोर्ड की परीक्षा :बेतिया में 11 केंद्रों पर दो पालियों में लिया जाएगा एग्जाम

बेतिया, एजेंसी। बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित फोकानिया (मैट्रिक) और मौलवी (इंटर) की परीक्षाएं 20 जनवरी से बेतिया जिले में शुरू होंगी। शिक्षा विभाग ने परीक्षा के लिए 11 केंद्र निर्धारित किए हैं और संबंधित स्कूलों में एडमिट कार्ड का वितरण प्रारंभ कर दिया है। परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। प्रथम पाली सुबह 8:45 से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 1:45 से शाम 5 बजे तक चलेगी। छात्रों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, फोकानिया की परीक्षा 20 जनवरी से शुरू होगी, जिसमें पहले दिन दिनयात प्रथम और द्वितीय की परीक्षा होगी। इसके बाद क्रमशः अरबी-फारसी, उर्दू-हिंदी, गणित-विज्ञान और सामाजिक विज्ञान-अंग्रेजी की परीक्षाएं होंगी। मौलवी साइंस, कॉमर्स और इस्लामिया की परीक्षाएं 27 जनवरी तक चलेंगी। प्रैक्टिकल परीक्षाओं का आयोजन फोकानिया के लिए 2 फरवरी और मौलवी के लिए 4 फरवरी को किया जाएगा। बिहार मदरसा शिक्षा बोर्ड का मुख्य उद्देश्य धार्मिक और आधुनिक शिक्षा में संतुलन स्थापित करना है। छात्रों की सुविधा के लिए परीक्षा का विस्तृत शेड्यूल बोर्ड की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है।

आवारा कुत्तों ने 10 साल की बच्ची को नोंच-नोंच कर मार डाला

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार में आवारा कुत्तों ने 10 साल की एक बच्ची को नोंच-नोंच कर मार डाला है। दिल दहला देने वाली यह घटना समस्तीपुर की है। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड के भरपुरा पटपारा के वार्ड 14 चोचाही गांव में आवारा कुत्तों ने 10 साल की मासूम को काट-काट कर मौत के घाट उतार दिया। मृत बच्ची रेशम कुमारी चोचाही गांव निवासी मनोज यादव की पुत्री बतायी गयी है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार शाम बच्ची अपने घर के निकट खेल रही थी। उसी दौरान आवारा कुत्तों का एक झुंड वहां पहुंचा और उसने बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुन जब तक लोग दौड़कर पहुंचते तब तक कुत्तों ने बच्ची को कई जगहों पर नोंच कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। जिससे कुछ ही देर में उसकी मौत हो गयी। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पूर्व आवारा कुत्तों ने बकरी के कई बच्चों पर भी हमला कर उन्हें मौत के घाट उतारा था। तब लोगों ने बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया था। लेकिन अब इस घटना के बाद से गांव में आवारा कुत्तों से दहशत का माहौल है। ग्रामीण उससे बचने के लिए एकजुट होकर उनकी खोज में जुटे हुए हैं। इधर, परिजनों ने मृत बच्ची का मंगलवार शाम ही दाह संस्कार कर दिया।

40 हजार से अधिक ने किया बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। स्नान-दान-पुण्य का पवित्र पर्व मकर संक्रांति मंगलवार को हर्षोल्लास मनाया जाएगा। बाबा गरीबनाथ मंदिर में सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। दोपहर बाद तक जलाभिषेक का दौर चलता रहा। इधर, अखाड़ा घाट सहित अन्य घाटों पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने बूढ़ी गंडक में डुबकी लगाई। मकर संक्रांति पर बच्चों से लेकर बड़ों ने पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। बाबा गरीबनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि 40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक किया और 150 से अधिक लोगों ने सत्यनारायण पूजा कराई। इसके साथ ही बड़ी संख्या में मुंडन भी हुआ। उन्होंने बताया कि खरमास के समापन होने के कारण मंगलवार से सभी तरह के मांगलिक कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया। इधर, साहू पोखर पर श्रद्धालुओं ने भगवान को लोग दही-चूड़ा और तिलकुट का भोग लगाकर आशीर्वाद लिया। ब्रह्मपुरा स्थित सर्वेश्वर नाथ मंदिर, रामदयालुनगर के मुक्ति नाथ मंदिर सहित अन्य देवालयों में भी दिनभर दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

रेलवे बोर्ड से मिली मंजूरी:उत्तर बिहार की 63 रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज बनेगा

रेलवे बोर्ड के निर्देश पर सभी के लिए डीपीआर निर्माण शुरू

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा, राहुलनगर, शेरपुर, दिघरा, दामोदरपुर व बीबीगंज समेत उत्तर बिहार की 63 रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज बनेगा। गति शक्ति परियोजना के तहत सोनपुर रेल मंडल में कुल 63 रेल ओवर ब्रिज निर्माण के लिए रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। सभी स्पेशल रेल गुमटियों के अलावा ट्रैफिक यूनिट व्हीकल (टीवीयू) एक लाख व इससे अधिक वाली रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज का निर्माण होगा। केंद्र सरकार ने गति शक्ति परियोजना के तहत ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए व्यापक रणनीति बनाई है। परियोजना के तहत व्यस्त रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए रेलवे बोर्ड ने सभी रेल मंडलों से प्रस्ताव की मांग की थी। सोनपुर रेल मंडल के अधीन मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, समस्तीपुर, बरौनी, खगड़िया, नवगछिया व सारण जिले की 63 अति व्यस्त रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा गया। रेल ओवर ब्रिज को जमीन पर उतारने के लिए रेलवे के निर्माण विभाग की ओर से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाई जा रही है। डीपीआर के बाद अलगे माह प्रस्तुत होने वाले केंद्रीय आम बजट में उत्तर बिहार के 63 रेल ओवर ब्रिज के लिए राशि स्वीकृत की जा सकती है। एक रेल ओवर ब्रिज के निर्माण पर करीब 40 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। फिलहाल, मुजफ्फरपुर में चार रेल ओवर ब्रिज निर्माणाधीन हैं। इसमें बीबीगंज एनएच (संजय सिनेमा पुल), माड़ीपुर आउटर, मोतीपुर व महवल शामिल हैं। वहीं, शहर के तीन रेल ओवर ब्रिज का जल्द निर्माण शुरू होगा, जिसमें गोबरसही, रामदयालुनगर व सादपुरा शामिल हैं।

क्या है केंद्र सरकार की गति शक्ति योजना

रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने के लिए गति श?क्ति परियोजना लांच की गई है। गति शक्ति पहल के तहत 52,000 करोड़ रुपए की सड़क और रेलवे की छह बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है। गति शक्ति को शुरू करने के बाद से नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की लागत करीब 11.53 लाख करोड़ रुपए है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की चार परियोजनाएं और रेल मंत्रालय की दो परियोजनाएं शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने साल 2022-23 के बजट में पीएम गति शक्ति मिशन का ऐलान किया था। यह 100 लाख करोड़ की योजना है। इस योजना के जरिए सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को क्षेत्र में रिफॉर्म करना चाहती है। सोनपुर रेल मंडल के डीआरएम विवेक भूषण सूद का कहना है कि सोनपुर रेल मंडल में कुल 63 रेल ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। गति शक्ति परियोजना के तहत रेल ओवर ब्रिज को मंजूरी दी गई है। रेल ओवर ब्रिज के निर्माण से ट्रेनों के साथ सड़क परिवहन की गति बढ़ेगी।

नि :स्वार्थ सेवा के लिए मुजफ्फरपुर के पूर्व सैनिक मनोज पुरस्कृत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। वायुसेना में रहे मुजफ्फरपुर के मनोज कुमार सिंह, पटना के आरएन उपाध्याय व अनिल कुमार को नौवें वेटरंस डे पर मंगलवार को पुरस्कृत किया गया। सैन्य क्षेत्र में निःस्वार्थ सेवा के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यह पुरस्कार प्रदान किया। शौर्य संवाद का आयोजन दानापुर स्थित बिहार रेजिमेंटल सेंटर मैदान में किया गया था। निःस्वार्थ सेवा करने वाले पूर्व सैनिकों की सूची सैनिक कल्याण निदेशालय ने सभी जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों से मांगी थी। मनोज कुमार सिंह सार्जेंट पद से अवकाश प्राप्त हैं। शहर के भगवानपुर भवानीनगर में रहते हैं। मूलतः साहेबगंज के रहनेवाले हैं। रिटायरमेंट के बाद मनोज ने एक निजी कंपनी में भी योगदान दिया था, लेकिन समाजसेवा के भाव की वजह से उसे छोड़ दिया। इसके बाद मुजफ्फरपुर मिलिट्री स्टेशन हेडक्वार्टर के तत्कालीन एसएसओ कर्नल नीरज कुमार के साथ मिलकर पूर्व सैनिकों के लिए काम करना शुरू किया। स्पर्श माइग्रेशन, ओआरओपी, पूर्व सैनिकों की बेटियों की शादी, ऑनलाइन जीवन प्रमाणपत्र बनवाना आदि कई काम शुरू किये। मनोज दहेज प्रथा को चुनौती देते हुए पूर्व सैनिक की बेटी की शादी कराने को लेकर भी चर्चा में रहे। मीनापुर के पूर्व सैनिक की राशि सैन्य कार्यालय में कई वर्षों से अटकी थी। जानकारी होने के बाद मनोज ने स्वयं पहल करते हुए उनकी राशि का भुगतान दो सप्ताह में कराया। इसके लिए भी वह सुर्खियों में बने। मनोज एयरफोर्स एसोसिएशन मुजफ्फरपुर चैप्टर और पूर्व सैनिक सेवा परिषद के बैनर तले भी काम कर रहे हैं। मनोज जिला अनुश्रवण समिति के भी सदस्य हैं।

मंदार महोत्सव में नीतू नवगीत ने श्रोताओं का मन मोहा

निज संवाददाता | बांका

बांका जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मंदार महोत्सव में बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने अपनी सुरमयी आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में बिहार की लोक संस्कृति और पारंपरिक गीतों की अद्भुत छटा बिखरी, जिसमें श्रोताओं ने लोकगीतों के हर सुर और ताल पर दिल खोलकर तालियां बजाईं। डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत मंगल गीत "मंगल के दाता रउवा" से की, जिसे सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद उन्होंने "कहे तोसे सजना," "कोहबर गीत," "विवाह गीत," "गंगा गीत," और बिहार के महान लोक कलाकार भिखारी ठाकुर और महेंद्र मिश्र के रचित अमर गीत जैसे "पनिया के जहाज से," "डगरिया जोहत ना हो," और "डिम डिम डमरू बजावेला हमार जोगिया" गाकर पूरे कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। हर गीत में न केवल लोक संस्कृति की झलक थी, बल्कि उन्होंने अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं के दिलों को छू लिया। उनके गीतों में बिहार की मिट्टी की महक, पारंपरिक रीति-रिवाजों की गहराई और समाज के भावनात्मक पहलुओं की अद्भुत प्रस्तुति थी। महोत्सव में लोकगायक राजेश केशरी की प्रस्तुति ने भी कार्यक्रम को ऊंचाईयों पर पहुंचा दिया। उन्होंने "जय जय भैरवी असुर भयाउनि," "मधुबन खुशबू देता है, सागर सावन देता है," और "गौरिया चांद के अंजोरिया नियन गोर बाडू हो" जैसे गीत गाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। उनकी गायिकी ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। खासकर उनका प्रस्तुत गीत "लाले लाले होठवा से" दर्शकों की पसंद बना। कार्यक्रम में उपस्थित अपर समाहर्ता राजीव कुमार ने मंच पर आकर डॉ. नीतू कुमारी नवगीत को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा, "डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने बिहार की लोक कला और संगीत को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया है।

1.80 लाख शिक्षकों के तबादले की जिम्मेदारी डीईओ पर, हर महीने जारी होगी लिस्ट

पटना, एजेंसी। बिहार में 1.90 लाख शिक्षकों का तबादला होना है। 10,470 शिक्षकों का ट्रांसफर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ खुद करेंगे। प्रत्येक शिक्षक की मार्कशीट और जो प्रमाण-पत्र ट्रांसफर के आवेदन के साथ अपलोड किए गए हैं, उसकी जांच भी वो खुद ही करेंगे। ये वे शिक्षक हैं जो किसी न किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। दिव्यांग हैं या विधवा हैं। बचे हुए 1.80 लाख शिक्षकों के ट्रांसफर की जिम्मेदारी जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) की होगी। अपर मुख्य सचिव की ओर से प्रत्येक महीने 5 से 8 दिनों के अंतराल पर शिक्षकों के ट्रांसफर की लिस्ट जारी की जाएगी। शुरुआत में प्रमाण-पत्रों की जांच में लगने वाले समय की वजह से ट्रांसफर प्रक्रिया सुस्त रहने की संभावना है, बाद में इसमें तेजी आएगी। मुख्यालय में कैटेगरी और जिला के आधार पर शिक्षकों के आवेदन फॉर्म को सूचीबद्ध किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक जिले के डीईओ को ट्रांसफर लिस्ट भेजी जाएगी। डीईओ शिक्षकों को प्रखंड आवंटित करेंगे। प्रखंड शिक्षा अधिकारी शिक्षकों को स्कूल आवंटित करेंगे। बची हुई सीटों के बारे

में हर दिन जानकारी मुख्यालय भेजी जाएगी।

1700 से अधिक शिक्षक कई कारणों से निलंबित : बिहार में लगभग 1.90 लाख में से लगभग 1700 से अधिक ऐसे शिक्षक हैं, जो विभिन्न कारणों से निलंबित हैं या फिर उनके ऊपर कोई आरोप लगा हुआ है या फिर प्रमाण पत्र संदिग्ध हैं। ऐसे में ट्रांसफर प्रक्रिया में ऐसे शिक्षकों का ट्रांसफर अभी होल्ड किया जाएगा।

जिन्होंने आवेदन किया, उन सबका ट्रांसफर होगा

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा कि शिक्षकों के ट्रांसफर की मॉनिटरिंग हम खुद कर रहे हैं। विशेष शिक्षकों के ट्रांसफर के आवेदन को पढ़ने के बाद ही कार्रवाई हो रही है। जिन शिक्षकों ने ट्रांसफर का आवेदन किया है, उन सभी का ट्रांसफर होगा।

चावल लदा पिकअप वाहन सड़क पर पलटा

गया, एजेंसी। गया-दाऊदनगर नेशनल हाईवे पर मंगलवार को चावल लदा एक पिकअप पलट गया। इस घटना में वाहन चालक जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल ड्राइवर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोंच में भर्ती कराया। कोंच मुखिया दिलीप चन्द्रवंशी ने बताया कि चालक ने घोंघिमठ से पिकअप पर चावल लेकर गुरारू बाजार जा रहा था। इसी बीच गाड़ी का पिछले हिस्से का चक्का खुलकर बाहर निकल गया। जिससे गाड़ी असंतुलित होकर सड़क पर पलट गई। गाड़ी पर लदा चावल का बोरा व चावल सड़क पर पसर गया। वहीं घटना की सूचना पर कोंच पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया।

शेरघाटी में राजस्व कार्यों की प्रगति का कमिश्नर ले लिया जायजा

गया, एजेंसी। मगध प्रमंडल के कमिश्नर प्रेम सिंह मीणा ने मंगलवार को आभासी माध्यम से शेरघाटी अनुमंडल के सभी नौ अंचल कार्यालयों में चल रहे राजस्व कार्यों की समीक्षा की। मगध प्रमंडल के सभी जिलों के तमाम अंचलाधिकारी और वरीय राजस्व अधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से की जा रही मीटिंग के दौरान शेरघाटी अनुमंडल के तमाम अंचलाधिकारी और स्थानीय भूमि सुधार उपसमाहर्ता अनुमंडल कार्यालय स्थित वीसी रूम से कमिश्नर के साथ बैठक में जुड़े थे। स्थानीय डीसीएलआर रंजीत कुमार रंजन ने बताया कि दाखिलखारिज वादों के निबटारे के अलावा परिमार्जन प्लस, आधार सीडिंग और दूसरे राजस्व कार्यों के निबटारे के मामले में अंचलवार समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि अनुमंडल के आमस और इमामगंज अंचल में दाखिल खारिज वादों के निष्पादन में अपेक्षित प्रगति को लेकर अधिकारियों की हौसला अफजाइ भी की गई। इसके साथ ही परिमार्जन प्लस सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध आवेदनों के तेजी से निबटारे का टास्क भी अंचलाधिकारियों को सौंपा गया। वर्चुअल बैठक में इमामगंज की सीओ सुनीता कुमारी भी मौजूद थीं।

धनहा-रतवाल सड़क से अतिक्रमण हटाने की मांग:सीओ ने 36 दुकानों को हटाने का नोटिस किया जारी

दुकानदार बोले-इसी से चलता परिवार

बगहा (वाल्मिकीनगर), एजेंसी। बगहा के धनहा-रतवाल सड़क निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। पथ निर्माण विभाग ने मधुबनी के अंचल अधिकारी (सीओ) को पत्र जारी कर सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को मुक्त कराने का निर्देश दिया है।

200 मीटर में किया गया अतिक्रमण

विभागीय अभियंता दीपक कुमार ने बताया कि गौतम बुद्ध सेतु के दक्षिणी हिस्से में करीब 200 मीटर क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। इस अतिक्रमण के कारण सड़क के दोनों किनारों पर बोल्डर पिचिंग और मिट्टी भराई का कार्य बाधित हो रहा है। प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए सीओ को पत्र तो जारी कर दिया गया है, लेकिन अभी तक दुकानदारों को कोई नोटिस नहीं दिया गया है। दुकानदार अमीरी गुप्ता, बृजेश कुमार, अजय कुमार समेत कई अन्य ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी दुकानों को उजाड़ा न जाए। उनका कहना है कि अगर दुकानें हटाई गईं, तो वे बेरोजगार हो जाएंगे और उनके परिवार भुखमरी का शिकार हो सकते हैं।

दुकान से ही चलती रोजी-रोटी

दुकानदारों ने कहा कि करीब तीन दर्जन परिवारों की रोजी-रोटी इन्हीं दुकानों से चलती है। प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि परिवारों को

किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। पथ निर्माण विभाग का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य को बाधा मुक्त करने के लिए अतिक्रमण हटाना आवश्यक है। यह सड़क स्थानीय लोगों के आवागमन को सुगम बनाएगी और विकास कार्यों को बढ़ावा देगी। प्रशासन ने दुकानदारों को समय रहते स्थान खाली करने का आग्रह किया है, ताकि निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके।

मलेरिया का प्रसार जानने के लिए सर्वे: पटना व मुजफ्फरपुर में 10-10 जगहों पर दूसरे प्रदेशों से आए कामगारों की जांच की जा रही

पटना, एजेंसी। राज्य में मलेरिया का प्रकोप जानने के लिए आईसीएमआर (इंडियन मेडिकल काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की देखरेख में आरएमआरआई (राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट) ने सर्वे शुरू किया है। इस सर्वे का मकसद यह जानना है कि राज्य में मलेरिया के प्रसार का कारण क्या है और इसका प्रबंधन कैसे किया जा सकता है। इसके लिए पटना और मुजफ्फरपुर का चयन किया गया है। दोनों शहरों में उन जगहों पर सर्वे हो रहा है, जहां राज्य के अलावा दूसरे प्रदेशों से भी मजदूर काम के लिए आते व रहते हैं। झारखंड, पश्चिम बंगाल, नेपाल आदि से बड़ी संख्या में यहां लोग काम की तलाश में आते हैं। जैसे ईंट भट्ठा, कंस्ट्रक्शन साइट या फिर छोटे उद्योग में काम करने आते हैं। इन जगहों पर टीम जाकर मजदूरों की जांच कर रही है। पीड़ितों का इलाज भी किया जा रहा है। साथ ही डाटा भी जुटाया जा रहा है। दोनों शहरों में ऐसी 10-10 जगहें चिह्नित की गई हैं, जहां माइग्रेंट लेबर रहते हैं। आरएमआरआई के सूत्रों का कहना है कि चिह्नित जगह पर रहनेवालों के साथ-साथ उसके 150 से लेकर 500 मीटर के दायरे में रहने वालों की भी जांच की जा रही है। फिर मच्छरों के घनत्व की जानकारी ली जा रही है। यानी एक कमरे में पांच लोग रह रहे हैं तो वहां कितने मच्छर हैं। मच्छर ने जो खून पिया है, वह इंसान का है या जानवर का। मलेरिया प्रसार के अलावा इस सर्वे से मलेरिया के प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।

क्या कहते हैं निदेशक

आरएमआरआई के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय ने बताया कि यह केंद्र की योजना है। आईसीएमआर के नेतृत्व में सर्वे शुरू किया गया है। यह सर्वेक्षण एक साल तक और चलेगा। मलेरिया का प्रसार का पता करने के मकसद से इसे शुरू किया गया है। सर्वे से मलेरिया के प्रसार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। अभी तक दो मरीज मिले हैं।

एनडीए के नेता बोले- नीतीश कुमार को फिर सीएम बनाने के लिए 243 में 225 सीटें जीतेंगे

पटना, एजेंसी। अबकी बिहार विधानसभा चुनाव में 243 में से 225 सीटें जीतने के लिए एनडीए का अभियान शुरू हो गया। इसे 'मिशन 225 @ 2025' का नाम दिया गया है। मंगलवार को एनडीए के पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने दावा किया कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फिर मुख्यमंत्री बनाने के लिए 225 सीटें जीतेंगे। बुधवार को बगहा से घटक दलों का जिला सम्मेलन शुरू होगा। नेताओं की टोली वहां गई। सम्मेलन का मकसद बूथ लेवल तक घटक दलों के कार्यकर्ताओं की एकजुटता व सामंजस्यता को बहुत मजबूत

करना है। सबने नीतीश कुमार की खूब तारीफ की। प्रदेश अध्यक्षों का प्रेस कांफ्रेंस जदयू कार्यालय में हुआ। इसमें जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, भाजपा के डॉ. दिलीप जायसवाल, लोजपा-रा के राजू तिवारी, हम (से.) के अनिल कुमार व राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी मौजूद थे। उमेश ने कहा- सम्मेलन में एनडीए की जीत की रणनीति बनेगी, ताकि नीतीश कुमार को फिर से बिहार की बागडोर दी जा सके।

डॉ. दिलीप जायसवाल के मुताबिक, डबल इंजन की सरकार में बिहार प्रगति पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। राजू तिवारी, अनिल कुमार, मदन चौधरी ने भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनाने की बात कही। इस दौरान ललन सर्राफ, अनिल हेगड़े, अनिल कुमार, चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, संजय कुमार मौजूद थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

जनता दरबार में डीसी ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं को सुना

निज संवाददाता | गोड्डा

आम जनमानस की समस्याओं को समझने और उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर के नेतृत्व में एक व्यापक जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए। जनता दरबार का आयोजन जिला समाहरणालय परिसर में किया गया, जहां लोगों ने अपनी विविध समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त ने धैर्यपूर्वक सभी शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उपायुक्त ने कहा कि सरकार और प्रशासन की पहली प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित और स्थायी समाधान करना है। उन्होंने सभी शिकायतकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों की गहन जांच कराकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। दरबार के दौरान उपायुक्त ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्राप्त शिकायतों का विश्लेषण कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर संभव है, उन्हें तत्काल हल किया जाए, जबकि उच्च स्तरीय मामलों को उचित माध्यम से संबंधित विभागों तक प्रेषित किया जाए। इस दौरान कई मुद्दे सामने आए, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और पानी की समस्या, सड़कों की मरम्मत, पेंशन में देरी, कृषि संबंधित कठिनाइयां और शहरी क्षेत्रों में यातायात एवं साफ-सफाई की समस्याएं शामिल थीं। उपायुक्त ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि वे प्रत्येक शिकायत पर समयबद्ध तरीके से काम करें और उसके समाधान की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएं। जनता दरबार में उपायुक्त ने यह भी सुनिश्चित किया कि सभी शिकायतों का दस्तावेजीकरण किया जाए और उनके समाधान की प्रगति पर निगरानी रखी जाए। उन्होंने जनशिकायत कोषांग को निर्देशित किया कि वे हर सप्ताह की प्रगति रिपोर्ट तैयार करें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए। शहरी क्षेत्रों के लोगों ने सफाई व्यवस्था और जलनिकासी से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और कृषि योजना के लाभों के वितरण में आ रही कठिनाइयों पर ध्यान आकर्षित किया। उपायुक्त ने इन सभी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का आश्वासन दिया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में उपस्थित लोग उपायुक्त के सकारात्मक रवैये और तत्परता से संतुष्ट दिखे। उन्होंने उपायुक्त की इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि प्रशासन उनके जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में इसी प्रकार कार्य करता रहेगा।

श्रम, नियोजन मंत्री ने 18 जनकल्याणकारी योजनाओं का किया शिलान्यास

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा जिले के शहीद स्मारक में बुधवार को एक महत्वपूर्ण आयोजन हुआ, जिसमें श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने झारखंड सरकार की तरफ से 18 जनकल्याणकारी योजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री संजय प्रसाद यादव के साथ उप विकास आयुक्त स्मिता टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव, नगर प्रशासक एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आशीष कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। सभी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ गई। मंत्री संजय प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में विकास योजनाओं को तेजी से लागू किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि यहां की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा और प्रत्येक वार्ड में विकास योजनाओं की गति को बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही मंत्री ने यह भी बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में हर वार्ड में आवश्यकता के अनुसार योजनाओं का चयन किया जाएगा, ताकि आम जनता को उनके क्षेत्रों में अच्छे परिणाम मिल सकें।

कार्यक्रम में मौजूद नगर परिषद के सभी वार्ड परिषद सदस्य और नगर परिषद के कर्मी गण ने मंत्री द्वारा किए गए शिलान्यास का स्वागत किया और यह भी विश्वास जताया कि इन योजनाओं से क्षेत्र के विकास में नयापन आएगा। इस आयोजन ने स्थानीय लोगों में उम्मीद और उत्साह की लहर पैदा की, और हर किसी ने योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की आशा जताई। मंत्री संजय प्रसाद यादव ने यह भी कहा कि यह योजनाएं केवल निर्माण और अवसंरचनाओं तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर भी प्रदान करेंगी, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। इस पहल से न केवल शहरी विकास में मदद मिलेगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका सकारात्मक असर देखा जाएगा। इस कार्यक्रम के बाद, उपस्थित जनसमूह ने मंत्री और अन्य अधिकारियों का धन्यवाद किया और इस प्रकार के विकास कार्यों की निरंतरता की अपेक्षा जताई। यह आयोजन गोड्डा जिले के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ, जो आने वाले समय में विकास की गति को और तेज करेगा।

प्रशासन से अपील है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएं

रानीबगान में सड़क किनारे शव दफनाने से स्थानीय लोग परेशान, शिकायत दर्ज

» सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन और उनके लाभार्थी

निज संवाददाता | रांची

बरियातू थाना क्षेत्र के रानीबगान इलाके में सड़क किनारे एक शव दफनाए जाने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। 11 दिन पहले घटी इस घटना से लोग भयभीत हैं और उस रास्ते से गुजरने में असुविधा महसूस कर रहे हैं। मामले को लेकर निर्मला इनक्लेव सोसाइटी के लोगों ने रांची डीसी और एसएसपी को लिखित शिकायत दी है। सोसायटी के सचिव राजेश कुमार ने बताया कि 3 जनवरी को दोपहर में 40-50 अज्ञात लोग आए और सोसाइटी के सामने सड़क किनारे एक शव दफन कर चले गए। जब यह बात सोसाइटी के सदस्यों को पता चली, तो उन्होंने तुरंत बरियातू पुलिस को सूचना दी। बरियातू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि जिस जमीन पर शव दफनाया गया है, वह आदिवासी समुदाय की निजी जमीन है। आदिवासी परंपरा के अनुसार, अपनी जमीन पर शव दफनाने की प्रथा है। शव जमीन मालिक के रिश्तेदार का है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित पक्षों से जानकारी जुटाई जा रही है।

ट्रेन से गिरकर बिहार का व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

सरैयाहाट (नि.सं.)। हंसडीहा दुमका रेलखंड में कुरमाहाट रेलवे हॉल्ट के समीप ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है और वह अपना सिर्फ नाम छोटू लैया जिला भागलपुर बता रहा है। बुधवार को हंसडीहा पुलिस के द्वारा उसे गंभीर स्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों के द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। बताया जाता है कि वह किसी ट्रेन से गिरकर घायल हुआ है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

छापेमारी कर साइबर ठग को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल, ठगी के पैसे से खरीदी गई बाइक जब्त

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ। प्रतिबिंब एप के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि तेलोलिया गांव में एक युवक ऑनलाइन साइबर ठगी कर रहा है। इस पर गोड्डा के पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार त्वरित कार्रवाई के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम ने उक्त लोकेशन पर पहुंचकर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही संदिग्ध युवक घर के पिछले दरवाजे से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए उसे दबोच लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर युवक ने अपना अपराध कबूल करते हुए बताया कि वह फोन के जरिए लोगों को ठगता था। ठगी से अर्जित पैसों से उसने बुलेट बाइक खरीदी थी, जिसे भी पुलिस ने जब्त कर लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन, एक डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बाइक के कागजात और अन्य दस्तावेज जब्त किए। पूछताछ में पता चला कि वह बैंक कर्मचारी या कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर लोगों से उनकी गोपनीय जानकारी प्राप्त करता था और फिर उनके बैंक खातों से पैसे उड़ा लेता था। गिरफ्तार युवक की पहचान सोनू कुमार मंडल (पिता- छेदी मंडल), निवासी तेलोलिया, थाना मुफस्सिल, जिला गोड्डा के रूप में हुई। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गोड्डा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी ने प्रेस वार्ता के जरिए इस पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आरोपी के गिरोह में और भी लोग शामिल हो सकते हैं और पुलिस उन तक पहुंचने के लिए पड़ताल कर रही है। जल्द ही इस साइबर ठगी गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक कुमार गौरव, पुलिस निरीक्षक मधुसुदन मोदक, सदर प्रभाग के नगर थाना प्रभारी दिनेश महली, पुलिस अवर निरीक्षक कृष्णा कुमार साह, मुफस्सिल थाना प्रभारी और तकनीकी शाखा के विशेषज्ञ कर्मी सहित सशस्त्र बलों की भूमिका अहम रही। पुलिस अधीक्षक ने जनता से सतर्क रहने की अपील की और कहा कि किसी भी अनजान कॉल या व्यक्ति से अपनी बैंकिंग जानकारी साझा न करें। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की यह कार्रवाई एक महत्वपूर्ण कदम है। गिरफ्तारी के बाद तेलोलिया और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा तेज हो गई है। लोग पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश होगा।

समाचार पत्रों के समक्ष अस्तित्व के संकट को लेकर नई दिल्ली में होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

समाचार पत्रों ने की न्यूज़ प्रिंट पर से जीएसटी हटाने की मांग

निज संवाददाता | रांची

पूरे देश में समाचार पत्रों के समक्ष गहराते संकट और मौजूदा समस्याओं को दूर करने के लिए नवगठित अखिल भारतीय समाचार पत्र प्रकाशक-संपादक संघ की आज यहां रांची प्रेस क्लब में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में अखबारी कागज (न्यूज़ प्रिंट) को पूरी तरह जीएसटी से मुक्त करने की मांग की गई। इस मांग को लेकर संघ आगामी फरवरी माह में नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित करेगा और केन्द्र सरकार से इस समस्या का हल निकालने का आग्रह करेगा। बैठक में उपस्थित बिहार, झारखंड, नई दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों के चार दर्जन से अधिक समाचार पत्रों के प्रकाशकों - संपादकों ने कहा कि आज देश के समाचार पत्र कई कठिनाइयों के दौर से गुजर रहे हैं और इन्हें दूर करने के लिए संघ निरंतर प्रयास करेगा। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार समाचार पत्र प्रकाशक- संपादक संघ की ओर से समाचार पत्रों खासकर अखबारी कागज (न्यूज़ प्रिंट) को जीएसटी से मुक्त करने और प्रिंट मीडिया के विज्ञापनों पर लगने वाले जीएसटी को पूरी तरह समाप्त करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। संघ की बैठक में इस मुद्दे पर सर्वसम्मति बनी कि यदि अखबारी कागज (न्यूज़ प्रिंट) पर जीएसटी को तत्काल वापस नहीं लिया जाता है तब तक प्रसार जांच की नई पॉलिसी को स्थगित रखने के साथ-साथ सरकार इसकी समीक्षा के लिए एक आयोग का गठन करे और आयोग समाचार पत्रों के समक्ष सरकार के स्तर पर उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने के संबंध में गहन अध्ययन कर एक प्रतिवेदन केंद्र सरकार को समर्पित करें। बैठक में प्रकाशकों ने एक स्वर से कहा कि आज हिंदी समेत सभी भाषाई अखबारों के समक्ष अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है और इससे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा खतरा दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यदि देश में बड़े पैमाने पर समाचार पत्रों के समक्ष बंदी की स्थिति उत्पन्न हुई तो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से समाचार पत्रों से जुड़े एक करोड़ परिवार यानि करीब 5 करोड़ लोग प्रभावित तथा बेरोजगार हो जाएंगे। बेरोजगार होने वाले में प्रखंड, अनुमंडल, जिला तथा राज्य स्तर पर कार्यरत पत्रकारों के अलावा अखबार के वितरण कार्य में लगे हॉकर तथा एजेंट भी शामिल होंगे। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा और पूरे देश के समक्ष बेरोजगारी को लेकर अलग तरह का बड़ा संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसके साथ 6 वर्षों से विज्ञापन दर को संशोधित करने के मामले को लंबित रखे जाने के समाधान किए जाने पर जोर दिया गया।

संघ की ओर से कहा गया है कि अखबारी कागज, स्याही, मुद्रण में प्रयुक्त होने वाली अन्य सामग्रियों पर जीएसटी लागू किए जाने से अखबार प्रकाशन की लागत में काफी वृद्धि हुई है जबकि दूसरी ओर डीएवीपी का विज्ञापन दर पिछले 6 वर्षों से संशोधित नहीं किया गया है । गौरतलब है कि डीएवीपी (अब केंद्रीय संचार ब्यूरो) की ओर से प्रत्येक 3 वर्ष पर विज्ञापन दर संशोधित करने की परंपरा रही है। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 10 फरवरी को नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया या कांस्टीट्यूशन क्लब में समाचार पत्र प्रकाशकों - संपादकों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें समाचार पत्र उद्योग की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा होगी और इस सिलसिले में समस्याओं के समाधान के लिए संघ का शिष्टमंडल प्रधानमंत्री, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, सूचना एवं प्रसारण सचिव, केंद्रीय संचार ब्यूरो और प्रेस इनफॉरमेशन ब्यूरो के महानिदेशक तथा भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक से मिलकर समाचार पत्र उद्योग के समक्ष उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए विचार-विमर्श और आग्रह करेगा। बैठक में सभी प्रकाशकों और संपादकों की आशंका थी कि यदि समाचार पत्र उद्योग पर गहराते संकट को दूर करने के लिए अपेक्षित कदम नहीं उठाए गये तो लोकतंत्र के चौथा स्तंभ का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। बैठक में कमल किशोर, रजत गुप्ता, अशोक कुमार, प्रेम शंकर, विनय कुमार, श्रीराम अम्बष्ट, विनय वर्मा, राहुल सिंह, रोहित दत, देवन राय, संजय पोद्दार, नित्यानंद शुक्ला, एस एम खुर्शीद, सम्पूर्णानंद भारती, सौरभ सिंह, अविनाश चन्द्र ठाकुर, नवल सिंह, मधुकर सिंह, मो रहमतुल्लाह, संतोष पाठक, मुस्तकीम आलम, अनश रहनुमा समेत बड़ी संख्या में प्रकाशक- सम्पादक उपस्थित थे।

वाहन चलाकों को फूलमाला पहनाकर, यातायात नियमों का पालन करने की अपील

काठीकुण्ड (नि.सं.)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर बुधवार को काठीकुण्ड पुलिस प्रशासन द्वारा एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान जिले के एसपी दुमका के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन की ओर प्रेरित करना था। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर बल दिया और वाहन चालकों से अपील की कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करें। एसआई विजय प्रताप सिंह ने अभियान के दौरान वाहन चालकों से विशेष रूप से हेलमेट पहनने की अपील की। उन्होंने कहा कि हेलमेट पहनना सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह दुर्घटनाओं में गंभीर चोटों से बचने के लिए एक अहम कदम है। इसके अलावा, उन्होंने चालकों से यह भी अनुरोध किया कि वे नशे की हालत में या नींद में वाहन न चलाएं और तेज रफ्तार से बचें। उनका यह संदेश था कि सड़क सुरक्षा केवल व्यक्ति की अपनी सुरक्षा नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा भी है।

मकर संक्रांति के अवसर पर आराई गांव में एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

निज संवाददाता | फतेहपुर (जामताड़ा)

फतेहपुर प्रखंड के जामजोड़ी पंचायत स्थित आराई गाँव में इस साल भी मकर संक्रांति के मौके पर लगातार दसवें वर्ष सिंह ब्रदर्स द्वारा एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का आयोजन सिंह ब्रदर्स मैदान में किया गया, जिसमें कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने अपनी बेहतरीन क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन किया और दर्शकों को रोमांचित किया। इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला अमित 11 और कंचन 11 के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंततः अमित 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कंचन 11 को पराजित कर टूर्नामेंट पर अपना कब्जा जमाया। विजेता टीम को समाजसेवी मनोज गोस्वामी द्वारा ट्रॉफी और 3500 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। वहीं, उपविजेता टीम कंचन 11 को जामजोड़ी पंचायत की मुखिया प्रमिला मुर्मू के हाथों ट्रॉफी और 3000 रुपये की नगद राशि से सम्मानित किया गया। फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रभात कुमार को 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया, जो फतेहपुर थाना के एएसआई संतोष गोस्वामी द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही, पूरे टूर्नामेंट में सबसे बेहतरीन खेल प्रदर्शन करने के लिए बुलेट को 'मैन ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार फतेहपुर थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद गुप्ता द्वारा दिया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन जामजोड़ी पंचायत की मुखिया प्रमिला मुर्मू, पंचायत समिति के प्रतिनिधि तपन कुमार मोची, और बबलू मोची के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर सिंह ब्रदर्स के सभी सदस्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने टूर्नामेंट की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस टूर्नामेंट ने न सिर्फ क्रिकेट के प्रेमियों को आकर्षित किया, बल्कि पूरे गांव और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह और उल्लास का माहौल भी बना दिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों और आयोजकों को आने वाले वर्षों में और भी बड़े स्तर पर टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए प्रेरित किया है। फतेहपुर के इस छोटे से गांव में आयोजित हुआ यह क्रिकेट टूर्नामेंट न सिर्फ क्षेत्रीय क्रिकेट को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि युवाओं में खेलों के प्रति रुचि को भी जागृत कर रहा है।

हरिहरगंज में विराट शिव गुरु महोत्सव का किया गया आयोजन, हजारों शिव शिष्य हुए शामिल

निज संवाददाता | हरिहरगंज

हरिहरगंज प्रखंड के न्यू निर्मित सीएचसी के समीप बटाने नदी तट पर मंगलवार को विराट शिव गुरु महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर भगवान शिव और हरिंद्रानंद जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जो शिव शिष्या बरखा आनंद जी द्वारा संपन्न हुआ। इस आयोजन में झारखंड, बिहार, और नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से सैंकड़ों बड़ी-छोटी वाहनों में हजारों शिव शिष्य और श्रद्धालु शामिल हुए। यह आयोजन शिव भक्ति और गुरु के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बरखा आनंद जी ने श्रद्धालुओं को शिव शिष्य साहब श्री हरिंद्रानंद के संदेशों से अवगत कराया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "मां आदि भवानी स्वयं शिव की प्रथम शिष्या थीं" और यह भी बताया कि शिव और शक्ति के मिलन से सम्पूर्ण जगत का कल्याण होता है। उन्होंने शिव को जगतगुरु बताते हुए यह कहा कि "शिव का शिष्य बनने के लिए किसी पारंपरिक औपचारिकता या दीक्षा की आवश्यकता नहीं है।" बरखा आनंद जी ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या संप्रदाय से हो, शिव को अपना गुरु बना सकता है और इस गुरु के मार्ग पर चलने से जीवन में शांति और समृद्धि आ सकती है। कार्यक्रम में विभिन्न वरिष्ठ गुरू भाई-बहनों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने भजन प्रस्तुत कर शिव शिष्य होने के महत्व पर प्रकाश डाला और लोगों को गुरु के प्रति समर्पण की प्रेरणा दी। भक्ति और शिव के प्रति श्रद्धा से जुड़ी हुई उनकी बातें सुनकर श्रद्धालुओं का मन भक्ति में डूब गया और हर कोई शिव के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित हुआ। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। पुलिस बल के अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर निगरानी रखे हुए थे, जिससे कार्यक्रम के दौरान शांति और व्यवस्था बनी रही। इसके अलावा कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले अध्यक्ष सत्यनारायण शौंडिक, संतोष कुमार गुप्ता, राजीव कुमार, मुरारी प्रसाद, सुदय मेहता, बृजनंदन साव उर्फ बाबू भाई, शांति कुमारी, कलावती देवी, पूनम देवी, निर्मला कुमारी और अन्य आयोजकों का भी धन्यवाद किया गया। उनके अथक प्रयासों की वजह से यह आयोजन ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने शिव के भव्य मंत्रों का जाप किया और हरिंद्रानंद जी के संदेशों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

चारदीवारी निर्माण की मांग को लेकर सांसद को सौंपा मांगपत्र

काठीकुंड (नि.सं.)। चिकित्सा प्रभारी डॉ अरविंद कुमार दास के नेतृत्व में सीएचसी काठीकुंड के स्वास्थ्यकर्मियों ने बुधवार को शिवतल्ला स्थित सांसद आवास पहुंचकर दुमका सांसद नलिन सोरेन को एक मांगपत्र सौंपा।अवसर पर प्रभारी श्री दास ने सांसद को बताया कि सामुदायिक स्वास्थ केंद्र की चारदीवारी नहीं होने के कारण अस्पताल परिसर नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है।परिसर के अंदर दिन-रात अड्डेबाजी के साथ ही जुआं खेलते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है।महिला स्वास्थ कर्मियों ने मौक़े पर मौजूद जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा को बताया कि इस प्रकार के माहौल के कारण सभी महिला व पुरुष कर्मी असहज महसूस करते है।आवारा पशु व स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अस्पताल परिसर के अंदर पालतू पशुओं को बांध देने के कारण अस्पताल परिसर में गंदगी फैलती रहती है।बारिश के समय अस्पताल के मुख्य द्वार पर जलजमाव से होने वाली परेशानी को लेकर पेबर ब्लॉक सड़क के निर्माण की अपील सांसद से की।

राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ ने किया मंत्री के रूप में अपने अध्यक्ष का अभिनंदन

निज संवाददाता | गोड्डा

झारखंड राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ ने बुधवार को झारखंड सरकार के मंत्री और गोड्डा विधायक संजय यादव का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस अवसर पर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष और गोड्डा जिलाध्यक्ष सुरजीत झा ने बताया कि यह अभिनंदन समारोह राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ के महासचिव और राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त क्रिकेटर मनीष कुमार सिंह की उपस्थिति में आयोजित किया गया। मनीष कुमार सिंह ने मंत्री संजय यादव को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने मंत्री महोदय के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि गोड्डा जिले में आयोजित ईस्ट जोन क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन एक ऐतिहासिक क्षण था। इस प्रतियोगिता में झारखंड समेत छह राज्यों ने हिस्सा लिया था, और इसकी भव्यता की आज भी सभी राज्य चर्चा करते हैं।

मनीष कुमार सिंह ने कहा कि संजय यादव के मंत्री बनने से राज्य के दिव्यांग खिलाड़ियों के दिल में एक नई उम्मीद की लौ जल उठी है। संजय यादव के नेतृत्व में दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए राज्य में एक नया सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है, जिससे उन्हें खेलों के प्रति अपनी उम्मीदों को पंख लगाने का अवसर मिला है। मंत्री महोदय की इस पहल से न केवल दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिला है, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देने वाला कदम साबित हुआ है।

इस अभिनंदन समारोह में मंत्री संजय यादव ने संघ के सभी सदस्य और खिलाड़ियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए झारखंड सरकार हमेशा तत्पर रहेगी और उनकी बेहतरी के लिए हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन होते रहेंगे, जिससे राज्य के दिव्यांग खिलाड़ी और भी आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर संघ के कई अन्य पदाधिकारी और खिलाड़ी भी मौजूद थे, जिन्होंने मंत्री महोदय के कार्यों की सराहना की और उनके नेतृत्व में राज्य के दिव्यांग क्रिकेट को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई। समारोह का समापन मंत्री महोदय के प्रेरणादायक शब्दों से हुआ, जिसमें उन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने और समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस बताकर बाइक छीनने वाला स्टेशन से पकड़ाया

धनबाद, एजेंसी। धनबाद पुलिस बताकर कोयला ले जा रहे गोधर काली बस्ती निवासी नितेश कुमार से बाइक छीनने वाले युवक को पुलिस ने स्टेशन रोड से धर दबोचा। नितेश ने बताया कि नौ जनवरी को इस युवक ने कोर्ट मोड़ के पास खुद को पुलिस बता कर उसकी बाइक, पैसे, मोबाइल समेत अन्य सामान छीन लिए थे। घटना के बाद उसने शिकायत धनबाद थाने में की थी। मंगलवार को जब वह स्टेशन से गुजर राह था तो उसी युवक को देखा। नितेश ने तत्काल धनबाद पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को पकड़ लिया। फिलहाल धनबाद थाने में उससे पूछताछ की जा रही है।

कार्मेल की प्रिंसिपल पर कार्रवाई के लिए अभिभावकों का धरना

धनबाद, एजेंसी। धनबाद, प्रमुख संवाददाता कार्मेल स्कूल डिगवाडीह की प्रिंसिपल पर कार्रवाई की मांग पर अभिभावक महासंघ ने मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया। इस दौरान संघ के अध्यक्ष पप्पू सिंह 12 घंटे भूख हड़ताल पर बैठे रहे। प्राचार्य के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने से नाराज अभिभावक संघ ने कहा कि जांच के नाम पर सिर्फ लीपापोती की गई।

पप्पू सिंह ने कहा कि कार्मेल की प्राचार्य के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करना चाहिए। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने से अभिभावकों में आक्रोश है। जांच के नाम पर सिर्फ खानापूरी की गई है। स्कूल की बच्चियों को न्याय मिलने तक अभिभावकों का आंदोलन जारी रहेगा। महासचिव मनोज मिश्रा ने कहा कि पूरे मामले की जांच बिना किसी दबाव में की जाए। जांच में दोषी पाए जाने पर राज्य सरकार कार्मेल स्कूल को दिया गया अनापत्ति प्रमाणपत्र को वापस ले। वरीय उपाध्यक्ष मुकेश पांडेय ने कहा कि कार्मेल स्कूल की घटना समाज के लिए एक काला धब्बा है। प्राचार्य के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करना चाहिए और तत्काल उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए। उपाध्यक्ष कुमार मधुरेंद्र सिंह ने कहा कि महासंघ अभिभावकों के साथ है। इस मामले में कुछ अभिभावक समझौता कर रहे हैं, जो गलत है। मीडिया प्रभारी रतिलाल महतो ने कहा कि अगर छात्राओं को न्याय देने में प्रशासन असफल रहा तो अभिभावक महासंघ चरणबद्ध तरीके से आंदोलन चलाएगी। उदय प्रताप सिंह, दिलीप सिंह, प्रेम ठाकुर, संतोष कुशवाहा, रामप्रवेश शर्मा, हीरालाल महतो, घनश्याम महतो, तारकेश्वर तिवारी, श्रीकांत रक्षित, रमेश कुमार, धर्मा प्रसाद गुप्ता, रामेंद्र कुमार, धर्मा प्रसाद गुप्ता, कुल्लू चौधरी, विशाल महतो, विकास यादव, शंकर पांडेय, उपेंद्र सिंह, रामदहीन राय आदि मौजूद थे। कार्मेल विवाद में मंगलवार को झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम धनबाद पहुंची। धनबाद सर्किट हाउस में एसडीओ राजेश कुमार, सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी, डीसीपीओ साधना कुमारी, कार्यापालक दंडधिकारी व जोड़ापोखर थानेदार सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कार्मेल स्कूल गई जांच टीम से बातचीत कर वहां घटित घटना व वर्तमान परिस्थितियों के बारे में जाना। जांच टीम ने आयोग के समक्ष डीवीआर जांचने की बात कही। कहा कि ऐसी कोई आपत्तिजनक चीजें नहीं मिलीं। छात्राओं व अभिभावकों ने दो शर्ट लाने की बात कही थी। एक छात्रा जिसने आपत्ति जताई, उसने हाइनेक का ईनर पहना था। झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम बुधवार को स्कूल जाएगी और पड़ताल करेगी।

बैजनाथ उपाध्याय की माता के निधन पर शोक व्यक्त

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर के गोलमुरी मंडल अध्यक्ष अधिवक्ता बैजनाथ उपाध्याय (पप्पू उपाध्याय) की माता आशा देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।अपने शोक संदेश में दास ने कहा कि आशा देवी का निधन हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका सादा जीवन और समाज के प्रति समर्पण प्रेरणादायक था। इस कठिन समय में मैं उपाध्याय परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति और परिवार को इस असीम दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। इस दुखद घटना से भाजपा कार्यकर्ताओं में भी शोक की लहर है। पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं ने भी उपाध्याय परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है।

बैंक खाता आधार से नहीं जुड़ा होने के कारण नहीं निकल रहा मंईयां सम्मान का पैसा

अधिकारियों ने बताई अंदर की बात

रंका (गढ़वा), एजेंसी। मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिलने से परेशान दर्जनों की संख्या में लाभुक प्रतिदिन प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रही हैं। अब उन्हें सम्मान राशि नहीं मिल पाने की वजह अधिकारियों ने बताई है। अधिकारियों ने बताया कि आखिर क्यों नहीं निकल रहे पैसे

प्रखंड कार्यालय में प्रतिनियुक्त कर्मी से जब इस मामले में पूछा जाता है तो वे सरकार द्वारा साइट बंद कर दिए जाने की बात कहते है।

स्टेटस रिपोर्ट पता नहीं चल पा रहा है। वहीं, कई लाभुकों का बैंक खाता आधार से नहीं जुड़ा होना तथा कई अन्य लाभुकों का अकाउंट इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक का होने के वजह से सम्मान राशि नहीं मिल पाना वजह बताया गया है। जबकि फार्म जमा करते समय सभी मानदंड को पूरा करने के बाद ही आवेदन जमा किया गया था।

सोमवार को प्रखंड कार्यालय पहुंची दुधवल गांव की सुरेखा देवी,अजंती देवी रिंकी देवी, कटरा गांव की रंजू देवी, कंचनपुर की सुनीता देवी,सेमरखाड़ गांव की कुसुम देवी,सिकट गांव की रीता देवी,शिवनाला की बिदवंती देवी, ज्ञांति देवी, खुशबू कुमारी तथा प्रमीला

देवी ने बताया कि रंका प्रखंड में मंईयां सम्मान योजना के तकरीबन 17हजार लाभुक हैं। जिनमें महज 25 फीसदी महिलाओं के खाते में मंईयां सम्मान योजना की राशि सरकार द्वारा भेजी गई है।

बिरनी के बीडीओ फणीश्वर रजवार ने मंइयां सम्मान योजना का लाभ लेने से वंचित महिलाओं को लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि 40783 लाभुकों ने आवेदन दिया था।

इनमें 37167 आवेदनों को स्वीकृति दे दी गई है। जबकि अब मात्र 3376 आवेदन विभिन्न कारणों से लंबित है। इसका निष्पादन शीघ्र किया जाएगा। कहा कि फिलहाल साइट नहीं खुल रहा है। इसी कारण दिक्कत हो रही है। साइट खुलते ही लंबित आवेदन का भी निष्पादन किया जाएगा। कहा कि विभिन्न कारणों से रद हुए आवेदनों का निष्पादन करने को प्रखंड कार्यालय में एक शिकायत निवारण केंद्र खोला गया है।

तीन कर्मियों का प्रतिनियोजन भी किया जा चुका है। ये कर्मी प्रखंड क्षेत्र से आने वाली मंइयां सम्मान योजना के लाभुकों के आवेदनों की त्रुटि में सुधार करेंगे।उन्होंने क्षेत्र वासियों से अपील की कि अपने पास-पड़ोस में अगर इस तरह का कोई योग्य लाभुक है तो तो उसे प्रखंड कार्यालय में हेल्प डेस्क भेजें। इस कार्य के लिए कोई बिचौलियों का सहारा नहीं लें। बीडीओ ने बताया की बिचौलिया और दलाल के चक्कर में कोई नही पड़ें। स्वयं हेल्प डेस्क से संपर्क कर जानकारी प्राप्त करें।

लोहरदगा के कुडू बस स्टैंड में चली गोली, एक अपराधी घायल

लोहरदगा, एजेंसी। लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र के कुडू बस स्टैंड में मंगलवार को दिनदहाड़े गोली चलने का मामला प्रकाश में आया है। पूर्व पंचायत समिति सदस्य संतोष मांझी उर्फ मंगलू के गवाह को मारने आये दो अपराधियों में एक अपराधी के हाथों चली गोली से दूसरा अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गया है। दूसरे अपराधी को ग्रामीणों ने पकड़ते हुए जमकर पिटाई की। इसके बाद पुलिस को सौंप दिया है। गोली दूसरे अपराधी की कनपटी में लगीं हैं तथा रांची रिम्स में जीवन और मौत से लड़ रहा है। पुलिस पकड़े गए अपराधी से पुछताछ कर रहीं हैं। अपराधियों के पास से दो लोडेड नाइन एमएम पिस्टल तथा एक खोखा बरामद किया है। बताया जाता है कि चार फरवरी 2024 को कुडू के पूर्व पंचायत समिति सदस्य (पंसस) संतोष मांझी उर्फ मंगलू की कुडू बाजारटांड़ में गोली मारकर हत्या कर दिया गया था। घटना में शामिल सभी अपराधी जमानत पर बाहर निकले हुए हैं तथा घटना में शामिल अपराधियों का लोहरदगा न्यायालय में ट्रायल चल रहा है। इसी मामले में संतोष हत्याकांड के गवाह मृतक संतोष मांझी उर्फ मंगलू का भाई संतु पासवान कि गवाही होने वालीं है। मंगलवार को दो अपराधी एक अपाची बाइक में सवार होकर बस स्टैंड पहुंचे तथा गवाह संतु पासवान को लक्ष्य करके गोली चला दी।

रांची से प्रयागराज महाकुंभ के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें, 19 जनवरी से होगी शुरुआत

रांची, एजेंसी। प्रयागराज महाकुंभ-2025 को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। देश और दुनिया के कोने-कोने से आस्था की डुबकी लगाने के लिए लोग यहां पहुचं रहे हैं। अब रेलवे ने झारखंड के लोगों के लिए भी खुशखबरी दी है। रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। इन ट्रेनों की शुरुआत रांची मंडल के रेलवे स्टेशनों से प्रयागराज के लिए होगी। पहली ट्रेन 19 जनवरी को रांची से निकलेगी। आइए जानते हैं रांची के किन-किन स्टेशनों से प्रयागराज महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेन मिल जाएगी।

बीते दिनों सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। सेठ ने वैष्णव से मुलाकात में रांची मंडल से प्रयागराज महाकुंभ के लिए ट्रेनें चलाने के लिए आग्रह किया था। उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए रेल मंत्री ने 10 स्पेशल ट्रेनों को चलाने का ऐलान किया है। ये ट्रेनें रांची से चलकर प्रयागराज तक पहुंचेंगी और लोगों को संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए मदद करेंगी।

रांची-टुंडला 08067/08068 कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी को रांची से निकलेगी और अलग-अलग स्टेशनों से होते हुए प्रयागराज पहुंचेगी। रेलवे ने बताया कि इसमें स्लीपर, एसी के साथ ही जनरल डिब्बे भी होंगे।

भुवनेश्वर-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल 08425 रांची से 22 जनवरी को निकलेगी और प्रयागराज पहुंचेगी। इसके बाद इस ट्रेन का संचालन अगले महीने भी किया जाएगा। यह ट्रेन फरवरी में 5,19 और 25 तारीख को भी रांची से प्रयागराज महाकुंभ के लिए चलेगी। टुंडला-भुवनेश्वर कुंभ मेला स्पेशल 08426 ट्रेन 21, 24 जनवरी को चलाई जाएगी। इसके अलावा इसे 28 फरवरी को एक बार फिर से रांची से चलाया जाएगा।

टिटिलागढ़-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल 08314 16 और 23 जनवरी को चलेगी। इसके अलावा यह ट्रेन 6,20 और 25 फरवरी को भी प्रयागराज महाकुंभ के लिए चलेगी। टुंडला टिटलागढ़ 08313 18, 25 जनवरी को और फरवरी में 8 और 22 को चलेगी। इसके अलावा तिरुपति-बनारस 07107 भी चलेगी। इसकी शुरुआत 18 जनवरी को होगी। इसका संचालन फरवरी महीने में 8, 15 और 22 फरवरी को भी किया जाएगा।

बनारस-विजयवाड़ा 07108 महाकुंभ स्पेशल की शुरुआत 20 जनवरी से होगी। फरवरी में इसका संचालन 10, 17 और 24 को किया जाएगा। इसके साथ ही नरसापुर-बनारस 07109 का संचालन 26 जनवरी और 2 फरवरी को किया जाएगा। रेलवे ने बताया कि बनारस-नरसापुर 07110 प्रयागराज महाकुंभ स्पेशल ट्रेन का संचालन 27 जनवरी और 3 फरवरी को किया जाएगा।

जनता को समर्पित होगा बजट, प्रदेशवासियों को मिलेगा सीधा लाभ : इरफान

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड का आगामी बजट राज्य की जनता को समर्पित होगा। इस बजट में आम जनता, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य की जनता ने बहुत सहा है, अब उन्हें उनका अधिकार और सुविधाएं मिलनी चाहिए। मंत्री ने बताया कि सभी सांसदों एवं विधायकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों पर आधारित सुझाव दें, ताकि बजट को जनहितकारी और प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने झारखंड में लूट की संस्कृति फैलाई थी, जिसे पूरी तरह समाप्त कर प्रदेश में पारदर्शी शासन स्थापित किया जाएगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को नेपाल हाउस स्थित सचिवालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक अबु इमरान समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्री ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को व्यापक और प्रभावी तरीके से सुधारना है।

सरकारी अस्पतालों का होगा आधुनिकीकरण

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस कर मल्टी-स्पेशियलिटी सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। हर जिले में कम से कम एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत आवश्यक उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टर और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति होगी। स्वस्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव है। इसके तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी। हर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित किए जाएंगे। विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ग्रामीण जनता को समय पर उचित इलाज मिल सके।

तीन वर्ष पुराने कर्मियों-अधिकारियों का स्थानांतर अनिवार्य: बैठक में मंत्री ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग में तीन वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मियों एवं पदाधिकारियों का स्थानांतरण अनिवार्य होगा। इससे विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी। जो भी स्वास्थ्यकर्मी या अधिकारी ईमानदारी और समर्पण से कार्य करेंगे, उन्हें विभागीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इससे कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा। मंत्री ने अपर मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि जो भी कर्मचारी या अधिकारी अपने कार्य में लापरवाही बरतेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोई भी लापरवाही जनता की स्वास्थ्य सेवा में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड को स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और मॉडल राज्य बनाना है। इसके लिए स्वास्थ्य सेवा केवल इलाज तक सीमित नहीं होगी, बल्कि रोकथाम, जागरुकता और स्वास्थ्य शिक्षा पर भी बल दिया जाएगा।

गिरिडीह एसपी ने रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए निर्देश

गिरिडीह, एजेंसी।

जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने सोमवार की देर रात कई थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए।इस दौरान एसपी ने बरकट्ठा ओपी, सरिया थाना, घोड़थम्बा ओपी, परसन ओपी, डुमरी थाना, देवरी थाना, बिरनी थाना, द्वारपहरी, गांडेय थाना, धनवार थाना, पचंबा थाना और कबरीडीह इलाके का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं नाईट पेट्रोलिंग का जायजा लिया। एसपी के देर रात निकलने की जानकारी मिलते ही पूरे जिले की पुलिस अलर्ट मोड पर आ गयी है और जांच अभियान तेज कर दिया। एसपी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था पर हमारी पैनी नजर है। लगातार जिले की सुरक्षा का जायजा लिया जा रहा है ताकि कानून और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

नेता शपथ पत्र दें, खाली जमीन की नहीं कराएंगे घेराबंदी : सरयू

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने 2025 के अपने एजेंडे को साफ कर दिया है, जबकि 2024 में विधायक रहते हुए किये कार्यों का लेखा-जोखा भी दिया। विधायक सरयू राय ने सोमवार को बिष्टूपर स्थित आवासीय कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कदमा केडी फ्लैट से रास्ता निकालने के लिए टाटा स्टील से बातचीत हुई है और इसका परिणाम जल्द सामने आएगा। उन्होंने कचरा की समस्या के बारे में भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील क्वार्टर तोड़ रहा, खाली जमीन की घेराबंदी की जा रही है। यदि टाटा स्टील खाली जमीन पर उद्योग लगाता है तो शहर जीवित हो उठेगा।

सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर पूर्वी में तीन साल ही काम कर पाए। दो साल कोरोना में बित गया। तीन साल में जितना काम हुआ, वह संतोषजनक रहा। भुइयांडही लाल भट्ठा एरिया में पानी की व्यवस्था की। बिरसानगर में सड़क बनवाई। टाटा स्टील से पानी देने की व्यवस्था शुरू कराई। जेम्को में शवदाह गृह बनवाया। मोहरदा में करीब 6 हजार नए कनेक्शन देने का काम हुआ। मालिकाना हक को लेकर जो गलतियां हुई थी, उसे दूर किए बगैर मालिकाना हक की समस्या का हल नहीं हो सकता है। विधायक ने कहा कि मानगो नगर निगम तो बन गया, लेकिन उसका अपना कार्यालय नहीं बन पाया। कचरा निष्पादन का रास्ता नहीं निकल सका। नतीजा मामले में हलफनामा देने के बावजूद सोनारी में ही डंपिंग होती रही।

पुरुषों के खाते में कैसे पहुंची मंईयां सम्मान योजना की राशि सामने आया झोल, कंप्यूटर ऑपरेटर की डील ने सबको चौंकाया

खरौंधी (गढ़वा), एजेंसी। मंईयां सम्मान योजना में एक बड़ा खेल सामने आया है। दरअसल, गढ़वा के खरौंधी प्रखंड में ब्लॉक के कंप्यूटर ऑपरेटर ने खेल कर दिया है।

बताया जा रहा है कि जब मंईयां सम्मान योजना का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा था। उसी समय पंचायत कार्यालय में लगे कुछ कंप्यूटर ऑपरेटरों ने चंद पैसे की लालच में जिन महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया।

उसमें उसने अपने जान-पहचान के लोगों के बैंक खाता संख्या भी डाल दिया। कंप्यूटर ऑपरेटर की इस एक गलती के कारण एक ही महिला के बैंक खाता में आठ-आठ लाभुकों का पैसा जा रहा है।

इतना ही नहीं, कंप्यूटर ऑपरेटर की इस करतूत से एक पुरुष के खाते में भी आधा दर्जन महिला लाभुकों का पैसा जा रहा है।

इसके कारण लाभुक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन तो हुआ, परंतु उनके खाता में राशि नहीं आ रही है। इसको लेकर महिला लाभुक प्रखंड कार्यालय पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन चेक कराने के लिए लगातार चक्कर लगा रही हैं।

बताया जा रहा है कि इस प्रकार खरौंधी प्रखंड में बड़ी संख्या में महिला लाभुक हैं। जिनका नाम मंईयां सम्मान योजना में रजिस्टर्ड हुआ है, लेकिन उनके बैंक खाता में पैसा नहीं पहुंचा है।

जानकारी के अनुसार, फिलहाल प्रखंड के एक पंचायत में इस प्रकार का मामला सामने आया है। लोगों का कहना है कि अगर इसकी निष्पक्ष जांच हो तो प्रखंड में इस प्रकार के चौंकाने वाली संख्या सामने आएंगी। कूपा पंचायत के सत्यनारायण गुप्ता नाम के एक व्यक्ति के बैंक खाते में छह महिलाओं की राशि जा रही है।

जानकारी मिल रही है कि सत्येंद्र साह के खाते में एक महिला, मुकेश साह के खाते में एक महिला लाभुक की राशि, लालती देवी के खाते में गांव की आठ महिला लाभुकों की राशि जा रही है।

इसके अलावा, रेशम देवी के बैंक खाते में कूपा गांव की ही सुनीता देवी, रानी कुमारी, देवंती देवी, पुनीता देवी, चानी कुमारी और सविता देवी का पैसा जा रहा है।

पूछे जाने पर उक्त सभी महिला लाभुकों का कहना था कि जब हमारे खाते में पैसा आता है तो उन्हें कंप्यूटर ऑपरेटर को प्राप्त राशि का आधा पैसा देना पड़ता है।

कुपा गांव से कुछ लाभुकों ने इस मामले को सामने लाया है। इसकी जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।-रवींद्र कुमार, बीडीओ खरौंधी।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा मामले में झारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई पांच फरवरी को

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सीबीआई को मामले में दायर आरोप पत्र को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया। इससे पूर्व सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में रांची की सीबीआई की अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच फरवरी तय की है। पिछली सुनवाई में खंडपीठ ने सीबीआई को जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय गड़बड़ी से संबंधित केस नंबर आरसी 5/2012 और आरसी 6/2012 के अनुसंधान की स्थिति पर जवाब मांगा था। जेपीएससी प्रथम परीक्षा गड़बड़ी मामले में 4 मई को, 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें सीबीआई ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद, वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद, सदस्य राधा गोविंद नागेश, सदस्य शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी सिंह समेत 37 लोगों को आरोपित बनाया था। इनके अलावा अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी सीमा सिंह, सुषमा नीलम सोरेन, कुंवर सिंह पाहन, ज्योति कुमारी झा, अलका कुमारी, मोहनलाल मरांडी, राम नारायण सिंह, सुदर्शन मुर्मू, जेम्स सुरीन, जितेंद्र मुंडा, पूनम कच्छप, राजीव कुमार, संजीव कुमार, अनंत कुमार, परमेश्वर मुंडा, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण एवं विजय वर्मा को आरोपित बनाया है।वहीं, सीबीआई ने जेपीएससी द्वितीय परीक्षा गड़बड़ी मामले में केस नंबर आरसी 6/2012 में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद समेत 70 आरोपितों के खिलाफ सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। झारखंड में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी की जांच का आदेश झारखंड हाई कोर्ट ने साल 2012 में सीबीआई को दिया था। 12 साल से अधिक समय तक सीबीआई ने की मामले की अनुसंधान पूरी कर दोनों मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया है। दरअसल, बुद्धदेव उरांव ने जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षा में अंको की हेराफेरी और रिजल्ट प्रकाशन में गड़बड़ी की जांच सीबीआई से कराने का आग्रह किया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

बेटियों का हक पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सराहनीय

हालांकि एक सभ्य समाज में बेटे और बेटी के अधिकारों में अंतर का सवाल नहीं उठना चाहिए, लेकिन कई वजहों से जड़ जमा चुके पूर्वाग्रहों की वजह से आमतौर पर बेटियों को कई स्तर पर समझौता करना पड़ता है। ऐसी स्थिति की मुख्य वजह पारंपरिक धारणाओं के प्रति ज्यादातर लोगों की सहजता होती है, जिसमें बेटियां अपने हक के प्रति उदासीन रहती हैं या फिर वंचित रह जाती हैं। फिर किन्हीं कारणों से माता-पिता के अलग हो जाने की स्थिति में भी बेटी की पढ़ाई-लिखाई सिर्फ खर्च पूरा नहीं हो पाने की वजह से बाधित हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के बाद इसी मसले पर एक तरह से स्थिति स्पष्ट की है। अदालत ने छब्बीस वर्ष से अलग रह रहे दंपति के मामले में कहा कि बेटियों को अपने अभिभावकों से शिक्षा संबंधी खर्च मांगने का पूरा अधिकार है और जरूरत पड़ने पर माता-पिता को कानूनी तौर पर बाध्य किया जा सकता है कि वे बेटी की पढ़ाई-लिखाई के लिए जरूरी धन दें। बेटी को ये पैसे रखने का अधिकार है और यह रकम उसे अपनी मां या पिता को लौटाने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे मामले अक्सर देखे जाते रहे हैं जिनमें परिवारों में अगर संपत्ति के बंटवारे की स्थिति आती है तो जितने हिस्से पर बेटों का सहज हक माना जाता है, उतने के लिए बेटियों को अलग से प्रयास करना पड़ता है। विडंबना यह है कि अगर किसी परिवार में माता-पिता को शिक्षा पर खर्च के मामले में बेटी या बेटे में से किसी एक को ही चुनने का विकल्प हो तो वे आमतौर पर बेटे को प्राथमिकता देते हैं। अगर कभी बेटी को उनका हिस्सा दिया जाता है तो उसे समाज में विशेष रूप से दी गई सुविधा की दृष्टि से देखा जाता है। जबकि सामाजिक बराबरी के सिद्धांत से लेकर कानूनी स्थिति तक के लिहाज से बेटियों को उनके माता-पिता की संपत्ति में बराबर का हिस्सा होना चाहिए और इसे लेकर लोगों को सहज रहना चाहिए। खासतौर पर पालन-पोषण और पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अन्य जरूरी खर्च के मामले में माता-पिता की आर्थिक सीमा में बेटियों को उनसे अपना खर्च लेने का अधिकार होना चाहिए।

भगदड़ हादसा और धार्मिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण की लापरवाही

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि ऐसे उपाय किए जाएं, ताकि दोबारा उसी तरह के हालात पैदा न हों। मगर धार्मिक स्थलों पर या ऐसे आयोजनों में जमा होने वाली भीड़ और उसके प्रबंधन को लेकर अक्सर इस हद तक लापरवाही बरती जाती है कि बार-बार भगदड़ की वजह से लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। गौरतलब है कि तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर परिसर में बुधवार को मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को कुरेद दिया है। यह आमतौर पर देखा गया है कि किसी खास आयोजन की तैयारी तो कर ली जाती है, लेकिन भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के उपाय पहले से नहीं किए जाते। तिरुपति में भी ऐसा ही हुआ। वहां टोकन लेने के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े और देखते ही देखते अफरा-तफरी मच गई। उसके बाद मची भगदड़ में छह लोगों की जान जाने की खबर आई। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए कारगर तैयारी की गई होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। सवाल है कि इस हद तक बरती गई लापरवाही की वजह से जो हुआ, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा! यह विचित्र है कि धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ मचने की स्थिति में उसमें फंसे श्रद्धालुओं को शीघ्रता से बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रबंध नहीं किया जाता। जबकि विशिष्ट अतिथियों को किसी भी प्रतिकूल स्थिति से बचाने के लिए उनके आने और जाने का अलग इंतजाम होता है। पिछले कुछ समय से इस तरह के आयोजनों में भीड़ के बेकाबू हो जाने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। कई राज्यों में हुए ऐसे कई हादसों में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। मगर ऐसी घटनाओं को रोकने को लेकर न तो कभी गंभीरता से विचार होता है, न कभी कोई ऐसी कार्रवाई होती है, जो आगे के आयोजनों के लिए सबक सिद्ध हो। ज्यादातर जांच रपटों में इसकी वजह भीड़ बताई जाती है, जबकि कुप्रबंधन का तथ्य आमतौर पर छिपा लिया जाता है। शायद ही कभी ऐसी भगदड़ और उसमें लोगों की मौत के लिए आयोजकों की जवाबदेही तय की जाती है और प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

दिल्ली के चुनाव 'आप' के लिये परीक्षा की घड़ी

(ललित गर्ग)

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है। कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को पाने की जद्दोजहद में जुटी है। सबसे दिलचस्प एवं रोमांचक इस चुनाव में देखना है दिल्ली की जनता किसके सर पर ताज पहनाती है? चुनाव की घोषणा से पहले ही तीनों राजनीतिक दल आम मतदाता को लुभाने के लिये तरह-तरह की घोषणाएं करते हुए जनता से मुखातिब हो रहे हैं, जनता के बीच जा रहे हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं। 'आप' तमाम तरह की संकट एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बावजूद मजबूती बनाये हुए है, क्योंकि आप-सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, जैसेकि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक और मुफ्त बिजली, साथ ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और वरिष्ठ नागरिकों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराना उसकी ताकत बनी हुई है। नयी घोषणाओं के साथ वह अपनी इस ताकत को बढ़ाते हुए 'आप' ने महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने देने, बुजर्गों को फ्री इलाज, ऑटो चालकों को 10 लाख का बीमा देने, पंडितों एवं ग्रंथियों को 18 हजार प्रतिमाह जैसी कई योजनाओं का ऐलान किया है, जो पूरे चुनाव का रुख मोड़ सकती हैं। 'रेवड़ी पर चर्चा' जैसी मुहिम से 'आप' हर वोटर के घर तक पहुंच रही है। पब्लिक को बार-बार याद दिला रही है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। लेकिन 'आप' के खिलाफ सरकार में 10 साल रहने की वजह से सत्ता विरोधी लहर काफी बढ़ गई है। कई वोटर बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। दिल्ली का विकास अवरुद्ध है, वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं की भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी हुई है। 'शीश महल' विवाद ने अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पार्टी की साफ सुथरी छवि धूमिल हुई है। इसके अलावा मतभेद की वजह से कई नेता छोड़ गए, इससे केजरीवाल की जीत की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। लगता है कि 'आप' की उलटी गिनती तो शुरु हो गयी है, देखना है वह कहां जाकर रूकती है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी रोचक होने जा रहा है क्योंकि इसके नतीजे राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करेंगे और सबसे ज्यादा, आम आदमी पार्टी के भविष्य को तय करेंगे। दिल्ली की यह चुनावी लड़ाई इस मायने में खास नहीं कही जाएगी।

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार सिर्फ़ 49 दिनों तक चल पाई। अरविंद केजरीवाल ने फ़रवरी 2014 में ये कहते हुए इस्तीफ़ा दे दिया कि दिल्ली विधानसभा में संख्या बल की कमी की वजह से वो जन लोकपाल बिल पास कराने में नाकाम रहे हैं, इसलिए फिर से चुनाव बाद पूर्ण जनादेश के साथ लौटेंगे। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए 'आप' ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। वर्ष 2020 में भी आप ने जीत का कीर्तिमान बनाते हुए 62 सीटें जीती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफ़ी रोचक होने वाला है लेकिन यह 'आप' के लिये चुनौतीपूर्ण होने के साथ संकटपूर्ण है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर भाजपा केजरीवाल को घेरने की पुरज़ोर कोशिश कर रही है। आप को भाजपा ही नहीं, कांग्रेस से भी बड़ा खतरा है। भाजपा ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोलते हुए उसे दिल्ली के लिये 'आप-दा' यानी बड़ा संकट कह दिया है। आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, एलजी ऑफिस के साथ टकराव और कई अन्य फैसले 'आप' की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता को नुकसान पहुंचा रहे हैं। दिल्ली विधानसभा का चुनाव इसलिए ज्यादा ही महत्वपूर्ण है कि इसका असर राष्ट्रव्यापी होता है। दिल्ली सरकर की सांविधानिक शक्तियां भले ही सीमित हों, मगर राष्ट्रीय मीडिया के केंद्र में होने के नाते इसके नेताओं को तुरंत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बन जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि दिल्ली को एक मॉडल स्टेट बनना चाहिए था, मगर न यह विकास का मॉडल बन सका और न ही सुचारू सुशासन प्रणाली का। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था एवं विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी की दुर्दशा एवं ठहरा हुआ विकास एक बदनुमा दाग है, विडंबना यह है कि इसके लिए 'आप' सरकार दोषी होते हुए भी क्या आम जनता की अदालत में दोषी साबित होगी? भाजपा, कांग्रेस और आप तीनों के लिए यह विधानसभा चुनाव करो या मरो की स्थिति वाला है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों से केंद्र में सरकार बनाने वाली और दिल्ली की सभी संसदीय सीटें लगातार जीतने के बावजूद भाजपा पिछले 26 वर्षों से राजधानी की सत्ता से दूर है। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम में दशकों से कायम उसकी सत्ता भी छिन चुकी है। ऐसे में इस टीस को वह इस विधानसभा चुनाव में जरूर दूर करना चाहेगी और इसके लिये उसकी तैयारी ही केजरीवाल के लिये संकट का बड़ा कारण है।

दिल्ली में सबकी प्रतिष्ठा दांव पर

(शशि शेखर)

आप दिल्ली के चुनाव को कैसे देखते हैं? केंद्र शासित राज्य होने के नाते क्या यह अधूरे हक-हुकूक की लड़ाई है? अगर ऐसा है, तो फिर इतना 'हाई वोल्टेज ड्रामा' क्यों? जवाब साफ है। भारतीय राजनीति ऋजु रेखाओं से उपजी कोई ज्यामितिक अवधारणा नहीं, बल्कि वक्र रेखाओं का अनंत अबूझमाड़ है। दिल्ली का विधानसभा चुनाव इस मायने में अनोखा है कि यह तीन राष्ट्रीय दलों के लिए नाक की लड़ाई बन गया है। कैसे? सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी से आरंभ करते हैं। भारतीय राजनीति में किसी धूमकेतु की तरह प्रकट हुए अरविंद केजरीवाल अपने पहले ही चुनाव में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जा विराजे थे। वह सरकार उन्होंने उस कांग्रेस के सहयोग से गठित की थी, जिसके कथित भ्रष्टाचार के विरोध में उन्होंने लंबा आंदोलन किया था। सरकार बनाने वाले और सरकार बनवाने वाले, दोनों जानते थे कि बेर-केर के इस संग को लंबा नहीं खींचा जा सकता। नतीजतन, कुछ ही महीनों में मध्यावधि चुनाव हुए और इस बार आम आदमी पार्टी ने बहुमत की सरकार बनाई। अगला यानी तीसरा चुनाव भी उसने मजबूती से जीता। केजरीवाल लगातार चौथी बार हुकूमत कायम करने के इरादे से एक बार फिर मैदान में हैं। आप के इन 12 सत्ता-वर्षों के दौरान यमुना में न जाने कितना जल बह चुका है। आम आदमी पार्टी वर्ष 2022 में गुजरात विधानसभा की चुनावी लड़ाई में 12.92 फीसदी वोट जुटाकर राष्ट्रीय पार्टी का गौरव हासिल कर चुकी है। पंजाब में उसकी स्पष्ट बहुमत की सरकार है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को छोड़ दें, तो यह अकेली विपक्षी पार्टी है, जिसकी दो सूबों में सरकार है। ये तथ्य उन लोगों के लिए खुशनुमा हैं, जो गैर-कांग्रेस और गैर-भाजपा सरकार चाहते हैं। हालांकि, इनके साए में कुछ तल्ख हकीकतें भी कुलबुलाती हैं। मसलन, आप के अधिकांश संस्थापक सदस्य तितर-बितर हो चुके हैं। जो पार्टी भ्रष्टाचार के विरोध में जन्मी थी, उसके शीर्ष नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोप में महीनों जेल में गुजारने पड़े, अब भाजपा और आप इसे अपने-अपने तरीके से भुनाने में जुटी हैं। यही वजह है कि जेल से छूटते ही उन्होंने अपनी सारी ताकत जन-संपर्क में लगा दी, ताकि वह 12 वर्षों की 'एंटी इनकंबेंसी' और भ्रष्टाचार के आरोपों से जन-अदालत में छुटकारा पा सकें। उनके लिए सिर्फ बहुमत का आंकड़ा पार कर लेना काफी नहीं है। उन्हें बड़ा अंतर भी चाहिए, ताकि उनके विधायकों को तोड़कर सरकार गिराने का खतरा न खड़ा हो सके। वह जानते हैं कि अगर वह हारते हैं, तो उनकी पार्टी पर अस्तित्व का संकट खड़ा हो सकता है। आप अगर चौथी बार दिल्ली में सरकार बना लेती है, तो केजरीवाल को अपनी महत्वाकांक्षाओं को और धार देने का अवसर मिलेगा। उस समय वह 'इंडिया' ब्लॉक और कुछ अन्य राज्यों में पैर पसारना चाहेंगे। इंडिया ब्लॉक में अभी से दिक्कतें आ रही हैं। ममता बनर्जी खुल्लमखुल्ला कांग्रेस की अगुवाई का विरोध कर चुकी हैं। शरद पवार, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल गोलमोल शब्दों में उनका समर्थन भी कर चुके हैं। अगर दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार बनाती है और कांग्रेस कुछ खास करने में नाकामयाब रहती है, तो यकीनन ममता बनर्जी के अभियान को बल मिलेगा। इसके साथ यह संदेश भी जाएगा कि राज्य-दर-राज्य चुनाव हारने वाली कांग्रेस अपनी सियासी जमीन तेजी से गंवा रही है। यह अनायास नहीं है कि दिल्ली के पिछले दो विधानसभा चुनावों में उसका एक भी प्रत्याशी जीत हासिल न कर सका। कांग्रेस के लिए यह चुनाव इस लिहाज से जीवन-मरण का मुद्दा बन जाता है। क्या कांग्रेस इसके लिए तैयार है? शुरुआती संकेत तो कतई उम्मीद नहीं जगाते। अभी तक राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा या मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक भी जनसभा दिल्ली में नहीं की है। जब जनता पर पकड़ रखने वाले अरविंद केजरीवाल और उनके साथी महीनों से मोहल्ला-दर-मोहल्ला घूम रहे हों, तब यह आश्चर्यजनक नहीं तो और क्या है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5614

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5613

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

आज का राशिफल

मेष
आज दिन शुभ है और आपको राजनीति के क्षेत्र में मनचाही सफलता मिलेगी। आपकी तरक्की के योग हैं और मान सम्मान में वृद्धि होगी। समाज के प्रति दायित्व की पूर्ति होगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको शिक्षा और प्रतियोगिता के मामले में सफलता प्राप्त होगी और धन में वृद्धि होने से मन भी प्रसन्न रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे और आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

वृष
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन कार्यक्षेत्र में सुखद बीतेगा। कहीं से कोई शुभ समाचार मिलने से आपको हर्ष का अनुभव होगा। सेहत के प्रति सावधान रहें और शाम के वक्त चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है। रात में किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने से आपको खुशी होगी और कहीं से कोई शुभ समाचार भी आपको मिल सकता है।

मिथुन
आज करियर के मामले में लाभ होगा और कहीं से कोई शुभ समाचार मिलने से आपको खुशी का अनुभव होगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें।

तुला
आज दिन शुभ है। विशेष उपलब्धि के योग हैं और आपकी आय में वृद्धि होगी। कारोबार में आय के नए स्रोत बनेंगे। आपके बात करने का तरीका सभी को पसंद आएगा। आपको विशेष सम्मान दिलायेगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

वृश्चिक
आज लाभ होगा। आपको आर्थिक मामलों में लाभ होगा और तरक्की के योग हैं। धन सम्मान यश कीर्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा-प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। शाम को प्रियजनों से भेंट होगी और मन प्रसन्न होगा। आपको सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

धनु
आज करियर धन का खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी संबंधी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं जिसमें अन्ततः आपकी विजय हो जाएगी। आपके विरोधी विफल हो जाएंगे और आपको कारोबार में धन लाभ होगा।

कर्क
आज दिन शुभ है और आपका दिन आनंद और सुकून में बीतेगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं तो इससे कुछ साथियों का मूड खराब हो सकता है। आप अपने अच्छे व्यवहार से घर के माहौल को काफी खुशनुमा बना लेंगे। रात में परिवार में किसी की सेहत बिगड़ने से आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ सकती है।

कन्या
आज उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग हैं। अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति के योग बने हैं। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी और मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। शीघ्रता व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है।

मकर
आज करियर के मामले में लाभ का दिन है। आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है और आपके लिए अधिक खर्च की स्थिति बन सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं को गंभीरता से सोच लें और अपने काम पर फोकस करें। शाम के समय सेहत में सुधार होगा और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ
आज सफलता का दिन है और आपका दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रिलैक्स होगा। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद उपयोगी सिद्ध होगी। आपके धन में वृद्धि होगी।

सिंह
आज करियर में लाभ के साथ ही सफलता प्राप्त होगी और आपका मन भी काफी प्रसन्न होगा। पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। आप सिरदर्द बने रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी। आपका दिन लाभ से भरा होगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और रुके कार्य पूर्ण होने से आपके धन में वृद्धि होगी।

मीन
आज लाभ के योग हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा और आपके लिए तरक्की के योग हैं। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी और आप अपने सभी कार्य बहुत ईमानदारी के साथ करेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें, वरना आपके सामने अचानक से कोई बड़ा खर्च आ सकता है।

वर्ग पहेली 5614

1	2		3		4		5
6					7		
8			9				
		10			11	12	13
	14			15		16	
17					18		
	19		20		21		
22			23				

संकेत: बाएं से दाएं
1. 28 अगस्त 1913 को जन्मी ये भोपाल रियासत की राजकुमारी जिन्हें भारत की पहली पायलट होना का गौरव प्राप्त है (6)
6. फैसला करने वाला, न्यायकर्ता (2)
7. न्यायालय में दिया गया प्रार्थना पत्र (3)
8. जल नितल, तलछट (2)
9. अधिकार क्षेत्र, वृत्त (3)
10. निर्णीत, निश्चय किया हुआ (2)
11. स्तुति करने वाला, प्रशंसक (3)
14. अंदाज, अनुमान, कयास (4)
16. पुरूष, मर्द (2)
17. गीष्म ऋतु में चलने वाली तप्त हवा (1)
18. 12 अगस्त 1987 को संसद में पास किए अधिनियम के अनुसार यह राज्य भारत संघ का 15 वां राज्य बन गया (2)
19. स्फूर्त, चटक, चुस्त, मुस्तैद (3)
21. नृत्य, संगीत-गीत के अनुसार अंगों का संचालन (2)
22. हरियाणा की एक प्रसिद्ध जाति (2)
23. पति, खाविंद, भूर्तिभर्ता (4)

ऊपर से नीचे
1. वर्तमान दौर का एक न्यूज चैनल (4)
2. इंद्र वज्र, मेघ विद्युत (3)
3. सुख देने वाला, नव मार्ग (4)
5. बांग्लादेश की प्रचलित मुद्रा (2)
10. किनारे पर होने या रहने वाला (4)
12. वन में विचरण करने वाला या रहने वाला, बहेलिया, व्याघ्र (5)
13. धातु या मिट्टी का बना टोंटीदार लोटा जो पूजा आदि में पयुक्त होता है (3)
15. निशाना, गंतव्य स्थान (2)
19. लंबाई की एक नाम जो 12 इंच के बराबर होती है (2)
20. फायदा, मुनाफा, परिणाम प्राप्ति (2)
21. रिश्ता, संबंध (2)

वर्ग पहेली 5613 का हल

मु	के	श			का	ति	ब
आ	ला	प	क		मा	ल	वा
य		थ	ल	प	क्षी		सी
ना	पा	क		ल			र
	क	र्ता	र		सो	फा	
आ	न		सि	त	म	ग	र
न	ज	र	क	र	ना		फू
न	र	म		ना	थ	ना	

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बदमाशों ने गार्ड को गोली मारकर कैश कलेक्शन टीम से लूटे 78 लाख; आरोपी हुए फरार

जांजगीर चांपा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ से नकाबपोश बदमाशों द्वारा एक गार्ड को गोली मारकर लूट की बड़ी घटना को अंजाम देने का मामला सामने आया है। बदमाश घटना को अंजाम देकर 78 लाख रुपए लेकर फरार हो गए हैं। घायल गार्ड को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। मामला जांजगीर के चांपा जिले के खोखरा गांव स्थित शराब की दुकान का है। गार्ड शराब की दुकान में रुपए कलेक्शन के लिए पहुंचा था। लूट की यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खोखरा में स्थित देशी शराब भट्टी के पास शाम के समय हुई। कलेक्शन टीम ने क्षेत्र की अलग-अलग शराब दुकानों से लगभग 78 लाख रुपये इकट्ठा किया था। जब टीम खोखरा शराब दुकान से कैश लेने पहुंची, तभी बाइक सवार दो बदमाश वहां आ धमके। गार्ड को निशाना बनाते हुए बदमाशों ने कट्टानुमा हथियार से फायरिंग की, जिससे गार्ड के पैर में गोली लग गई। गार्ड मौके पर ही गिर पड़ा और बदमाश वैन में रखे कैश से भरा बैग लेकर फरार हो गए। खून से लथपथ गार्ड को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही जिले में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत जिलेभर में नाकेबंदी करवाई और कई स्थानों पर चेकिंग प्वाइंट लगवाए। पुलिस की टीमें आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही हैं, ताकि लुटेरों की पहचान की जा सके। प्राथमिक जांच में पता चला है कि बदमाशों ने कट्टानुमा हथियार का इस्तेमाल किया है। शाम के समय हुई इस लूट की वारदात ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। पुलिस की टीमें बदमाशों की तलाश में जुटी हुई हैं। घटना को लेकर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। जांजगीर चांपा के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बदमाशों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। इस वारदात के बाद शराब दुकानों से कैश कलेक्शन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने का आश्वासन दिया है। फिलहाल आरोपियों का अभी कोई सुराग पुलिस को नहीं मिला है।

गायों को काटा जा रहा है, इस्तीफा देकर लड़ूंगा; उप्र के भाजपा विधायक

गाजियाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में भाजपा के विधायक नंद किशोर गुर्जर इन दिनों बेहद नाराज हैं। गाजियाबाद के लोनी और आसपास के इलाकों में गोकशी का आरोप लगाते हुए वह पुलिस अधिकारियों पर भड़के हुए नजर आते हैं। नंद किशोर गुर्जर ने एक बार फिर अधिकारियों को चेतावनी देते हुए यहां तक कहा कि ऐसा हाल रहा तो वह विधायकी से इस्तीफा दे देंगे और पद मुक्त होकर लड़ाई लड़ेंगे। गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी में गौवंश के अवशेष पाए जाने के बाद गुर्जर मौके पर पहुंचे थे। यहां वह पुलिसकर्मियों से सवाल-जवाब करते नजर आए। गुर्जर ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा, लगता है गाजियाबाद के एक बड़े अधिकारी ने तय कर लिया है कि समाजवादी का एजेंट बनकर माननीय मुख्यमंत्री जी की छवि खराब करके रहेंगे क्योंकि इनके लिए जनपद में अब गौमाता की हत्या, तस्करी कोई मायने नहीं रखती और यह घटनाएं अब गाजियाबाद की दिनचर्या में शामिल हो गई है। क्योंकि गाजियाबाद के साहिबाबाद में बड़े नेताओं के गौमांस स्टोरेज हाउस गाजियाबाद के एक बड़े अधिकारी के संरक्षण में चल रहे हैं। गुर्जर ने गोकशी पर सीएम योगी के 2018 के एक आदेश की खबर भी दिखाई जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि ऐसा होने पर डीएम और एसपी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

गुरुग्राम में गैंगवार की आशंका, व्यापारी के मकान पर बाइक सवार बदमाशों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

गुरुग्राम एजेंसी। गुरुग्राम के अशोक विहार फेज-3 की गली नंबर पांच में मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए एक निर्माणाधीन मकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सूचना मिलने पर गुरुग्राम पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। सोशल मीडिया पर गैंगस्टर कौशल चौधरी के नाम से बनाए एक पेज पर फायरिंग की जिम्मेदारी लेते हुए दुश्मनों की मदद करने वालों को ठिकाने लगाने की धमकी दी गई। फिलहाल गुरुग्राम पुलिस ने मौके से गोलियों के खोल बरामद किए हैं। आसपास लगते घरों के सीसीटीवी की फुटेज को जांच के लिए लिया है। थाना पालम विहार में इस सिलसिले में मामला दर्ज हुआ है। बता दें कि गैंगस्टर कौशल इस समय भौंडसी जेल में बंद है। अशोक विहार के फेज-तीन के निवासियों की नींद मंगलवार सुबह ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज से खुली। जब तक लोग बाहर निकले तो बाइक सवार दो बदमाश जा चुके थे। लोगों ने बाहर निकलकर देखा कि एक नवनिर्मित मकान पर ताबड़तोड़ गोलियां चली हैं। ये गोलियां दीवार और शीशों पर लगी हैं। बताया जा रहा है कि इस नवनिर्मित मकान में मंगलवार सुबह गृह प्रवेश होना था, जो फिलहाल टल गया। ये मकान भवन निर्माण सामग्री की दुकान चला रहे एक व्यक्ति का बताया जा रहा है।

पानीपत की भूमि वीरों की भूमि है, जो वीरता और एकता को दर्शाती है: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पानीपत की भूमि वीरों की भूमि है, जो वीरता और एकता को दर्शाती है और इसका संदेश भी देती है। यहीं से मराठों को एकता में रहने का सूत्र मिला और इसके बाद मराठों ने भगवे के स्वाभिमान को आगे बढ़ाते हुए हिंद स्वराज की स्थापना की। मराठों ने वीरता दिखाते हुए मंदिरों, आस्था स्थलों, पूजा स्थलों को तोड़ने वाले आक्रांताओं को सबक सिखाते हुए पुनः हिन्दुस्तान में भगवे की स्थापना की। मराठे संकुचित भावना को छोड़ देव, देश और धर्म के लिए लड़े। वे जिस मुहिम में हार गए थे, उसको दोबारा स्थापित किया। पानीपत की भूमि मराठों, वीरों के रक्त से संचित भूमि है। अगर उस समय देश के अन्य राजा मराठों की मदद के लिए आगे आते तो अब्दाली हार जाता। अगर उस समय एक होते तो सेफ होते। एक नहीं थे तो सेफ भी नहीं थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस मंगलवार को पानीपत के काला आम्ब स्थित स्थल पर शौर्य स्मारक समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार शामिल

होगी। यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह को सम्मिलित होने का आग्रह किया जाएगा और इस स्थल को विकसित करने की रूपरेखा पर विस्तृत कार्य किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने कहा, कि पानीपत की शौर्य भूमि पर शौर्य के प्रतीक के रूप में छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित करेंगे, ऐसा संकल्प मैं करता हूं। किसानों ने शौर्य स्मारक के लिए आवश्यक भूमि के विस्तार पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जिन किसानों को जमीन के लिए अभी तक मुआवजा नहीं मिला है, उनको महाराष्ट्र सरकार द्वारा उचित मूल्य दिया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि भारत के इतिहास में छत्रपति शिवाजी महाराज इकलौते ऐसे नायक है कि जिन्होंने देश का इतिहास बदल दिया। देश ऐसी अवस्था में था कि शायद हमसे से कोई हिंदू कहलाने लायक नहीं बचता। तब मां जिजाऊ ने ऐसे वीर पुत्र को जन्म दिया और कसम दी आंक्राताओं को हटाने का लक्ष्य दिया। मां भवानी देव देश और धर्म के लड़ूंगा। छत्रपति शिवाजी महाराज ने जाति-पाति विहीन ऐसी मावड़ों की सेना बनाई। उन्होंने मुगलों से लड़ाई लड़ी। छत्रपति शिवाजी ने मुगलों को पराजित करके स्वराज्य की स्थापना की। उसके बाद हमारा मराठा साम्राज्य रुका नहीं। छत्रपति संभाजी महाराज ने जिस प्रकार से लड़ते-लड़ते उसी जमीन में औरंगजेब को जमीन में दफन कराया। मराठाओं ने जब संस्कार, संस्कृति और हिंदुत्व पर हमला हो रहा था, देश में हमारे उपासना स्थलों को तोड़ा जा रहा था, तब मुगलों से लड़ाई लड़ी। फडणवीस ने कहा कि यह मराठाओं की देन है कि आगे चलकर बाजीराव पेशवा के काल में तो अटक से लेकर कटक तक हिदवी स्वराज्य का विस्तार कर देश, धर्म एवं संस्कृति रक्षण का कार्य किया। फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने भगवा ध्वज के नीचे सबको एक साथ लाए।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में हमें केजरीवाल की मदद करनी चाहिए: शरद पवार

मुंबई, एजेंसी।
लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा और उसके गठबंधन के खिलाफ बने विपक्षी महागठबंधन इंडिया अलायंस के एक और साथी दल ने कांग्रेस को करारा झटका दिया है। अलायंस के बड़े घटक दल और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने दो टूक कहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में हमें केजरीवाल की मदद करनी चाहिए। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मुंबई में मीडिया से बात करते हुए शरद पवार ने दिल्ली चुनावों पर कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में मेरी भावना है कि हमें अरविंद केजरीवाल की मदद करनी चाहिए।

हालांकि, इंडिया अलायंस पर उन्होंने भी यह बात साफ की कि इस अलायंस के तहत कभी भी राज्य विधानसभाओं के चुनाव या लोकल बॉडी इलेक्शन पर कोई बातचीत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन के फोरम पर हमेशा राष्ट्रीय चुनावों पर ही चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय चुनावों के मद्देनजर समान विचारधारा वाली पार्टियों की एकजुटता के लिए बना था। पवार ने ये भी कहा कि महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों के लिए इंडिया अलायंस यानी महा विकास अघाड़ी के घटक दल 8-10 दिनों में बैठक करेंगे और यह तय करेंगे कि बीएमसी चुनाव हम एक साथ लड़ेंगे या अकेले-अकेले लड़ेंगे।

बता दें कि शरद पवार से पहले इंडिया अलायंस के घटक दलों में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की चीफ ममता बनर्जी ने भी अरविंद केजरीवाल का समर्थन करने का ऐलान किया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने भी आप को समर्थन देने के संकेत दिए हैं। इन दलों की दलील है कि भाजपा को हराने के लिए सबसे मजबूत साथी की मदद करनी चाहिए। दिल्ली में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी की मुख्य लड़ाई भाजपा से है लेकिन कांग्रेस भी आप के खिलाफ ताल ठोक रही है। इससे चुनाव रोचक हो गया है।

कर्नाटक कांग्रेस में तकरार! आए नए मुख्यमंत्री दावेदार, सिद्धारमैया के पूरे हो रहे हैं ढाई साल

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में अगले मुख्यमंत्री को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, अब तक पार्टी या किसी नेता ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। इसी बीच खबरें हैं कि राज्य सरकार में मंत्री आरबी टिम्मापुर ने भी सीएम बनने की इच्छा जाहिर कर दी है। खास बात है कि ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया लगभग आधा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। 2023 में चुनाव जीतने के बाद राज्य में कथित तौर पर ढाई साल बाद सीएम बदलना तय हुआ था। टिम्मापुर ने कहा, दलित को क्यों मुख्यमंत्री पद नहीं दिया जाना चाहिए? मुझे सीएम क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए? खास बात है कि राज्य सरकार में दलित नेता कई अहम पदों पर रहे, लेकिन अब तक कोई भी सीएम नहीं रहा है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद की रेस में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार सबसे प्रबल दावेदार हैं। दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कहा जा रहा था कि शिवकुमार सीएम पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं।

हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के नेताओं का कहना है कि अपना उत्तराधिकारी चुनने के लिए सिद्धारमैया रणनीतिक रुख अपना रहे हैं। एक नेता ने कहा, यह खुला राज है कि वह दलित मुख्यमंत्री के आसपास चर्चाएं बढ़ा रहे हैं, ताकि पार्टी के अंदर विरोध को कम किया जा सके। खासतौर से ऐसे समय पर जब उनका आधा

कार्यकाल पूरा रहो रहा है। हालांकि, उनकी इस रणनीति का खासतौर से शिवकुमार कैंप विरोध कर रहा है।

मामले के जानकार लोगों का कहना है कि दलित नेता पर सहमति बनाने के लिए एससी एसटी विधायकों की बैठक बुलाई गई थी, लेकिन कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला के दखल के बाद इसे रद्द कर दिया गया। कथित तौर पर शिवकुमार के कहने पर हस्तक्षेप किया गया था। जी परमेश्वरा का कहना है, जैसा कि दिखाया जा रहा कि इसे कैंसिल कर दिया गया है। ऐसा नहीं है, सिर्फ टाला गया है। उन्होंने कहा, कोई भी बैठक को नहीं रोक सकता है। अगर कोई भी कहता है कि वे दलित मुद्दों पर बात करने के लिए बैठक बर्दाश्त नहीं कर सकते, तो हम उन्हें करारा जवाबदेंगे। हमारे पास क्षमता और ताकत है। कहा जा रहा है कि बैठक कैंसिल होने ने राज्य के कई दलित नेताओं को नाराज कर दिया है।

राष्ट्रीय खेल : 1200 विशिष्ट खेल स्वयंसेवक भी होंगे तैनात

» 'नेशनल फेडरेशन स्पोर्ट्स ऑफ इंडिया के माध्यम से मिलेंगे ये स्वयंसेवक

» करीब 2300 सामान्य स्वयंसेवकों का अलग से किया जा रहा चयन

» स्वयंसेवकों को व्यवहार और शिष्टाचार का दिया जाएगा प्रशिक्षण

विशेष संवाददाता | देहरादून (उत्तराखंड)

राष्ट्रीय खेलों में 1200 विशिष्ट खेल स्वयंसेवकों की भी तैनाती की जाएगी। नेशनल फेडरेशन स्पोर्ट्स ऑफ इंडिया के स्तर पर उत्तराखंड को यह स्वयंसेवक उपलब्ध कराए जाएंगे। उत्तराखंड अपने स्तर से भी करीब 2300 सामान्य स्वयंसेवकों को चयनित करने जा रहा है। विशिष्ट खेल स्वयंसेवक इनसे अलग होंगे। हालांकि सामान्य स्वयंसेवकों के साथ ही इन्हें भी व्यवहार और शिष्टाचार की ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों के 38 वें संस्करण की मेजबानी कर रहा है। यह आयोजन 28 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। तमाम तरह की व्यवस्थाओं को बनाने के लिए दो तरह के स्वयंसेवक अपना योगदान करेंगे। इसमें से सामान्य स्वयंसेवकों की भर्ती की प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। 30 हजार से ज्यादा लोगों ने स्वयंसेवक बनने के लिए रजिस्ट्रेशन किया है। इन सभी को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी गई है। ऑनलाइन परीक्षा भी ली गई है। इसके परिणाम के आधार पर ही स्वयंसेवक भर्ती किए जाएंगे। राष्ट्रीय खेल सचिचालय के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशांत आर्या के अनुसार- सामान्य स्वयंसेवकों के अलावा विशिष्ट खेल स्वयंसेवकों की भी तैनाती की जाएगी। नेशनल फेडरेशन स्पोर्ट्स ऑफ इंडिया के माध्यम से ये स्वयंसेवक उत्तराखंड को प्राप्त होंगे, जिनकी विभिन्न स्थानों पर तैनाती की जाएगी।

विशिष्ट खेल स्वयंसेवकों की ये है विशिष्टता

नेशनल फेडरेशन स्पोर्ट्स ऑफ इंडिया इन विशिष्ट खेल स्वयंसेवकों को उपलब्ध कराता है। खेल पृष्ठभूमि वाले इन स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का अनुभव होता है। सामान्य स्वयंसेवकों को जहां पार्किंग, मेहमानों को लाने-ले जाने संबंधी अन्य सामान्य व्यवस्थाओं में उपयोग किया जाता है, वहीं विशिष्ट स्वयंसेवकों को खेल से सीधे जुड़ी व्यवस्थाओं में जिम्मेदारी दी जाती है। स्वयंसेवकों से संबंधित कार्य देख रहे प्रतीक जोशी के अनुसार-विशिष्ट खेल स्वयंसेवकों को प्रतिदिन एक हजार रूपये मानदेय दिया जाएगा। सामान्य स्वयंसेवक का प्रतिदिन का मानदेय पांच सौ रूपये तय किया गया है। "38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तराखंड पूरी तरह से तैयार है। यह खुशी की बात है कि हर वर्ग राष्ट्रीय खेलों से किसी न किसी रूप में जुड़ने के लिए तैयार है। खेलों का यह बहुत बड़ा उत्सव है, जो कि उत्तराखंड में खेल विकास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण साबित होगा।"

गुरुग्राम में 14 साल की लड़की से रेप, दोस्त के बर्थडे सेलिब्रेशन का बहाना बना गेस्ट हाउस ले गया आरोपी

गुरुग्राम एजेंसी। हरियाणा के गुरुग्राम में 14 साल की नाबालिग के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। रेप का आरोप एक युवक पर लगा है, जो कि उसे जन्मदिन की पार्टी के बहाने एक गेस्ट हाउस में बुलाकर ले गया था। वारदात की जानकारी देते हुए पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह घटना रविवार रात को उस वक्त हुई जब लड़की अपने माता-पिता को बताए बिना घर से चली गई थी। पुलिस ने बताया कि लड़की अगले दिन सुबह घर लौटी और परिवार को अपने साथ हुई आपबीती बताई। जिसके बाद परिवार ने पुलिस के पास जाकर मामला दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी बेटी, जो की आठवीं क्लास की छात्रा है, अपने दोस्त अंशु के साथ उसकी बाइक पर एक अन्य युवक अविनाश का जन्मदिन मनाने गई थी। महिला ने बताया कि अंशु उनकी बेटी को यह कहकर ले गया था कि अविनाश के बर्थडे केक काटते ही वह उसे वापस घर छोड़ जाएगा। हालांकि जब अविनाश गेस्ट हाउस से चला गया तो अंशु ने उसके साथ उसी गेस्ट हाउस में बलात्कार किया। इतना ही नहीं पीड़िता ने अपनी मां को यह भी बताया है कि अविनाश भी उसके साथ पहले दो बार बलात्कार कर चुका था। जिसके बाद पीड़िता की मां ने पुलिस के पास दर्ज कराई अपनी शिकायत में इस बारे में भी बता दिया।

महाकुंभ में स्नान कर रहे थे एनसीपी नेता, त्रिवेणी संगम में ही हो गई मौत

सोलापुर, एजेंसी।
सोलापुर के पूर्व महापौर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता महेश कोठे की मंगलवार को प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर स्नान करते समय दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। उनके करीबी ने यह जानकारी दी। वह 60 वर्ष के थे। घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी के त्रिवेणी संगम पर हुई।

उन्होंने कहा, कोठे (मकर संक्रांति पर) अमृत स्नान के लिए त्रिवेणी संगम गए थे। नदी के पानी में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कोठे का पार्थिव शरीर बुधवार को अंतिम संस्कार के लिए सोलापुर लाया जाएगा। कोठे ने 20 नवंबर को सोलापुर (उत्तर) से भाजपा के विजय देशमुख के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। कोठे के परिवार में पत्नी और एक बेटा है। प्रयागराज में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। विभिन्न अखाड़ों के संतों ने मकर संक्रांति के अवसर पर महाकुंभ में पहला अमृत स्नान किया। सुबह 8:30 बजे

तक 1.38 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। एनसीपी (स्क) के प्रमुख शरद पवार ने कोठे के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, मेरे पुराने सहयोगी महेश कोठे का प्रयागराज में निधन हो गया। महेश कोठे का सोलापुर शहर के सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव था। उनके निधन से सोलापुर ने एक गतिशील और समर्पित कार्यकर्ता खो दिया।

मोहनलाल बडौली के फिर से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर लगा ग्रहण

चंडीगढ़, एजेंसी।
रेप केस में फंसे हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सोनीपत जिले की राई सीट से पूर्व विधायक बडौली को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इनके नेतृत्व में विपरीत परिस्थितियों में भी भाजपा ने तीसरी बार हरियाणा में सरकार बना ली, जिसके बाद मोहन लाल बडौली को भी खूब शाबाशी मिली। उम्मीद जताई जा रही थी कि मोहन लाल बडौली के प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल की अवधि बढ़ाई जा सकती है, लेकिन दुष्कर्म जैसे संगीन आरोप लगने के बाद अब उनकी छवि को बड़ा झटका लगा है और उनका राजीतिक करियर मुश्किलों में आ गया है। 62 वर्षीय मोहन लाल मूल रूप से सोनीपत के बडौली के रहने वाले हैं। वह पेशे से किसान और व्यवसायी हैं। बडौली 10वीं पास हैं। 2024 के चुनावी हलफनामे के मुताबिक उनके पास 16 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। वह जाति से ब्राह्मण हैं। आरएसएस से भी उनका गहरा नाता रहा है। वह 1989 से आरएसएस के सदस्य हैं। वह पूर्व में सोनीपत के भाजपा जिलाध्यक्ष रह चुके हैं जबकि 1995 में बीजेपी ने उन्हें मंडल अध्यक्ष बनाया था। बीजेपी ने 2024 लोकसभा चुनाव में उन्हें सोनीपत से टिकट दिया था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। मोहन लाल बडौली को कांग्रेस के सतपाल ब्रह्मचारी ने 21816 वोटों से हराया था। 2019 विधानसभा

चुनाव में बीजेपी ने उन्हें सोनीपत की राई सीट से टिकट दिया था और उन्होंने यहां से जीत हासिल की जबकि राई कांग्रेस का गढ़ मानी जाती रही है। 2020 में बीजेपी ने उन्हें सोनीपत का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया था। 2021 में उन्हें प्रदेश महामंत्री बनाया गया और 2024 में दोबारा इस पद के लिए चुनाव गया। बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें प्रदेश चुनाव समिति में भी शामिल किया था। भाजपा का असली चेहरा उजागर, अध्यक्ष के फंसने पर कांग्रेस हमलावर हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली पर हिमाचल प्रदेश के कसौली में युवती से रेप का मामला दर्ज होने के बाद हरियाणा कांग्रेस भाजपा पर हमलावर हो गई है। ये एफआईआर हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन के कसौली थाना में दर्ज हुई है। हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान और सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ गैंगरेप के गंभीर आरोपों में एफ.आई.आर. दर्ज होने से चाल, चरित्र, चेहरे की बात करने वाली भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि यह नौकरी के बदले दुष्कर्म प्रकरण हैं, जो बड़े स्तर पर दिखाई दे रहा है। इस तरह सत्ता के दुरुपयोग और अहंकार की पराकाष्ठा प्रदेश के इतिहास में नहीं देखी गई। इस घटना से साबित होता है कि न भाजपा की चाल ठीक, न चरित्र ठीक है और न ही चेहरा ठीक है, क्योंकि जिस व्यक्ति के खिलाफ गैंगरेप के गंभीर आरोपों में एफआईआर दर्ज हुई है वो हरियाणा में भाजपा का प्रमुख चेहरा है और जब चेहरा ऐसा है तो चाल चरित्र कैसा होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ नारे की असलियत एक बार फिर दिखाई दे रही है। उन्होंने मांग की कि भाजपा को अपना स्टैंड स्पष्ट कर लोगों से माफी मांगनी चाहिए और इस बात की जांच होनी चाहिए कि यह मामला किस-किस के संज्ञान में था, कौन-कौन साथ था और कौन-कौन बचाने में शामिल था।

विमेंस इंडिया ने आयरलैंड को 304 रन से हराया

टीम की सबसे बड़ी जीत, रिकॉर्ड 435 रन बनाए

राजकोट, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 304 रन से जीता। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। टीम की रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 249 रन का था, जब टीम ने 2017 में आयरलैंड को ही हराया था। टीम ने इस मैच में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर रिकॉर्ड 435 रन बनाए। तीन दिन पहले भारत ने आयरलैंड के ही खिलाफ 370 रन बनाए थे।

यह विमेंस वनडे क्रिकेट का चौथा हाईएस्ट स्कोर है। हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम है। कीवी टीम ने 2018 में आयरलैंड के ही खिलाफ 491 रन बनाए थे। उधर, कप्तान स्मृति मंधाना ने 70 गेंद में शतक लगाया। वे भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वालीं महिला क्रिकेटर बन गई हैं। स्मृति ने 80 गेंद में 135 रन की पारी खेली।

प्रतीका और स्मृति मंधाना का शतक

भारतीय टीम ने बुधवार को राजकोट में टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया। टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 435 रन का स्कोर खड़ा किया और आयरलैंड को 436 रन का टारगेट दिया। जवाब में आयरलैंड टीम 31.4 ओवर में 131 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने शतक लगाया। मंधाना ने 80 बॉल पर 135 रन और प्रतीका ने 129 बॉल पर 154 रन बनाए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 233 रन की साझेदारी हुई। ऋचा घोष ने 42 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। आयरलैंड के लिए ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने 2 विकेट झटके। अर्लीन केली, फ्रेया सार्जेंट और जॉर्जिना डेम्पसे को 1-1 विकेट मिला।

चैलेंजर ट्रॉफी :

शेफाली वर्मा ने बनाए 414 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। शेफाली वर्मा भले ही टीम इंडिया से बाहर चल रही हों. आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल रही हों. मगर घरेलू क्रिकेट में उनके बल्ले का धमाल जारी है. फिलहाल,उनका धमाका सीनियर महिलाओं की खेली जा रही वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में दिखा है, जहां उन्होंने 414 रन बनाए हैं. जी नहीं, ये रन शेफाली की खेली एक नहीं बल्कि 5 पारियों का नतीजा है. भारत की ये महिला ओपनर लगातार 5वीं बार एक कमाल को अंजाम भी दे देतीं, अगर उन्होंने फाइनल में 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया होता.

सीनियर महिलाओं की वनडे चैलेंजर ट्रॉफी का फाइनल टीम. और टीम ष्ट के बीच खेला जा रहा है. शेफाली ना सिर्फ टीम की खिलाड़ी हैं बल्कि कप्तान भी हैं. और इस दोहरी भूमिका में वो पूरे टूर्नामेंट में खरी उतरती दिखी हैं. उनकी उसी सफलता का असर है कि टीम ना सिर्फ फाइनल में पहुंची बल्कि यहां तक पहुंचाने में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन भी उन्होंने ही बनाए. शेफाली वर्मा ने फाइनल में टीम के खिलाफ 21 गेंदों का सामना कर 26 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. ये टूर्नामेंट में उनका सबसे कम स्कोर है.

पेरिस ओलंपिकः

छह महीने में ही खराब हुए पेरिस ओलंपिक के पदक

नईदिल्ली, एजेंसी। हाल के दिनों में दुनिया भर के कई एथलीटों ने सोशल मीडिया पर खराब हुए पदकों की तस्वीरें पोस्ट की थी। यह पता चला है कि मनु के पदकों का रंग उतर गया है और वे खराब स्थिति में हैं। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर के पेरिस ओलंपिक में जीते कांस्य पदक महज छह महीने में ही खराब पड़ने लगे और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता को उम्मीद है कि उनके ये पदक बदले जाएंगे। मनु उन खिलाड़ियों के बड़े समूह में से हैं जिन्होंने शिकायत की है कि उनके पदक खराब हो चुके हैं। मालूम हो कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में पेरिस ओलंपिक का आयोजन हुआ था जिसमें मनु ने अलग-अलग वर्ग में दो कांस्य अपने नाम किए थे।

कई एथलीटों ने की है शिकायत

हाल के दिनों में दुनिया भर के कई एथलीटों ने सोशल मीडिया पर खराब हुए पदकों की तस्वीरें पोस्ट की थी। यह पता चला है कि मनु के पदकों का रंग उतर गया है और वे खराब स्थिति में हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि क्षतिग्रस्त पदकों को मोनैई डे पेरिस (फ्रांस का राष्ट्रीय टकसाल) द्वारा व्यवस्थित रूप से बदला जाएगा। खिलाड़ियों को मिलने वाला नया पदक पुराने के समान ही होगा। प्रत्येक ओलंपिक पदक के केंद्र में लगे लोहे के टुकड़ों का वजन 18 ग्राम (लगभग दो-तिहाई औंस) होता है। मोनैई डे पेरिस फ्रांस के लिए सिक्के और अन्य मुद्रा तैयार करती है। पेरिस ओलंपिक की आयोजन समिति सभी क्षतिग्रस्त पदक बदलने के लिए मोनैई डे पेरिस के साथ मिलकर काम कर रही है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक 2024 में दिए गए पदकों में प्रतिष्ठित एफिल टॉवर के टुकड़े शामिल थे। पेरिस 2024 के लिए 5084 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक महंगे आभूषण और घड़ी बनाने वाली कंपनी चौमेट द्वारा डिजाइन किए गए थे और मोनाई डे पेरिस ने इनका निर्माण किया था।

इंडिया ओपन बैडमिंटन- सिंधु और सात्विक-चिराग दूसरे राउंड में

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले राउंड में भारत की पीवी सिंधु को जीत मिली है। उन्होंने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को सीधे गेम में हराया। दूसरी ओर लेट एंट्री लेने वालीं भारत की ही किरण जॉर्ज ने जापान की युशी तनाका को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया है।

दिल्ली के केडी जाधव इनडोर स्टेडियम में टूर्नामेंट मंगलवार को ही शुरू हुआ। मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने भी राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। उन्होंने मलेशिया के मैन टी की जोड़ी को 23-21, 19-21, 21-16 से हराया। सात्विक-चिराग की जोड़ी पेरिस ओलिंपिक में टॉप सीड होने के बावजूद मेडल नहीं जीत सकी थी। शादी के बाद पहले टूर्नामेंट में उतरीं सिंधु सिंधु ने पिछले साल दिसंबर में ही शादी की थी।

शादी के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहीं सिंधु को पहला मैच जीतने के लिए महज 51 मिनट लगे। सुंग शुओ ने शुरुआती गेम में बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने कमबैक किया और 21-14, 22-20 से मैच अपने नाम कर लिया। जापानी प्लेयर से भिड़ेंगी सिंधु दूसरे राउंड में सिंधु का सामना वर्ल्ड नंबर-16 जापान की मनामी सुइजू से होगा। सिंधु ने मैच के बाद कहा, लंबे ब्रेक के बाद लय हासिल करना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मैं सीधे गेम में मैच जीतकर खुश हूं। दूसरे गेम में मेरी शटल मिडकोर्ट में जा रही थी, लेकिन मुझे हमेशा भरोसा था कि मैं जीत सकती हूं। पीवी सिंधु ने पेरिस ओलिंपिक के बाद लम्बा ब्रेक लिया था।

ऋषभ पंत ने दिल्ली के रणजी ट्रॉफी मैच के लिए उपलब्धता की पुष्टि की, इस टीम के खिलाफ खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सौराष्ट्र के खिलाफ अगले रणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली के लिए खेलने के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। पंत ने आखिरी बार रणजी ट्रॉफी 2017-2018 सीजन के दौरान खेला था। अब वह राजकोट में सीधे टीम से जुड़ सकते हैं, जहां 23 जनवरी से मैच होने वाला है।

डीडीसीए प्रमुख रोहन जेटली ने बताया, ऋषभ पंत ने सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।%विकेटकीपर बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां भारत का एक दशक से चला आ रहा दबदबा खत्म हुआ और 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 22 जनवरी से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। दिल्ली फिलहाल ग्रुप डी में पांच मैचों में 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। दिलचस्प बात यह है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, जिन्होंने आखिरी बार 2012 में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेला था, ने शेष दो रणजी ट्रॉफी खेलों के लिए 38 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की है।

मंगलवार को भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा 23 जनवरी से शुरू होने वाले 2024-25 रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण से पहले प्रशिक्षण सत्रों के लिए मुंबई की टीम में शामिल हुए। इसके अलावा शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने भी कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के छठे दौर के रणजी ट्रॉफी मैच के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। उन्होंने आखिरी बार 2022 में रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया था, तब उन्होंने अलूर में क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेला था।

चैंपियंस ट्रॉफीः

भारतीय कप्तान जाएंगे पाकिस्तान

पीसीबी ने भव्य समारोह की योजना बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी।भारत चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा लेकिन सूत्रों के मुताबिक टीम के कप्तान आठ साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित आयोजन के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए मेजबान देश पाकिस्तान का दौरा करेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैंपियंस ट्रॉफी के भव्य उद्घाटन समारोह की योजना बना रहा है, जो संभवतः 16 या 17 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, बशर्ते अभ्यास मैच का कार्यक्रम तय हो। सभी टीम के कप्तान उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे, जो आईसीसी आयोजनों के लिए एक मानक अभ्यास है।

सूत्रों के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए भारतीय टीम के कप्तान पाकिस्तान दौरा करेंगे क्योंकि पीसीबी ने 29 साल के बाद पाकिस्तान में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन की वापसी के लिए भव्य समारोह की योजना बनाई है। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025, मेजबान के रूप में पाकिस्तान का पहला प्रमुख द्वृष्टष्ट टूर्नामेंट होगा। इससे पहले पाकिस्तान ने भारत और श्रीलंका के साथ 1996 क्रिकेट विश्व कप की सह-मेजबानी की थी। टूर्नामेंट हाइब्रिड प्रारूप में खेला जाना है, जिसमें पाकिस्तान अधिकांश मैचों की मेजबानी करेगा, लेकिन भारत के सभी ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है तो इसे भी दुबई में स्थानांतरित कर दिया जाएगा; अन्यथा, लाहौर चैंपियनशिप मैच की मेजबानी करेगा। आठ टीमों के इस आयोजन में मेजबान पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल होंगे।

टूर्नामेंट की शुरुआत मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होने वाले मैच से होगी और बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होने वाला है। तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत और पाकिस्तान केवल विश्व कप और एशिया कप जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में ही प्रतिस्पर्धा करते हैं।

भारतीय स्टार के भविष्य पर इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर का बयान

कोहली का समय चला गया

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व इंग्लैंड क्रिकेटर डेविड लॉयड ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट भविष्य पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि उनका समय समाप्त हो गया है। कोहली हाल के दिनों में लंबे प्रारूप में खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं क्योंकि हाल के टेस्ट सत्र में उनका प्रदर्शन यादगार नहीं रहा। पूर्व भारतीय कप्तान ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक बनाया, लेकिन अपनी फॉर्म को जारी रखने में असफल रहे क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने ऑफ स्टंप के बाहर उनकी कमजोरी का फायदा उठाया।

लंबे समय से खराब फॉर्म के बाद भारतीय टेस्ट टीम में कोहली की जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में लॉयड ने कोहली के खराब प्रदर्शन पर अपने विचार साझा किए और कहा कि भारतीय बल्लेबाज अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आगे निकल चुका है। उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर उनकी कमजोरी पर भी टिप्पणी की और कहा कि एक बार जब वह इंग्लैंड आएंगे, तो उन्हें एक बार फिर उस क्षेत्र में निशाना बनाया जाएगा।

लॉयड ने कहा, विराट कोहली जानते हैं कि वे अपने सर्वश्रेष्ठ से आगे निकल चुके हैं और इससे उन्हें दुख होगा। जब भारत इंग्लैंड आएगा, तो आपको पता होगा कि वे कहां होंगे। ऑफ स्टंप के ठीक बाहर, और बिजनेस एरिया स्लिप होगा। 36 साल की उम्र में उन्हें दिमाग में पता है कि उन्हें क्या करना चाहिए। आपकी सजगता धीरे-धीरे काम करती है। पोंटिंग ने कहा कि वे सामान्य से थोड़ा अधिक समय तक खेलते रहे। चयनकर्ताओं को पता होना चाहिए। वे उन महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्हें हमने देखा है, लेकिन वे अपने सर्वश्रेष्ठ से आगे निकल चुके हैं।

कोच गौतम गंभीर की भूमिका बहुत बड़ी होगी, क्योंकि वे उस ड्रेसिंग रूम में रहे हैं। उन्होंने समय खो दिया है। उनका समय खत्म हो गया है। इसके अलावा लॉयड ने कहा कि कोहली के पास समय नहीं है, उन्होंने उनकी कमजोर होती सजगता और प्रतिक्रिया समय का उल्लेख किया। लॉयड ने कहा, जब आप महान क्रिकेटरों के बारे में बात करते हैं, तो एक चीज जो बाकी लोगों के पास नहीं है, वह है समय। उसने समय खो दिया है। यह चला गया है। उसका समय चला गया है। यह उम्र के साथ आता है। हर कोई आपको बताता है कि आपको क्या करना है। गेंद को छोड़ दो जैसी चीजें, इसे अंत तक देखो। लेकिन यह चला गया है। ये महान अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः

नोवाक जोकोविच ने रोजर फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ा

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने 11वें खिताब की तलाश में उतरे जोकोविच ओपन एरा में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच ने 21 साल के पुर्तगाल के जैमी फरिया को चार सेटों में हराया और अगले दौर में जगह बनाई।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम के दौरान स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने 11वें खिताब की तलाश में उतरे जोकोविच ओपन एरा में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच ने 21 साल के पुर्तगाल के जैमी फरिया को चार सेटों में हराया और अगले दौर में जगह बनाई है। जोकोविच का यह 430वां ग्रैंडस्लैम मुकाबला था और वह फेडरर से आगे निकलने में सफल रहे

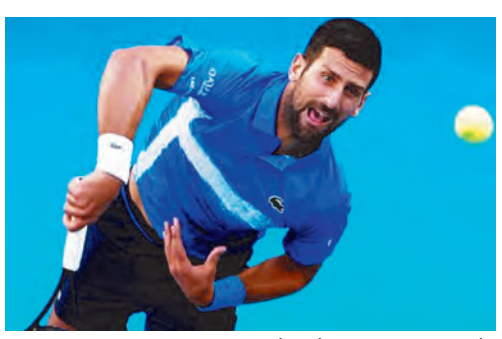

जिन्होंने अपने करियर में 429 ग्रैंडस्लैम मुकाबले खेले हैं। जोकोविच ने अपने करियर में 379 ग्रैंडस्लैम मैच जीत लिए हैं और उनका जीत का प्रतिशत 89.2 है जो सभी से बेहतर है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में जीत के साथ ही जोकोविच ने ग्रैंडस्लैम में अपने जीत हार का रिकॉर्ड 379-51 कर लिया है। जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने का रिकॉर्ड है। पुरुषों में वह इस मामले में राफेल नडाल (22) और फेडरर (20) से आगे हैं।

37 वर्षीय इस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा समय तक रैंकिंग में शीर्ष पर रहने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में अबतक 37 ग्रैंडस्लैम फाइनल खेले हैं जो फेडरर के मुकाबले छह ज्यादा हैं। अगर जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने में सफल रहे तो यह उनका 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब होगा। यह ऐसा आंकड़ा है जिसे अबतक कोई भी पुरुष या महिला टेनिस खिलाड़ी हासिल नहीं कर सका है।

जोकोविच का यह 11वां ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब हो सकता है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहे तो सर्वाधिक बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के मामले में मार्गेट कोर्ट की बराबरी कर लेंगे। इतना ही नहीं यह जोकोविच का 100वां टूर लेवल खिताब हो सकता है।

खो खो वर्ल्ड कपः

भारतीय पुरुष टीम ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम, महिला टीम की दक्षिण कोरिया पर बड़ी जीत

नईदिल्ली, एजेंसी। पुरुष टीम ने अपने कौशल और रणनीति का शानदार नमूना पेश करते हुए ब्राजील को 64-34 से हराकर खो खो विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। महिला टीम ने अपने शुरुआती मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ पूरा दबदबा बनाते हुए 175-18 से शानदार जीत हासिल की। भारतीय पुरुष और महिला खो खो टीम ने विश्व कप में अपने-अपने मुकाबले जीते। पुरुष टीम ने अपने कौशल और रणनीति का शानदार नमूना पेश करते हुए ब्राजील को 64-34 से हराकर खो खो विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। वहीं, महिला टीम ने अपने शुरुआती मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ पूरा दबदबा बनाते हुए 175-18 से शानदार जीत हासिल की।

ब्राजील के खिलाफ की वापसी

पुरुष टीम ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दर्शकों के अपार समर्थन के बीच अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया। ब्राजील ने अपने आक्रमण में अच्छी शुरुआत की और 16 अंक अपने नाम किए, लेकिन भारत ने मजबूत वापसी की। भारत ने ड्रीम रन के दौरान दो अंक अर्जित किए।

न्यूज बाइट्स

उत्तर कोयल नहर चालू कराने को लेकर अनिश्चितकालीन महाधरना का शुभारंभ

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। प्रखंड मुख्यालय परिसर में किसान मजदूर मोर्चा की ओर से उत्तर कोयल नहर के कुटकुट डैम में फाटक लगाने एवं अंगरा, कोटवारा, चेंई नवादा शाखा के अधूरे कार्य को पूरा कराने को लेकर अनिश्चितकालीन महाधरना का शुभारंभ किया गया। बुधवार को किसान मजदूर मोर्चा के सदस्य सभी प्रखंड मुख्यालय में एकत्रित हुये। और प्रखंड परिसर से महाराजगंज, कलाली मोड़, बस स्टैंड, मुख्य बाजार होते प्रदर्शन करते हुए पुनः प्रखंड मुख्यालय पहुंचे। डॉ तुलसी यादव एवं लड्डू खान ने बताया की यह महाधरना किसानों के खेतों में पानी लाने को लेकर है। आंदोलन में यह ताकत है कि सरकार को भी झुकना पड़ता है। सरकार द्वारा किसानों के विरुद्ध में भी काला कानून भी लाया गया था। आंदोलन की वजह से ही सरकार को झुकना पड़ा था। हम लोग को भी आशाएं नहीं भरोसा है कि खेतों में उत्तर कोई नहर की पानी पहुंचेगी। आज से चरणबद्ध तरीके से धरना का शुरुआत किया गया है। वर्तमान सरकार गरीबों मजदूरों और किसानों की हित में नहीं है। हमारी लड़ाई किसानों के लिए है। वर्षों से हमारी मांगे को पुरा नही किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर रेल चक्का को भी जाम किया जाएगा। जब तक उत्तर कोयल नहर की पानी किसानों के खेत में नही आएगा तब तक हमलोग का धरना- प्रदर्शन जारी रहेगा। ये कड़कड़ाती ठंड में भी किसान मजदूर मोर्चा मगध के सदस्य धरना में डटे रहेंगे। कुमार जितेंद्र ने कहा कि स्मार्ट मीटर लूट मीटर है।महाधरना का अध्यक्षता लड्डू खान, चंद्रशेखर यादव एवं संचालन तुलसी यादव एवं संतोष गिरी ने किया। संतोष गिरी ने संबोधन के दौरान कहा की भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा उत्तर कोयल नहर का मुख्य ब्रांच के कुटकुट डैम में फाटक लगाने के लिए शिलान्यास किये थे। और 2022 तक कार्य पुरा कर किसानों के खेतों में पानी देने के लिए वादा किया था। बाद में औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह एवं वर्तमान सांसद अभय कुशवाहा के द्वारा भी लाइनिंग के कार्य के लिए शिलान्यास किया लेकिन अभी तक कार्य अधुरा है। रामबलि यादव ने गीत के माध्यम से किसानो की समस्या रखा। इस मौके पर डॉ कुमार जितेंद्र यादव, संतोष गिरी, सिद्धी यादव, महेश कुमार, गौतम कुमार, अखिलेश कुमार, जयप्रकाश कुमार प्रजापति, चंद्रशेखर प्रसाद यादव, भोला प्रसाद वर्मा, कुमार जितेंद्र, संजय कुमार यादव, पारस पासवान, डबूर पंचायत के मुखिया लक्ष्मण यादव, अवधेश यादव, विसुन यादव, जगदीश राम, बेचु यादव, बिंदेश्वर प्रसाद, अनूप मांझी, जगुल यादव, राजदेव साव, संजय श्याम,पं स अरमान खां सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मकर संक्रांति का पौराणिक के साथ वैज्ञानिक महत्व भी : पुरुषोत्तम

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। शहर के क्षत्रिय नगर में आरपी सिंह टावर में समाजसेवी अशोक सिंह जी के आवास पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह द्वारा मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर चूड़ा-दही सहभोज एवं परिवार मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि 15 साल से मकर संक्रांति के अवसर पर यह कार्यक्रम कार्यकर्ताओं के सहयोग से किया जाता रहा है। यह कार्यक्रम पूर्ण रूपेण गैर राजनीतिक होता है ,यह सामाजिक समरसता को बढ़ावा हेतु आयोजित होता रहा है। आज के भाग दौड़ के जीवन में हर वर्ग, हर दल के लोग एक साथ बैठकर मकर संक्रांति उत्सव का आनंद लेते हैं जो मेरे लिए बडे सौभाग्य की बात है । कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता रामकेवल सिंह, पूर्व विधान पार्षद राजन कुमार सिंह, विनोद सिंह, विनोद चंद्रवंशी, शिवनंदन पांडेय, अशोक पांडेय भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रामानुज पांडेय, लोजपा नेता पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष पंकज पासवान ,प्रोफेसर संतोष सिंह, उदय सिंह, अनीता सिंह, गुड़िया देवी, सुमन अग्रवाल, सुनीता देवी, अशोक सिंह, सुनील शर्मा, जितेंद्र गुप्ता, राजकुमार सिंह, श्रीकांत कुमार, आदित्य कुमार, संजय गुप्ता ,सुरेंद्र सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस और जिला स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

- गांधी मैदान में झंडोत्तोलन का समय 9:00 बजे पूर्वाह्न निर्धारित किया गया है। झांकी परेड में विभिन्न विभाग अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करेंगे।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला कलेक्टर श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में गणतंत्र दिवस 2025 और जिला स्थापना दिवस 2025 के आयोजन के लिए महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने दोनों समारोहों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर औरंगाबाद शहर के विभिन्न विद्यालयों से प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जिसे जिला शिक्षा पदाधिकारी और संबंधित विद्यालयों के प्रभारी शिक्षक पर्यवेक्षण करेंगे। इसके साथ ही, गांधी मैदान में आयोजित होने वाली परेड में डीएपी, सैफ, होमगार्ड, एनसीसी और स्काउट एंड गाइड के प्लाटून भाग लेंगे। 20 से 24 जनवरी तक गांधी मैदान में परेड के पूर्व अभ्यास का आयोजन किया जाएगा, ताकि गणतंत्र दिवस के दिन परेड का आयोजन धूमधाम से हो सके। बैठक में गांधी मैदान में आयोजन से संबंधित विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की गई। गांधी मैदान की सफाई और समतलीकरण के कार्य को कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद और कार्यपालक अभियंता को सौंपा गया। साथ ही, गांधी मैदान में सड़क के दोनों ओर मोरम और चुना डालने, मंच की रंगाई और बैरिकेड लगाने का कार्य सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि आयोजन में कोई कठिनाई न हो।

गांधी मैदान में झंडोत्तोलन का समय सुबह 9:00 बजे पूर्वाह्न निर्धारित किया गया है। इसके बाद, विभिन्न विभागों द्वारा झांकी परेड का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान, अच्छी झांकी प्रस्तुत करने वाले विभागों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

दूसरी ओर, जिला स्थापना दिवस 2025 के आयोजन की योजना भी बनाई गई। यह कार्यक्रम 26 जनवरी को अनुग्रह नगर भवन, औरंगाबाद में अपराह्न 3:00 बजे से आयोजित होगा। स्थापना दिवस के मौके पर जिले के सरकारी भवनों को नीली बत्तियों से सजाया जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र में एक खास माहौल बनेगा।

इस मौके पर विज्ञान से संबंधित छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, विभिन्न विभाग जैसे शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, कल्याण आदि अपनी योजनाओं को स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे और पंपलेट वितरित करेंगे, ताकि आम जनता को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी मिल सके।

संध्या 5:00 बजे से नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जो पूरे दिन की गतिविधियों का समापन करेगा। बैठक में अपर समाहर्ता ललित भूषण रंजन, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी जयप्रकाश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रिंस हत्याकांड : पूर्व सांसद ने की एसपी से मुलाकात, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में लगातार हो रहे अपराधों पर लगाम कसने के लिए पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने बुधवार को एसपी अंब्रिश राहुल से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व सांसद ने एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि मैं मंगलवार को ओबरा प्रखंड क्षेत्र बेल गांव गया था, जहां बीते दिनों उसी गांव के रहने वाले जगलाल साव के बेटे प्रिंस कुमार की हत्या कर दी गई थी। हिंसक मारपीट के दौरान प्रिंस गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसके बाद उसे मगध मेडिकल अस्पताल में एडमिट कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पूर्व सांसद ने कहा कि प्रशासन की सुस्ती से अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। मैं सरकार में हूं, जो कार्य विपक्ष को करना चाहिए, उसे आज मुझे करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रिंस की हत्या में शामिल लोग दारू माफिया हैं। पुलिस की मिली भगत से शराब का कारोबार करते हैं।

पूर्व सांसद ने कहा कि इस घटना का कारण पूर्व का विवाद बताया जा रहा है। पहले के विवाद को लेकर एक साथ कई लड़कों ने वारदात को अंजाम दिया था। पूर्व सांसद ने कहा कि आज पुलिस अधीक्षक को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा है, दोषियों के खिलाफ़ एक सप्ताह में कार्रवाई का आश्वासन मिला है। मुझे पुलिस अधीक्षक पर भरोसा है, वे दोषियों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई करेंगे। 13 जनवरी को बारूण थाना क्षेत्र के मितराज गांव समीप पटना कैनाल नहर के पास रोहतास जिला के शिव सागर थाना क्षेत्र के मोर सराय निवासी अनिल सिंह (ग्रामीण चिकित्सक) को हत्या गोली मारकर कर दी गई थी। 12 जनवरी को मदनपुर थाना के कुशहा मोड़ के बस का किराया नही देने एवं बस नही रोकने के विवाद में युवकों ने मदनपुर थाना क्षेत्र के ही सढईल गांव निवासी मंजय सिंह की हत्या पीट-पीट कर दी थी। इस मामले में मदनपुर पुलिस ने मंगलवार को दो अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

10 जनवरी को ओबरा के लसड़ा मोड़ के पास लोगों ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी थी, जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

5 जनवरी को हसपुरा के धमनी गांव में विवाहिता की हत्या, जम्होर के जगदीशपुर गांव में ननिहाल गए एक युवक की हत्या, कुटुंबा के बेदौलिया गांव में विधवा महिला की गला दबाकर हत्या के अलावा जम्होर के रघुनाथपुर गांव में सनकी पति की ओर से पत्नी की टांगी से कटकर हत्या का मामला सामने आ चुका है।

डीएम ने एक बार फिर ठंड को लेकर विद्यालयों के लिए जारी किया आदेश

- ठंड के कारण औरंगाबाद में कक्षा 8 तक के स्कूल बंद, 9वीं से ऊपर की कक्षाएं बदले समय में होंगी संचालित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में बीते कुछ दिनों से ठंड ने विकराल रूप धारण कर लिया है। सुबह और शाम के समय तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए बड़ा निर्णय लिया है। जिला अधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत आदेश जारी करते हुए जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों (प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों सहित) और निजी कोचिंग संस्थानों में कक्षा 8 तक के शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है। यह रोक 16 जनवरी 2025 से प्रभावी होकर 18 जनवरी 2025 तक लागू रहेगी। आदेश में कक्षा 9 और उससे ऊपर की कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियां सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे के बीच संचालित करने की अनुमति दी गई है। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्याप्त सावधानी बरती जाए ताकि बच्चों को ठंड के प्रभाव से बचाया जा सके।

जिला प्रशासन ने विद्यालय प्रबंधन और कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे इस आदेश के तहत शैक्षणिक गतिविधियों को पुनर्निर्धारित करें और इसे कड़ाई से लागू करें। जिला अधिकारी ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को पर्याप्त ऊनी कपड़े पहनाकर भेजें और ठंड से बचाव के उपाय सुनिश्चित करें।

18 जनवरी को 8वां सामूहिक विवाह का आयोजन

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

औरंगाबाद के नक्सल प्रभावित क्षेत्र कुटुंबा में पिछले 8 सालों से बासुकीनाथ सेवा समिति के तहत सामूहिक विवाह का आयोजन होता आ रहा है। यह आयोजन संडा गांव रहने वाले आरपीएफ कॉन्स्टेबल वरुण कुमार सिंह और उनके सहयोगियों द्वारा लगातार 2016 से किया जा रहा है।

इस सामूहिक विवाह में 21 जोड़ियों की शादी कराई जाती हैं। इस शादी में दलित गरीब पिछड़े घरों की बेटियां होती हैं। आरपीएफ कॉन्स्टेबल वरुण सिंह ने बताया कि 2007 में नौकरी लगने के बाद कई ऐसे लोगों से मिलना होता था, जो गरीब और पिछड़े हैं। उनके पास जीवन यापन के लिए भी पर्याप्त साधन नहीं हैं।

ऐसे लोगों के घर में अगर बेटी होती थी तो उनके लिए शादी, पढ़ाई में होने वाले खर्च एक तरह से बोझ बन जाती थी। समाज में बेटियों को वही सम्मान मिला और उनकी भी शादी उसी धूमधाम से हो इसलिए मैंने सोचा कि मैं ऐसा आयोजन करूंगा, जिसमें गरीब परिवार की बेटियां भी धूमधाम से अपनी शादी का शौख पूरा कर सकेंगी और बेटियां किसी के लिए बोझ नहीं बनेंगी।

पिछले 8 सालों से 21 जोड़ियों की शादी

वरुण कुमार सिंह ने बताया कि सामूहिक विवाह का आयोजन करना किसी चुनौती से कम नहीं था। शुरुआत में लोगों ने भरोसा नहीं किया। उनके लिए यह सोच कर आया था कि उनकी मदद करूंगा, उन्हें भरोसा दिलाना भी किसी चुनौती से कम नहीं था। कुछ महीने के प्रयास के बाद लोग तैयार हुए और पहले साल 2016 में 8 जोड़ियों की शादी कराई गई। उसके बाद 27 फिर 24 और अब 21 जोड़ियों की शादी कराई जाती हैं। बता दें कि वरुण कुमार सिंह ने अब तक 150 से अधिक बेटियों की जोड़ी बनाई हैं और सामूहिक विवाह के माध्यम से शादियां कराई हैं।

18 जनवरी को 8वां भव्य सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 21 जोड़ियों की शादी कराई जाएगी। इसके लिए बिहार झारखंड से भी लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। वरुण कुमार सिंह ने बताया कि वैसे लोग भी इस सामूहिक विवाह में शामिल होते हैं, जिनके पिता नहीं हैं या मां नहीं हैं। उन्हें अपनी बेटी समझ कर कन्यादान किया जाता है। इसके लिए कुटुंबा प्रखंड के चपरा में पंचदेव धाम परिसर में इसका भव्य आयोजन किया जाता है।

व्यवहार न्यायालय के न्यायिक कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के व्यवहार न्यायालय में न्यायिक कर्मचारियों ने 16 जनवरी 2025 से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल शुरू करने की घोषणा की है। यह जानकारी न्यायिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्रीकांत कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारी न्यायालय परिसर के बाहर धरने पर बैठेंगे। इस हड़ताल को लेकर संघ ने प्रधान जिला जज राजकुमार वन को ज्ञापन सौंप दिया है। इसके साथ ही कोर्ट से संबंधित सभी ताले की चाबियां कार्यालय में जमा कर दी गई हैं। संघ के अनुसार, इस हड़ताल में सभी वर्गों के न्यायिक कर्मचारी, जैसे अंशुलिपिक, लिपिक, बयान लेखक, कार्यालय परिचारी, ड्राइवर और चौकीदार शामिल होंगे। संघ ने बताया कि उनकी चार मुख्य मांगें हैं, जिनमें वेतन विसंगतियों का समाधान, शत-प्रतिशत अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति और विशेष न्यायिक कैडर की स्थापना शामिल है।

इस हड़ताल का न्यायालय के कामकाज पर व्यापक असर पड़ने की संभावना है। रिमांड और अभियुक्तों की रिहाई से जुड़े कार्य बाधित होंगे। 164 के बयान दर्ज करने, अग्रिम और नियमित जमानत याचिकाओं की सुनवाई और शराब सेवन से जुड़े मामलों में जुर्माना वसूली जैसे कार्य ठप रहेंगे। सिविल और आपराधिक मामलों का दाखिला, सुनवाई और गवाही भी लंबित हो जाएगी। पटना उच्च न्यायालय के किसी आदेश के अनुपालन में भी देरी हो सकती है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने कहा कि यह राज्य स्तर पर न्यायिक कर्मचारियों की पहली हड़ताल है, जो अधिवक्ताओं और मुवक्किलों पर सीधा असर डालेगी। संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, हड़ताल जारी रहेगी।

मकर संक्रांति के अवसर पर बख्श फाउण्डेशन द्वारा असहाय व जरूरतमंदों को वितरित किया गया कंबल और गर्म कपड़े

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज (औरंगाबाद)। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बख्श फाउंडेशन द्वारा मंगलवार को दुआरी गांव में महादलित, असहाय, वृद्ध और बच्चों के बीच गर्म कपड़े और कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ठंड के इस मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वार्ड सदस्य तबरेज आलम ने बख्श फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्यों से न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि समाज में भाईचारा और आपसी सद्भावना भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड में यह पहल राहत का बड़ा जरिया बनेगी। समाजसेवी नरेश यादव ने इस मौके पर कहा कि असहाय और जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने बख्श फाउंडेशन के प्रयासों को सराहा और कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को प्रेरित करते हैं। इस कार्यक्रम में कुल 56 परिवारों को गर्म कपड़े और कंबल वितरित किए गए। संस्था की कोषाध्यक्ष सायरा बानो ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि फाउंडेशन भविष्य में भी इस तरह के समाजसेवा के कार्य जारी रखेगा। कार्यक्रम में बलिंद्र यादव, नजीर अहमद, मुस्तरी खातून, गुलरेज एकराम और अंजुम शाहीन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इन सामाजिक कार्यों ने न केवल जरूरतमंदों को राहत प्रदान की, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित किया। बख्श फाउंडेशन का यह कदम समाज में आपसी सहयोग और मानवता के आदर्श को आगे बढ़ाने का संदेश देता है।

खेत से महिला का शव बरामद

पटना (नि.सं.)। पटना के दानापुर स्थित शाहपुर थाना क्षेत्र के मठियापुर में एक महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। सुबह टहलने निकले लोगों को खेत में एक महिला का शव मिला।

ध्वजारोपण के साथ जयपुर में हुआ शत्रुंजय शतचंडी महायज्ञ का आह्वान

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

नवीनगर प्रखंड के जयपुर ग्राम में ध्वजारोपण के साथ श्री शत्रुंजय शतचंडी महायज्ञ का आह्वान किया गया। इस यज्ञ को 10 से 15 अप्रैल तक संपादित किया जाना तय हुआ है। बुधवार की सुबह शुभ-मुहूर्त में श्रीराम पाण्डेय की अध्यक्षता में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंडित पवन मिश्र ने उक्त यज्ञ के निमित्त ध्वजारोपण करवाया। यजमान की भूमिका का निर्वहण अमिताभ कुमार सिंह अमर ने किया। समस्त ग्रामीण जन बड़े ही उत्साह से ढोल-बाजे के साथ पूरे गांव का भ्रमण किये।

पंडित मिश्र ने बतलाया कि यज्ञ को शास्त्रों में सर्वश्रेष्ठ कर्म माना गया है जिससे आध्यात्मिक संपदा तो मिलती ही है, मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं। श्रीराम पांडेय ने कहा कि यज्ञ करने से मानसिक शांति के साथ-साथ दैहिक, दैविक तथा भौतिक तापों का शमन भी होता है। यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संतोष सिंह ने कहा कि यज्ञ में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों से वातावरण में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया और जीवाणु खत्म हो जाते हैं।

जिले में हर दिन 200 से अधिक लोगों को काट रहे कुत्ते

पटना (नि.सं.)। पटना जिले में हर दिन 200 से ज्यादा लोगों को कुत्ते काट रहे हैं। अलग-अलग अस्पतालों में पहुंच रहे लोगों और एंटी रेबीज वैक्सीन की खपत के आकलन से यह सामने आया है। जिले में एंटी रेबीज वैक्सीन की खपत में पिछले साल की तुलना में लगभग 70% की बढ़ोतरी हुई है, इसमें सबसे अधिक कुत्ता काटने की घटना अक्टूबर से दिसंबर के बीच हुई। पीएमसीएच को छोड़ अन्य सभी जिला अस्पतालों, पीएचसी में एंटी रेबीज लेने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल के निदेशक डॉ. मनोज सिन्हा ने बताया कि पिछले 15 दिनों से कुत्तों के काटने के मामले बढ़े हैं। पहले जहां 30 से 35 लोग कुत्ता काटने के बाद एआरबी वैक्सीन लेने आते थे, अब यह संख्या बढ़कर 50 से 55 हो गई है। वहीं गर्दनीबाग अस्पताल, शास्त्रीनगर, दीघा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रतिदिन पांच से सात लोग कुत्ता काटने से पीड़ित होकर वैक्सीन लेने आते हैं।

ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह ने 10000 कुंडली बनाकर कीर्तिमान किया स्थापित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध ज्योतिर्विद, अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार शिवनारायण सिंह जी द्वारा 10000 कुंडली बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह कीर्तिमान उन्होंने मकर संक्रांति के दिन पूरा किया है। इस संबंध में उन्होंने बताया कि वे लगातार 2 दशक से इस कार्य को करते आ रहे थे।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने उनके इस कीर्तिमान स्थापित करने पर बधाई दी।बधाई संदेश में कहा कि यह औरंगाबाद जिले के लिए गौरवान्वित करने वाला विषय है। इस उपलब्धि पर उनके नाम को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया जाना चाहिए एवं बिहार सरकार एवं भारत सरकार से मांग किया कि उन्हें पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि शिव नारायण सिंह बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन संघर्ष में व्यतीत किया।

बिहार सरकार
कृषि विभाग

शीतलहर/पाला से होने वाली क्षति से बचाव हेतु दिशा-निर्देश

शीतलहर/पाला का लक्षणः शीतलहर के कारण वायुमंडल में उपस्थित जलवाष्प जब पेड़–पौधों की पत्तियों अथवा किसी ठोस पदार्थ के सम्पर्क में आती है तथा तापमान 4°C या इससे भी कम हो जाता है, तब ऐसी स्थिति में ओस की बूंदें बर्फ की चादर के रुप में जम जाती है। इस अवस्था को हम पाला कहते हैं।

किसान भाई-बहन शीतलहर / पाला से होने वाले फसलों में क्षति से बचाव हेतु निम्नांकित उपाय अपना सकते हैं :-

(क) **पाला पड़ने की संभावना** वाले दिनों में मिट्टी की गुड़ाई या जुताई नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से मिट्टी का तापमान कम हो जाता है।

(ख) **खेत की सिंचाईः** जब भी पाला पड़ने की आशंका होने पर फसल में हल्की सिंचाई कर देने से तापमान 4°C से नीचे नहीं गिरेगा और फसलों को पाले से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है।

(ग) **घुलनशील गंधक का छिड़कावः** फसलों में पाला की आशंका होने पर घुलनशील गंधक 80 प्रतिशत डब्लू0 पी0 का 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर फसलों को बचाया जा सकता है, चुँकि सल्फर (गंधक) से पौधों में गर्मी बनती है।

(घ) **खेत या नर्सरी के आसपास धुआँ करनाः** संध्या होने के उपरान्त खेतों के चारों कोने पर घास/फूस जलाकर धुआँ करना चाहिए, जिससे पाला सीधे तौर पर फसल पर नहीं गिर पाता है। इससे तापमान कम नहीं होता है और फसलों पर नुकसान नहीं हो पाता है।

(ड.) **पौधों को ढ़ककरः** नर्सरी की अवस्था में प्याज, मिर्च, टमाटर, बैगन इत्यादि सब्जियाँ भी पाले से प्रभावित होती है। इन्हें बचाने के लिए पॉलिथिन या अन्य तरीके से भी फसलों को ढक देना चाहिए। गाँव में पुआल का इस्तेमाल पौधों के ढकने के लिए किया जा सकता है। पौधों को ढ़कते समय ध्यान रखें कि पौधों का पूर्वी–दक्षिण भाग खुला रहे, ताकि पौधों को सुबह–दोपहर को धूप मिलती रहे। पुआल का प्रयोग फरवरी माह तक करना चाहिए।

(च) **फफूँदनाशी का छिड़कावः** शीतलहर/पाला एक सामायिक घटना है, जबकि झुलसा एक फफूँद के द्वारा फैलने वाला रोग है। चुँकि इसका संक्रमण बहुत तेजी से फसलों पर पड़ता है, इसलिए इस रोग को चक्रवृद्धि ब्याज रोग भी कहते हैं। झुलसा रोग की तीव्रता काफी अधिक बढ जाने की स्थिति में निम्नांकित में से किसी एक फफूँदनाशी का छिड़काव सात दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।

मैंकोजेब 75 प्रतिशत धु0 चू0 अथवा कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत धु0 चू0 + मैंकोजेब 63 प्रतिशत धु0 चू0 अथवा जिनेब 75 प्रतिशत धु0 चू0 अथवा मेटालैक्सील एम 4 प्रतिशत धु0 चू0 + मैंकोजेब 64 प्रतिशत धु0 चू0 का 2 से 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर फसलों पर छिड़काव करना चाहिए।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए किसान कॉल सेन्टर के ट्रॉल फ्री० नं० 18001801551 पर या अपने जिला के सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण से सम्पर्क कर सकते हैं।

संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण
बिहार, पटना।

PR No.- 017196 (Agriculture)D. 2024-25